प्रियंका गांधी के 'गोमूत्र एक्सपर्ट'.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

किसी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम... 11

वर्ष - 02, अंक - 132 | गाजियाबाद / शुक्रवार 14 अगस्त 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

संक्षिप्त समाचार

चुनाव से पहले योगी सरकार का 'खेला'

प्रदेश की महिलाओं को 50-50 हजार रुपए देने की तैयारी

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी सरकार विधानसभा चुनाव से पहले महिला वोटबैंक को साधने के लिए बड़ी योजना लागू कर सकती है। इसके तहत 50 लाख से ज्यादा महिलाओं को 50-50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी। चुनाव से पहले 20 हजार रुपए की पहली किस्त दी जाएगी। चुनाव के

बाद भाजपा की सरकार बनने पर 10-10 हजार रुपए की 3 किस्तें दी जाएंगी। सरकार में योजना को लेकर मंथन शुरू हो गया है। चुनाव अगले साल जनवरी-फरवरी में हो सकते हैं। दरअसल, पिछले साल बिहार विधानसभा चुनाव में बड़ी जीत दर्ज करने के बाद भाजपा की नजर अब यूपी पर है। बिहार में चुनाव से ठीक पहले महिलाओं के खातों में 10-10 हजार रुपए भेजे गए थे। उसी तर्ज पर यूपी में भी योजना शुरू की जाएगी।

चुनाव से पहले महिलाओं को साधेगी सरकार- योगी सरकार जेन-जी आंदोलन के बीच वोटबैंक को साधने के लिए महिला सहायता, स्वरोजगार और आर्थिक स्वावलंबन के लिए योजना लाने की तैयारी में है। महिला कल्याण विभाग के जरिए योजना प्रस्तावित की जाएगी।

छात्र प्रदर्शन मामले में 600 पर एफआईआर

पुलिस बैरिकेडिंग तोड़ने और झड़प मामले में बढ़ी सख्ती

रांची (एजेंसी)। जेपीएससी और जेएसएससी की भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताओं के खिलाफ चल रहे छात्र आंदोलन के अगले चरण को लेकर रांची जिला प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। वहीं पिछले दिनों हंगामे के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। रांची में पुलिस बैरिकेडिंग तोड़ने और झड़प के मामले में करीब 600 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। इनमें करीब 100

लोग नामजद हैं। वहीं, लगभग 500 अज्ञात लोगों के खिलाफ भी केस दर्ज किया गया है।बताया जा रहा है कि नामजद लोगों में ज्यादातर बीजेपी के युवा कार्यकर्ता हैं। एफआईआर के बाद पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस नामजद आरोपियों की तलाश कर रही है। साथ ही प्रदर्शन के दौरान हुई घटनाओं की जांच भी की जा रही है। उधर,आंदोलनकारी छात्रों ने 20 अगस्त को मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने की तैयारी की है। हालांकि आंदोलित छात्रों ने औपचारिक तौर पर इसका ऐलान नहीं किया है, लेकिन खुफिया इनपुट के मद्देनजर सुरक्षा बढ़ी है।

दिल्ली का लाल किला ब्लास्ट

अलकायदा ने कराया

● यूएन की रिपोर्ट में दावा, हाथ होने का हुआ बड़ा खुलासा ● एनआईए की जांच में भी यही निकला था

नई दिल्ली (एजेंसी)। लाल किले के पास हुए धमाके में अलकायदा से जुड़े संगठन का हाथ था। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की 38वीं रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। 10 नवंबर 2025 की शाम लाल किले के पास हुए इस धमाके में 11 लोगों की मौत हुई थी, जबकि कई अन्य लोग घायल हुए थे। रिपोर्ट के मुताबिक अलकायदा इन द इंडियन सबकॉन्टिनेंट ने इस धमाके को अंजाम दिया। इसमें कहा गया है कि अलकायदा अब छोटे-छोटे सेल के जरिए काम कर रहा है और उसने अपना लॉजिस्टिक्स, फाइनेंशियल नेटवर्क भी तैयार कर लिया है। इससे पहले आई यूएन की 37वीं रिपोर्ट में एक सदस्य देश ने इस हमले के पीछे जैश-ए-मोहम्मद का हाथ बताया था। यानी इस हमले को लेकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की लगातार दो रिपोर्टों में दो अलग-अलग आतंकी संगठनों के नाम सामने आए हैं। एनआईए की चार्जशीट में भी यही दावा था।

बांग्लादेश में आतंकी सेल बनाने की कोशिश

एनआईए की एनालिटिकल सपोर्ट एंड सेंक्शंस मॉनिटरिंग टीम की यह रिपोर्ट 10 अगस्त को जारी की गई। इसमें कहा गया है कि अलकायदा अब बिखरे हुए छोटे आतंकी संगठन की बजाय एक क्षेत्रीय आतंकी नेटवर्क के रूप में विकसित हो चुका है। संगठन ने अपना लॉजिस्टिक्स और फाइनेंशियल नेटवर्क तैयार कर लिया है और अब बड़े समूहों के बजाय छोटे-छोटे, अलग-अलग सेल के जरिए काम कर रहा है।

रासायनिक और जैविक हथियार बनाने की कोशिश

रिपोर्ट में कहा गया है कि अलकायदा और इस्लामिक स्टेट लंबे समय से ऐसे जहरीले रासायनिक और जैविक हथियार बनाने की कोशिश कर रहे हैं, जिनसे बड़ी संख्या में लोगों को नुकसान पहुंचाया जा सके। हालांकि, अब तक वे इसमें पूरी तरह सफल नहीं हो पाए हैं, क्योंकि ऐसे हथियार बनाना बेहद मुश्किल काम है। रिपोर्ट के मुताबिक, इन आतंकी संगठनों से जुड़े ऑनलाइन नेटवर्क पर अब भी ऐसे जहरीले पदार्थ बनाने के तरीके और जानकारी साझा की जा रही है। फरवरी में अंग्रेजी पत्रिका इनवेड में बोटुलिनम टॉक्सिन और साइनाइड जैसे जहरीले पदार्थ तैयार करने से जुड़े निर्देश प्रकाशित किए गए थे। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि पिछले 12 महीनों के दौरान अपने नेटवर्क को बढ़ाया है।

पूर्व डिप्टी सीएम पर नांदेड़ में हमला

नांदेड़ (एजेंसी)। पंजाब के पूर्व डेप्युटी सुखबीर सिंह बादल पर नांदेड़ में जानलेवा हमला हुआ है। उन पर हमला सचखंड गुरुद्वार के पास हुआ है। इसमें उनके एक सुरक्षाकर्मी घायल हुए हैं। मौके पर सुरक्षा बल के जवान पहुंच गए हैं। अभी हमले की वजह सामने नहीं आई है। बताया जा रहा है कि सुखबीर सिंह बादल को अस्पताल ले जाया गया है। साथ ही उनके घायल सुरक्षाकर्मी को भी ले जाया गया गया है। महाराष्ट्र के नांदेड़ में शिरोमणि अकाली दल के नेता सुखबीर सिंह बादल पर हमला हुआ। निहंगों के हमले में घायल अकाली नेता को हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया है। सुखबीर बादल परिवार के साथ नांदेड़ में माता साहेब गुरुद्वारा दर्शन के लिए गए थे। बताया जा रहा है कि उन पर चाकू से हमला हुआ है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया है।

बांग्लादेश की छाती के पास से दौड़ेगी भारतीय रेल

चिकन नेक कॉरिडोर से चौथी रेलवे लाइन को भी मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार ने सामरिक रूप से महत्वपूर्ण पूर्वी भारत के चिकन नेक कॉरिडोर से होकर चौथी रेलवे लाइन को भी मंजूरी दे दी है। चिकन नेक या सिलीगुड़ी कॉरिडोर पूर्वोत्तर भारत को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाला एकमात्र जमीनी रास्ता है। नॉर्थ ईस्ट फ्रंटियर रेलवे के जनरल मैनेजर चेतन कुमार श्रीवास्तव ने बिहार के कटिहार में इस बात की अहमियत दी कि मालदा-न्यू

जलपाईगुड़ी सेक्शन पूर्वोत्तर भारत को देश के बाकी भाग से जोड़ने वाला इकलौता और महत्वपूर्ण हिस्सा है। बुधवार रात को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जीएम ने कहा, इस सेक्शन (चिकन नेक कॉरिडोर) के लिए पहले तीसरी लाइन के लिए प्रस्ताव था, लेकिन अब चौथी लाइन भी मंजूर हुई है।

कटिहार डिवीजन के लिए रेलवे की कई घोषणाएं

कटिहार डिविजन के बारे में उनका कहना है कि 42 नई ट्रेनें शुरू की गई हैं और यात्रियों की सुविधा के लिए करीब 250 नए स्टॉपेज बनाए गए हैं। उन्होंने बताया कि न्यू जलपाईगुड़ी स्टेशन के जो विकास का काम चल रहा है, वह 2027 के अप्रैल तक पूरा कर लिया जाएगा। उनके अनुसार, जोगबनी, राधिकापुर और बालुरघाट से नई लोकल ट्रेन सेवाएं जल्द शुरू करने की कोशिशें भी जारी हैं। इससे सीमावर्ती और दूर-दराज इलाकों से कनेक्टिविटी बढ़ेगी।

चिकन नेक कॉरिडोर में रेलवे कई प्रोजेक्ट पर काम

सिलीगुड़ी कॉरिडोर की रणनीतिक अहमियत को देखते हुए रेलवे ने हाल के समय में यहां अपनी क्षमता में विस्तार के लिए लगातार ने कदम उठा रहा है। चेतन कुमार श्रीवास्तव का कहना है कि प्रोजेक्ट पूरा होने के बाद इलाके में रेलवे नेटवर्क का कायाकल्प हो जाएगा। उन्होंने बताया कि बारसोई सेक्शन में भी दोहरीकरण काम तेजी से चल रहा है। चिकन नेक कॉरिडोर या सिलीगुड़ी कॉरिडोरकरीब 20 से 22 किलो मीटर चौड़ी भूमि है, जो उत्तर बंगाल में करीब 60 किलो मीटर लंबा है और पूर्वोत्तर भारत को बाकी देश से जोड़ता है। यह कॉरिडोर देश की सुरक्षा के लिहाज से बहुत ही ज्यादा महत्वपूर्ण है, जो बांग्लादेश से सटा हुआ इलाका है। हाल के दिनों में तनाव बढ़ा है।

आखिरी दिन लोकसभा एक मिनट, राज्यसभा 1 घंटे चली

संसद का मानसून सत्र अनिश्चितकाल के लिए हुआ स्थगित

मोदी-शाह और राहुल सदन में मौजूद रहे, विपक्ष का हंगामा

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद का मानसून सत्र गुरुवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गया। आखिरी दिन लोकसभा की कार्यवाही सिर्फ 1 मिनट चली, जबकि राज्यसभा करीब 1 घंटे चली। लोकसभा में पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, पूरी कैबिनेट और विपक्ष के नेता राहुल गांधी मौजूद रहे। स्पीकर ओम बिड़ला ने वंदे मातरम गान के बाद सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी। वहीं, राज्यसभा में आखिरी दिन एमएमडीआर संशोधन बिल पास हुआ। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने उनके कार्यक्रम के बाद शुद्धिकरण का मुद्दा उठाया।

मानसून सत्र में 12 नए बिल पेश, 11 दोनों सदनों में पास

2026 के मानसून सत्र में कुल 12 नए बिल पेश किए गए। इनमें 10 लोकसभा और 2 राज्यसभा में पेश हुए। लोकसभा में आए बिल टैक्स, बैंकिंग, खनन, ट्रिब्यूनल, जन्म-मृत्यु पंजीकरण, परीक्षा में नकल रोकने, केरल का नाम बदलने और सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या जैसे मुद्दों से जुड़े हैं। माइंस एंड मिनरल्स संशोधन बिल के राज्यसभा से पास होने के बाद अब 12 में से 11 बिल दोनों सदनों से पास हो चुके हैं। केवल भारतीय सांख्यिकी संस्थान बिल अभी दोनों सदनों से पास नहीं हुआ है।

टाटा संस में चंद्रशेखरन की जगह ले सकते हैं नरेंद्रन

● चेयरमैन की रेस में टाटा स्टील के एमडी सबसे आगे

मुंबई (एजेंसी)। टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन के अचानक इस्तीफे के बाद नए उत्तराधिकारी की तलाश शुरू हो गई है। सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट ने आज 13 अगस्त को एक प्रस्ताव पास कर 5 सदस्यीय सिलेक्शन कमेटी गठित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस पद की रेस में टाटा स्टील के मैनेजिंग डायरेक्टर टीवी नरेंद्रन का नाम सबसे आगे है।

आय से अधिक संपत्ति के आरोप की सीबीआई-ईडी जांच के निर्देश का है मामला

हाईकोर्ट के आदेश को राहुल गांधी ने दी 'सुप्रीम' चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आय से अधिक संपत्ति रखने के आरोपों की जांच के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को दिए गए निर्देशों को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। राहुल गांधी ने मामले को इलाहाबाद हाईकोर्ट से दिल्ली हाईकोर्ट स्थानांतरित करने की मांग करते हुए अलग से ट्रांसफर याचिका भी दाखिल की है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ इन पर 17 अगस्त को सुनवाई करेगी।

सीबीआई की रिपोर्ट पर हाईकोर्ट ने जताई थी नाराजगी

हाईकोर्ट ने दोनों केंद्रीय जांच एजेंसियों को मामले की प्रगति से अदालत को अवगत कराने का निर्देश दिया था। इसके बाद 20 जुलाई को हुई सुनवाई में अदालत ने सीबीआई के हलफनामे पर असंतोष जताया और कहा कि यह उसके पहले दिए गए निर्देशों के अनुरूप नहीं है। दूसरी ओर, अदालत ने कहा कि ईडी ने आवश्यक कदम उठाए हैं। हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि जांच के दौरान यदि ईडी को कोई सूचना प्राप्त होती है तो वह कार्रवाई करती है।

सुप्रीम कोर्ट से मामले को दिल्ली स्थानांतरित करने की मांग

राहुल गांधी ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेशों को चुनौती देने के साथ-साथ अलग ट्रांसफर याचिका भी दाखिल की है। इसमें उन्होंने मामले को इलाहाबाद हाईकोर्ट से दिल्ली हाईकोर्ट स्थानांतरित करने का अनुरोध किया है। अब सुप्रीम कोर्ट के सामने मुख्य सवाल यह होगा कि शिकायत के आधार पर केंद्रीय जांच एजेंसियों को आरोपों के सत्यापन के लिए दिए गए हाईकोर्ट के निर्देशों की कानूनी वैधता क्या है देखा जाएगा।

काशी में घाट डूबे, अंतिम संस्कार के लिए घंटों इंतजार

● उत्तराखंड में हादसा, देहरादून और टिहरी में लैंडस्लाइड ● 15 राज्यों में अगले 4 दिन भारी बारिश का अलर्ट जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बंगाल की खाड़ी में सिस्टम बनने से बुधवार को 20 राज्यों में अच्छी बारिश हुई। अगले 4 दिनों तक मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान समेत 15 राज्यों में तेज बारिश का अलर्ट है। उत्तर प्रदेश के बनारस में घाटों की सीढ़ियों तक पानी पहुंच गया है। हरिश्चंद्र घाट पर शवदाह स्थल डूब गया है। घाट की ऊपरी सीढ़ियों पर चिताएं जलाई जा रही हैं। लोगों को 2 से 3 घंटे तक शव का अंतिम संस्कार कराने के लिए इंतजार करना पड़ रहा है। उन्नाव मे सड़क पर नाव चलानी पड़ी। राजस्थान के 5 से ज्यादा जिलों में बुधवार को तेज बारिश हुई। जयपुर में 4 घंटे से ज्यादा पानी बरसा। पानी से भरे गड्ढे के कारण बस पलट गई। बारिश और

पेड़ गिरने से शहर के ज्यादातर हिस्सों में ट्रैफिक जाम रहा। उधर, उत्तराखंड के देहरादून-मसूरी मार्ग पर लैंडस्लाइड के चलते मलबा सड़क पर आ गिरा। इससे दोनों ओर करीब 10 किमी लंबा जाम लग गया। राज्य के 9 जिलों में 67 सड़कें बंद हैं। मध्य प्रदेश के कई जिलों में लगातार चार दिनों से तेज बारिश हो रही है। हिमाचल प्रदेश में बारिश से 204 सड़कें बंद हैं।

एमपी के शिवपुरी-श्योपुर में तेज बारिश

मध्य प्रदेश के पश्चिमी हिस्से को तरबतर करने के बाद अब मानसून का स्ट्रॉन्ग सिस्टम पूर्वी हिस्से में ऐक्टिव होगा। शुक्रवार से जबलपुर, रीवा और शहडोल संभाग के जिलों में 3 दिन भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। इससे पहले गुरुवार को शिवपुरी-श्योपुर में तेज बारिश की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग के मुताबिक, 24 घंटे में इन दोनों जिलों में 4 इंच या इससे ज्यादा पानी गिर सकता है।

बाढ़ प्रभावित असम के लिए बंगाल से 10 करोड़ की मदद

पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री ने बाढ़ प्रभावित असम के लिए 10 करोड़ रुपए की मदद का ऐलान किया है। यह राशि मुख्यमंत्री राहत कोष से दी जाएगी। असम में बाढ़ से अब तक 103 लोगों की मौत हो चुकी है और राहत-बचाव जारी है। असम सरकार राहत और पुनर्वास पर करीब 1,000 करोड़ रुपए खर्च करेगी। नुकसान का आंकलन मोबाइल ऐप से किया जा रहा है। अब तक 8,325 परिवारों का सर्वे हो चुका है और इसे 15 सितंबर तक पूरा करने का लक्ष्य है।

भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में सीएम का बड़ा ऐलान

परिवार के सदस्य को मिलेगी सरकारी नौकरी और मदद

आरा (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने परिवार को आर्थिक सहायता और मुआवजा देने का ऐलान किया है। सीएम ने एक्स पर लिखते हुए बताया है कि परिवार को न्यायिक जांच आयोग के अंतरिम रिपोर्ट के आधार पर परिवार को एक सरकारी नौकरी और आर्थिक मदद प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने लिखा है कि न्यायिक जांच के अंतरिम रिपोर्ट के आधार पर बिहार सरकार द्वारा दिवंगत भरत तिवारी के परिवार को आर्थिक सहायता एवं एक परिजन को सरकारी नौकरी प्रदान की जाएगी।

17 जून, 2026 को हुआ था एनकाउंटर

भरत तिवारी का भोजपुर जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र के बिलौटी गांव में पुलिस ने एनकाउंटर किया था। भरत तिवारी को तीन गोली मारने की बात कही गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पांच गोली मारने की पुष्टि हुई। हंगामा और परिवार की मांग के बाद बिहार सरकार ने रिटायर्ड जस्टिस विनोद कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में न्यायिक जांच आयोग का गठन किया। न्यायिक जांच आयोग के समक्ष भरत तिवारी के पिता काशीनाथ तिवारी और उनकी माता आशा देवी का बयान दर्ज हो चुका है। आयोग के समक्ष भरत तिवारी के परिजनों और उनके भाई का भी बयान दर्ज हो चुका है।

कर्नाटक सरकार ने तंबाकू गुटखा, पान मसाला और निकोटीन पर लगाया बैन

–उत्पादों के निर्माण, भंडारण, वितरण और बिक्री पर एक साल तक रोक

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक सरकार ने गुटखा, पान मसाला और तंबाकू-निकोटीन वाले उत्पादों पर एक साल की रोक लगा दी है। यह प्रतिबंध सिर्फ बिक्री पर नहीं है। इसके साथ ही यह बैन बनाने में, स्टोर करने में, सामान को इधर से उधर भेजने-पहुंचाने में भी लागू रहेगा, जिसके बाद पूरे राज्य में जांच अभियान तेज कर दिया गया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कर्नाटक राज्य के खाद्य सुरक्षा और औषधि प्रशासन विभाग ने गुटखा, पान मसाला और तंबाकू या निकोटीन वाले दूसरे संबंधित उत्पादों के खिलाफ बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने इन उत्पादों के निर्माण, भंडारण, ले जाने-पहुंचाने, वितरण और बिक्री पर एक साल के लिए रोक लगा दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, विभाग ने 10 अगस्त को इस संबंध में अधिसूचना जारी की थी। इसमें कहा गया है कि यह रोक अधिसूचना जारी होने की तारीख से एक साल तक लागू रहेगी यानी कर्नाटक में इन प्रतिबंधित उत्पादों के कारोबार से जुड़े लोगों के लिए अब मुश्किलें बढ़ सकती है।

सरकार ने इस बार पूरी सप्लाई चेन को जांच के दायरे में रखा है। इसका मतलब है कि अगर कोई प्रतिबंधित उत्पाद बाजार में पहुंच रहा है, तो विभाग केवल दुकान तक पहुंचकर जांच नहीं करेगा। सामान कहां बना, कहां रखा और किस रास्ते से बाजार तक पहुंचा, इसकी भी जानकारी जुटाई जाएगी। खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों को ऐसे उत्पादों के निर्माण, भंडारण, परिवहन, वितरण और बिक्री की जांच करने के निर्देश दिए हैं। विभाग का कहना है कि प्रतिबंधित उत्पादों का सर्कुलेशन रोकने के लिए नियमों को सख्ती से लागू किया जाएगा।

अधिसूचना जारी होने के बाद खाद्य सुरक्षा विभाग ने राज्यभर में कार्रवाई तेज कर दी है। फूड सेफ्टी अधिकारियों की निगरानी में जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसका मकसद प्रतिबंधित तंबाकू और निकोटीन वाले उत्पादों को बाजार में पहुंचने से रोकना है। सरकार ने इस अभियान में आम लोगों से भी सहयोग मांगा है। खाद्य सुरक्षा और औषधि प्रशासन विभाग ने अपील की है कि अगर किसी व्यक्ति को प्रतिबंधित तंबाकू या निकोटीन वाले उत्पादों के बनने, बिकने या बांटे जाने की जानकारी मिलती है तो वह संबंधित अधिकारियों को सूचना दे। विभाग का कहना है कि लोगों की भागीदारी से प्रतिबंधित उत्पादों की उपलब्धता रोकने में मदद मिलेगी। सरकार ने इसे स्वस्थ और नशा-मुक्त कर्नाटक की दिशा में उठाया गया कदम बताया है।

मेघालय में तीन महीने में एचआईवी के 574 नए मामले

शिलांग (एजेंसी)। मेघालय में वर्ष 2026 की पहली तिमाही में 574 नए एचआईवी संक्रमण सामने आए हैं। इनमें 16 गर्भवती महिलाएं भी शामिल हैं। राज्य में बढ़ते संक्रमण को देखते हुए मेघालय एड्स कंट्रोल सोसाइटी ने जागरूकता, जांच और रोकथाम के प्रयासों को तेज कर दिया है। मेघालय एड्स कंट्रोल सोसाइटी के आंकड़ों के मुताबिक, मेघालय में करीब 52 प्रतिशत एचआईवी संक्रमण आकस्मिक यौन संपर्क से जुड़े हैं। वहीं 32 प्रतिशत मामले नियमित पार्टनर या पति-पत्नी के माध्यम से हुए। संक्रमित सुई या सीरिंज साझा करने से नशीली दवाओं के इंजेक्शन उपयोग में 9 प्रतिशत, व्यावसायिक यौन संपर्क से 4 प्रतिशत और मां से बच्चे में संक्रमण के करीब 2.5 प्रतिशत मामले सामने आए हैं। अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर शिलांग के लेडी कीन कॉलेज में स्टेटवाइड इंटेंसिफाइड आईईसी कैंपेन 3.0 की शुरुआत की गई। स्वास्थ्य मंत्री वाइलाडमिकि शायला ने कहा कि एचआईवी के खिलाफ लड़ाई केवल मेघालय एड्स कंट्रोल सोसाइटी की जिम्मेदारी नहीं है। सरकार, शिक्षण संस्थानों, समुदायों, स्वास्थ्यकर्मियों और युवाओं की सामूहिक भागीदारी जरूरी है। अभियान के तहत 126 गांव, 3,000 स्कूल और 85 कॉलेज तक पहुंचने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा 15 हजार घरों में जाकर लोगों को जागरूक किया जाएगा। फ्लैश मॉब, स्वास्थ्य शिविर और अन्य जन-जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। मेघालय एड्स कंट्रोल सोसाइटी के परियोजना निदेशक डॉ. के.एल. इआबोर ने कहा कि HIV को लेकर गलत जानकारी और सामाजिक भेदभाव अभी भी बड़ी चुनौती है। उन्होंने शुरुआती जांच और समय पर उपचार के महत्व पर जोर दिया। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि राज्य सरकार ने एचआईवी/एड्स से निपटने के लिए पांच वर्षीय योजना को मंजूरी दी है। अभियान में सुरक्षित व्यवहार, संक्रमित सुई से बचाव, मां से बच्चे में संक्रमण की रोकथाम और संक्रमित रक्त से बचाव पर विशेष जोर दिया जाएगा।

लेह-लद्दाख में 5.5 तीव्रता का भूकंप, फिलहाल नुकसान की सूचना नहीं

लेह (एजेंसी)। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में गुरुवार सुबह भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 5.5 मापी गई। भूकंप के झटके सुबह करीब 6ः05 बजे महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक, भूकंप का केंद्र जमीन की सतह से करीब 10 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। भूकंप के झटके महसूस होते ही लोगों में कुछ देर के लिए दहशत का माहौल बन गया। कई लोग एहतियातन घरों और इमारतों से बाहर निकल आए। फिलहाल भूकंप के कारण किसी तरह के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है। भूकंप के झटके महसूस होने के साथ ही प्रशासन और संबंधित एजेंसियां स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। लद्दाख भूकंपीय दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र माना जाता है, इसलिए यहां समय-समय पर भूकंप के झटके महसूस होते रहे हैं। अधिकारियों की ओर से लोगों से घबराने के बजाय सतर्क रहने की अपील की गई है। भूकंप के बाद संभावित आफ्टरशॉक्स को देखते हुए भी निगरानी रखी जा रही है।

जेल में भी नहीं सुधरे प्रज्वल रेवन्ना : बैरक से मिला फोन में पोर्न वीडियो

बेंगलुरु (एजेंसी)। बलात्कार के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे जनता दल (सेक्युलर) के पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना की मुश्किलें एक बार फिर काफी बढ़ गई हैं। बेंगलुरु की उच्च सुरक्षा वाली परप्पना अग्रहारा सेंट्रल जेल में अचानक की गई छापेमारी के दौरान जांचकर्ताओं को उनकी बैरक से एक एंड्रॉइड मोबाइल फोन बरामद हुआ है। इस डिवाइस में लगभग 80 से 90 डाउनलोड किए गए अश्लील वीडियो मिले हैं, जिससे जेल प्रशासन और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। सेंट्रल क्राइम ब्रांच (सीसीबी) की ओर से हाई-प्रोफाइल कैदियों के लिए चलाए गए औचक तलाशी अभियान के दौरान यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, बरामद फोन में मिले अधिकांश वीडियो भारतीय अश्लील कंटेंट से जुड़े हैं। इसके अलावा जांचकर्ताओं को डिवाइस के भीतर ऐसे समाचार पत्रों की डिजिटल कटिंग भी मिली हैं, जिनमें महिलाओं से जुड़ी आपत्तिजनक सामग्रियां थीं। फिलहाल इस मोबाइल फोन को विस्तृत फोरेंसिक जांच के लिए भेज दिया गया है ताकि यह पता लगाया जा सके कि यह प्रतिबंधित सामग्री कब और कैसे जेल के अंदर पहुंची, इसका इस्तेमाल कौन-कौन करता था और इसमें अन्य कौन सी डिजिटल फाइलें मौजूद थीं। जेल एवं सुधार सेवाओं के पुलिस महानिदेशक ने बताया कि सीसीबी ने मंगलवार को जेल में चार से पांच घंटे तक गहन तलाशी अभियान चलाया था। इस दौरान प्रज्वल रेवन्ना की बैरक से यह फोन जब्त किया गया। इस गंभीर लापरवाही के सामने आने के बाद प्रशासनिक स्तर पर सख्त कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है। ड्यूटी में कोताही बरतने के आरोप में सहायक अधीक्षक को निलंबित कर दिया गया है, जबकि बेंगलुरु केंद्रीय कारागार के अधीक्षक को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। अधिकारियों का कहना है कि इस पूरे मामले की विस्तृत जांच की जा रही है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि जेल के भीतर इस तरह की प्रतिबंधित चीजें कैसे पहुंच रही हैं।

रांची में छात्र प्रदर्शन पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 600 पर एफआईआर

रांची (एजेंसी)। झारखंड में रांची पुलिस ने हाल ही में हुए छात्र प्रदर्शन के दौरान बैरिकेडिंग तोड़ने और पुलिस से झड़प के मामले में बड़ी कार्रवाई कर करीब 600 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज की है। इसमें 100 लोग नामजद हैं, जिसमें ज्यादातर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के युवा कार्यकर्ता बताए जा रहे हैं, जबकि 500 अज्ञात प्रदर्शनकारियों पर मामला दर्ज किया है। पुलिस ने नामजद आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है और प्रदर्शन के दौरान हुई घटनाओं की गहन जांच कर रही है। पुलिस का दावा है कि इस दौरान 14 पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं। दरअसल, सोमवार को हजारों छात्र और अभ्यर्थी विधानसभा की ओर मार्च कर रहे थे। उनकी मुख्य मांग भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता लाना है। प्रदर्शनकारियों ने रास्ते में कई बैरिकेडिंग तोड़ दीं और पुलिस के साथ उनकी झड़प भी हुई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने जगन्नाथपुर मंदिर के पास पानी की बौछारें और आंसू गैस के गोले छोड़े। प्रदर्शनकारियों ने भी खुद के घायल होने का दावा किया है, जिससे वहां तनाव की स्थिति पैदा हो गई थी।

कर्नाटक विधानसभा परिसर में चल रही कैंटीन की थाली में मिले कॉकरोच

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक विधानसभा के अंदर चल रही कैंटीन, जहां मंत्रियों और अधिकारियों के दफ्तर हैं, स्वास्थ्य विभाग की छापेमारी में साफ-सफाई से जुड़ी कमियां पाए जाने के बाद जांच के दायरे में आ गई है। विभाग ने विधान सभा परिसर में मौजूद विकास सौधा की कैंटीनों में भी छापेमारी की। जांच में खाने की प्लेटों पर कॉकरोच नजर आए, जिससे कैंटीन में साफ-सफाई के मानकों को लेकर चिंता पैदा हो गई है। इस परिसर में कई होटल हैं जहां विधायक ठहरते हैं, जो बेंगलुरु के बाहर से आते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक स्वास्थ्य विभाग को लेजिस्लेटर्स हाउस में जांचे गए एक प्रतिष्ठान में घटिया गुणवत्ता वाला खाना और गंदगी मिली थी। जांच से पता चला है कि विभाग ने सरकारी इमारतों में चल रहे खाने-पीने के ठिकानों पर भी ध्यान देना शुरू कर दिया है। इनमें मंत्रियों, अधिकारियों और विधायकों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली जगहें भी शामिल हैं। यह कदम स्वास्थ्य विभाग द्वारा अपने ही मुख्यालय आरोग्य सौधा में चल रही कैंटीन में नियमों के उल्लंघन का पता चलने के बाद उठाया गया। अधिकारियों ने पाया कि आरोग्य सौधा की कैंटीन में साफ़-सफ़ाई का ध्यान नहीं रखा जा रहा था और कुछ खाने-पीने की चीज़ें एक्सपायरी हो चुकी थीं। जांच टीम ने यह भी पाया कि खाने-पीने की चीज़ों को फ़ूड सेफ़्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया के नियमों के मुताबिक स्टोर नहीं किया जा रहा था। टीम ने यह भी पाया कि कीड़ों से बचाव के जरूरी उपाय नहीं किए गए थे।

सीएम धामी के सामने ताइक्वांडो खिलाड़ी के बयान पर मचा बवाल

-बाद में वीडियो जारी कर दी सफाई

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और एक ताइक्वांडो खिलाड़ी के बीच बातचीत का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में सीएम धामी मीडिया के सामने छात्र-छात्राओं से बातचीत कर रहे थे। इस दौरान खिलाड़ी छात्रा ने मुख्यमंत्री को जो कहानी सुनाई, उसने सियासी गलियारों में विवाद खड़ा कर दिया। हालांकि, विवाद बढ़ता देख छात्रा ने एक नया वीडियो जारी कर अपनी बात पर सफाई दी है और कहा कि वह कार्यक्रम में अपनी पूरी बात नहीं रख पाई थी।

पहले वायरल वीडियो में छात्रा ने सीएम धामी से शिकायत करते हुए कहा था कि वह लोकल नेशनल खेलने गई थी जहां उसका गोल्ड मेडल आया और इंटरनेशनल के लिए सिलेक्शन हुआ, लेकिन वहां डेढ़ लाख रुपये की मांग की जा रही थी, जिस वजह से वह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं ले सकी। इस पर मुख्यमंत्री ने उसे आश्वासन देते हुए बैठने को कहा था। यह वीडियो सामने आने के बाद खेल व्यवस्था पर सवाल उठने लगे थे। विवाद बढ़ने पर छात्रा ने खुद एक नया वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा किया। उसने स्पष्ट किया कि वह सिया गर्ल्स स्कूल में 12वीं की छात्रा है और 10 तारीख को मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में पूरी बात नहीं रख पाई थी। उसने बताया कि वह नेशनल खेलने जम्मू गई थी, जहां से रोमानिया में होने वाली प्रतियोगिता के लिए उसका सिलेक्शन हुआ था। फेडरेशन उसे 1 लाख 70 हजार रुपये दे रही थी, लेकिन बाकी का खर्च उसे खुद उठाना था। उसने यह बात अपने स्कूल में किसी को नहीं बताई थी, जिस कारण वह प्रतियोगिता में नहीं जा सकी। इस सफाई के बाद पूरे मामले की स्थिति स्पष्ट हो गई है।

मातृ मृत्यु रोकने को लेकर जिलाधिकारी ने की समीक्षा, गर्भवती महिलाओं की नियमित निगरानी के निर्देश

हरिद्वार (शिखर समाचार) मातृ मृत्यु की रोकथाम और गर्भवती महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मयूर दीक्षित की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र कक्ष में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वास्थ्य विभाग की ओर से किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों और स्वास्थ्यकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने प्रत्येक गर्भवती महिला की नियमित प्रसवपूर्व जांच और समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से अधिक जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की लगातार निगरानी करने तथा चिकित्साधिकारी, सहायक नर्स दाई, आशा कार्यकर्ता और सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों की जिम्मेदारियां स्पष्ट रूप से निर्धारित करने को कहा।

उन्होंने अनुमानित प्रसव तिथि के आधार पर दूरभाष संपर्क के माध्यम से गर्भवती महिलाओं से नियमित संवाद स्थापित कर आवश्यक जांच, उपचार और प्रसव संबंधी परामर्श उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही ग्राम प्रधानों और सामुदायिक नेताओं की भागीदारी से सुरक्षित मातृत्व और प्रसवपूर्व जांच को लेकर व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने पर जोर दिया। जिलाधिकारी ने अनधिकृत निजी चिकित्सालयों और क्लीनिकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही प्रत्येक पात्र बालिका को चिन्हित कर मानव पैपिलोमा विषाणु का टीकाकरण सुनिश्चित कराने को कहा।

डेंगू के मौसम को देखते हुए उन्होंने सभी विकासखंड प्रभारियों को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। आशा कार्यकताओं के माध्यम से प्रतिदिन क्षेत्रीय सर्वे कराने तथा डेंगू संभावित क्षेत्रों में लोगों को बचाव के उपायों के प्रति जागरूक करने को कहा गया।

बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आर.के. सिंह, जिला सूचना एवं मातृ-शिशु स्वास्थ्य नोडल अधिकारी डॉ. कोमल एस. कोठारी, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रुड़की डॉ. ए.के. मिश्रा, डॉ. अजय, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. वसुंधरा सहित संबंधित विकासखंड प्रभारी, अधिकारी और स्वास्थ्य विभाग के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

प्रियंका गांधी के 'गोमूत्र एक्सपर्ट' बयान के खिलाफ ऑनलाइन पिटीशन

-आईआईटी मद्रास निदेशक वी. कामकोटी के समर्थन में 38 देशों के वैज्ञानिकों समेत 14 हजार से अधिक लोगों के हस्ताक्षर का दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के आईआईटी मद्रास के निदेशक वी. कामकोटी को लेकर दिए गए कथित 'गोमूत्र एक्सपर्ट' बयान पर विवाद बढ़ता जा रहा है। इस टिप्पणी के खिलाफ शुरू की गई ऑनलाइन पिटीशन पर अब तक 14 हजार से अधिक लोगों ने हस्ताक्षर किए हैं। याचिका में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मामले का संज्ञान लेने की मांग करते हुए प्रियंका गांधी से अपनी टिप्पणी वापस लेने और माफी मांगने की अपील की गई है।

यह ऑनलाइन पिटीशन एक अगस्त को चेंज डॉट ओआरजी पर शुरू की गई थी। आयोजकों के अनुसार, इसे देश के विभिन्न राज्यों और शिक्षण संस्थानों से समर्थन मिल रहा है। इसके अलावा दावा किया जारहा है कि 38 से अधिक देशों में रह रहे भारतीय वैज्ञानिकों ने भी याचिका का समर्थन किया है। आयोजकों ने इसे वैज्ञानिक और अकादमिक समुदाय की चिंता से जुड़ा मामला बताया है।

संसद में टिप्पणी से शुरू हुआ विवाद

दरअसल, संसद की कार्यवाही के दौरान प्रियंका गांधी ने आईआईटी मद्रास के निदेशक वी. कामकोटी के लिए 'गोमूत्र एक्सपर्ट' शब्द का इस्तेमाल किया था। इसके बाद उनके बयान को लेकर विवाद शुरू हो गया। याचिका शुरू करने वालों ने टिप्पणी को व्यक्तिगत और अपमानजनक बताते हुए इसका विरोध किया है। आयोजकों का कहना है कि किसी वैज्ञानिक या शिक्षाविद् की आलोचना उसके काम, शोध और विचारों के आधार पर होनी चाहिए, न कि व्यक्तिगत टिप्पणियों के जरिए। उनका दावा है कि इस तरह की भाषा से प्रतिष्ठित वैज्ञानिक की व्यक्तिगत गरिमा प्रभावित होती है और उस संस्थान की प्रतिष्ठा पर भी असर पड़ सकता है, जिसका वे नेतृत्व कर रहे हैं।

स्पीकर से संज्ञान लेने की मांग

याचिका के माध्यम से लोकसभा अध्यक्ष से मामले पर संज्ञान लेने की मांग की गई है। साथ ही प्रियंका गांधी से टिप्पणी वापस लेने और सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की अपील की गई है। इस मुद्दे ने राजनीतिक बयानबाजी के साथ-साथ वैज्ञानिक और अकादमिक समुदाय में सार्वजनिक संवाद की मर्यादा को लेकर भी बहस छेड़ दी है।

कांवड़ मेले के बाद हरिद्वार में चला वृहद स्वच्छता अभियान, 30 टन से अधिक कूड़ा हटाया

हरिद्वार (शिखर समाचार) कांवड़ मेला सकुशल संपन्न होने के बाद हरिद्वार में मेला क्षेत्र, गंगा घाटों और प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर फैले कूड़े कचरे के निस्तारण के लिए जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में वृहद स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। गुरुवार को विभिन्न विभागों, स्वयंसेवी संस्थाओं और सामाजिक संगठनों की ओर से शहर के अलग अलग क्षेत्रों में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान लगभग 30 टन से अधिक कूड़ा एकत्रित कर ट्रैक्टर ट्रॉलियों के माध्यम से उचित निस्तारण के लिए भेजा गया।

अभियान के तहत बिरला घाट, रोड़ीबेलवाला मैदान, बैरागी कैंप, चमगादड़ टापू, लालजीवाला सहित विभिन्न गंगा घाटों और आसपास के क्षेत्रों में सफाई की गई। नगर निगम, जिला पंचायत, नगर पालिकाओं, नगर पंचायतों, खंड विकास अधिकारियों, आपदा प्रबंधन विभाग, वन विभाग और शांतिकुंज के साथ विभिन्न

स्वयंसेवी संस्थाओं ने अभियान में सहभागिता की। सफाई के साथ लोगों को सार्वजनिक स्थानों और गंगा घाटों को स्वच्छ रखने के लिए जागरूक भी किया गया।

जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी मीरा रावत ने बताया कि कांवड़ मेले के बाद फैली गंदगी को हटाने के लिए विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। गुरुवार के अभियान में 700 से अधिक लोगों ने भाग लिया, जिसमें शांतिकुंज के 350 से अधिक अनुयायी भी शामिल रहे। आपदा प्रबंधन विभाग, आईटीसी मिशन सुनहरा कल और श्री भुवनेश्वरी महिला आश्रम के कार्यकताओं ने भी विभिन्न क्षेत्रों में सफाई की।

वहीं नगर निगम और वन विभाग की टीमों ने बैरागी कैंप एवं लालजीवाला क्षेत्र में व्यापक सफाई अभियान चलाया। इस दौरान तिरंगा रैली भी निकाली गई। प्रशासन का लक्ष्य कांवड़ मेले के बाद पूरे मेला क्षेत्र, मार्गों और गंगा घाटों को स्वच्छ एवं साफ सुथरा बनाना है।

आधुनिक युद्धों में आर्थिक और सामरिक क्षमताओं पर किया जा रहा है प्रहार

नई दिल्ली (एजेंसी)। बदलते समय के साथ युद्धों की रणनीति में भी तेजी से बदलाव आ रहा है। अब युद्ध सीमाओं पर सैनिकों की लड़ाई तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि विरोधी देश की आर्थिक और सामरिक क्षमताओं पर प्रहार किया जा रहा है। विरोधी देश को कमजोर करने के लिए उसके महत्वपूर्ण ऊर्जा ढांचे को निशाना बनाया जा रहा है।

आधुनिक युद्ध में तेल रिफाइनरियां, गैस पाइपलाइन, बिजली संयंत्र, ऊर्जा भंडारण केंद्र और समुद्री तेल परिवहन मार्ग सबसे संवेदनशील लक्ष्य बनकर उभरे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि किसी देश की ऊर्जा व्यवस्था को बाधित कर उसकी सैन्य क्षमता, अर्थव्यवस्था और जनजीवन पर एक साथ प्रभाव डाला जा सकता है। हाल के वर्षों में रूस-यूक्रेन युद्ध और ईरान से जुड़े क्षेत्रीय तनावों ने इस बदलती रणनीति को स्पष्ट रूप से सामने रखा है। इन संघर्षों में ऊर्जा से जुड़े प्रतिष्ठानों पर हमलों की घटनाएं बढ़ी हैं, जिनका उद्देश्य केवल भौतिक नुकसान पहुंचाना नहीं, बल्कि विरोधी देश की युद्ध क्षमता और आर्थिक संसाधनों को प्रभावित करना भी है। इससे यह संकेत मिलता है कि आधुनिक युद्ध में ऊर्जा आपूर्ति शृंखला अब किसी भी देश की सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक संपत्तियों में शामिल हो चुकी है।

विशेषज्ञों के अनुसार, यदि किसी देश की तेल आपूर्ति बाधित हो जाती है या उसकी रिफाइनरियां और गैस नेटवर्क प्रभावित होते हैं, तो इसका असर केवल सैन्य अभियानों तक सीमित नहीं रहता। सेना के टैंक, लड़ाकू विमान, बख्तरबंद वाहन और अन्य सैन्य संसाधन ईंधन पर निर्भर होते हैं। वहीं दूसरी ओर, तेल निर्यात से होने वाली आय कई देशों के लिए युद्ध संचालन का प्रमुख आर्थिक स्रोत होती है। ऐसे में ऊर्जा अवसंरचना को नुकसान पहुंचने से राजस्व में कमी आती है और युद्ध संचालन की क्षमता भी प्रभावित हो सकती है। रूस-यूक्रेन संघर्ष के दौरान यूक्रेन ने लंबी दूरी तक मार करने वाले ड्रोन के जरिए रूस के भीतर स्थित कई तेल प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया। विभिन्न हमलों के बाद कई ऊर्जा केंद्रों में आग लगने और उत्पादन प्रभावित होने की खबरें सामने आईं।

इन घटनाओं ने यह दिखाया कि आधुनिक ड्रोन तकनीक के जरिए दूर स्थित रणनीतिक ठिकानों तक भी पहुंच बनाई जा सकती है। इसी प्रकार, पश्चिम एशिया में ईरान से जुड़े तनावों के दौरान ऊर्जा संयंत्रों, गैस नेटवर्क और बिजली अवसंरचना को लेकर भी लगातार सुरक्षा चिंताएं बनी रही हैं। ऊर्जा ढांचे पर संभावित हमलों और उनके जवाबी प्रभावों को लेकर क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर लगातार चर्चा होती रही है। विश्लेषकों का मानना है कि ऊर्जा संसाधनों पर बढ़ती निर्भरता ने युद्ध की परिभाषा को बदल दिया है। यदि तेल आपूर्ति बाधित होती है, समुद्री मार्ग प्रभावित होते हैं या ऊर्जा उत्पादन ठप पड़ता है, तो उसका असर केवल युद्धरत देशों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि वैश्विक बाजार में तेल की कीमतों, महंगाई, आपूर्ति शृंखला और विश्व अर्थव्यवस्था पर भी पड़ता है।

हर घर तिरंगा अभियान : तिरंगा कॉन्सर्ट में गूंजा वंदे मातरम, देशभक्ति के रंग में रंगा गाजियाबाद

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर हर घर तिरंगा अभियान और वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जिला प्रशासन की ओर से नेहरू नगर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में भव्य तिरंगा कॉन्सर्ट का आयोजन किया गया। देशभक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों को राष्ट्रभक्ति के रंग में सराबोर कर दिया। पूरे सभागार में तिरंगे और देशभक्ति के नारों का उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद अतुल गर्ग ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस देश का गौरवशाली राष्ट्रीय पर्व है। उन्होंने कहा कि देश 2047 में स्वतंत्रता की शताब्दी और विकसित भारत के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसे में राष्ट्रीय पर्वों के प्रति नागरिकों की श्रद्धा, सहभागिता और समर्पण की भावना और अधिक मजबूत हो रही है। उन्होंने नागरिकों से राष्ट्रहित में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने का आह्वान किया। कार्यक्रम स्थल पर शंभू दयाल इंटर कॉलेज के एनसीसी कैडेटस तथा गुरु नानक इंटर कॉलेज की छात्राओं के बैंड ने अतिथियों का भव्य स्वागत किया। मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ और सांसद अतुल गर्ग ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ ने बताया कि 9 अगस्त से 17 अगस्त तक चल रहे हर घर तिरंगा अभियान के तहत जिले के विभिन्न सरकारी कार्यालयों, संस्थानों,

विद्यालयों और महाविद्यालयों में लगातार कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने नागरिकों से अपने घरों पर तिरंगा फहराकर अभियान को सफल बनाने की अपील की। वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर सुशीला गर्ल्स इंटर कॉलेज की छात्राओं ने संपूर्ण वंदे मातरम का सामूहिक गायन प्रस्तुत किया। इस दौरान सभागार में मौजूद सभी लोग सम्मानपूर्वक खड़े होकर गायन में शामिल हुए। देशभक्ति के इस भावपूर्ण दृश्य ने पूरे वातावरण को राष्ट्रभक्ति से भर दिया। रानी लक्ष्मीबाई के जीवन पर आधारित नृत्य-नाटिका, श्रीठाकुरद्वारा बालिका विद्यालय की छात्राओं की हर घर तिरंगा विषयक नृत्य प्रस्तुति और नींव शक्ति संस्था के दिव्यांग बच्चों का सामूहिक देशभक्ति कार्यक्रम विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। हाईटेक वर्ल्ड स्कूल के विद्यार्थियों और कलाकार उज्ज्वल ने कथक नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी। वहीं प्रसिद्ध गायक गौरव शर्मा ने देशभक्ति गीतों की लाइव प्रस्तुति देकर दर्शकों में जोश भर दिया। कार्यक्रम में जिला उद्योग केंद्र, बेसिक शिक्षा विभाग, स्वयं सहायता समूह और खादी विभाग की ओर से जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित प्रदर्शनी एवं स्टॉल भी लगाए गए। इनके माध्यम से नागरिकों को विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के समापन पर सांसद अतुल गर्ग, विधायक संजीव शर्मा और मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ ने सभी प्रतिभागी कलाकारों एवं विद्यार्थियों को सम्मानित और पुरस्कृत किया। कार्यक्रम का संचालन बेसिक शिक्षा विभाग की डॉ. पूनम शर्मा ने किया। इस अवसर पर परियोजना निदेशक प्रदीप पांडेय, जिला विकास अधिकारी प्रज्ञा श्रीवास्तव, जिला प्रोबेशन अधिकारी मनोज पुष्कर, जिला विद्यालय निरीक्षक बुद्ध प्रिय, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ओपी यादव, उप कृषि निदेशक आशीष श्रीवास्तव, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी अंशुल चौहान, जिला खेल अधिकारी, समाज कल्याण अधिकारी एवं सुश्री नेहा वालिया सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, शिक्षक, छात्र-छात्राएं और बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे।

नेशनल हाईवे-9 पर हमले के मामले में सांसद ओवैसी ने कोर्ट में दर्ज कराई गवाही, कड़ी सुरक्षा के बीच हापुड़ जिला न्यायालय पहुंचे

हापुड़ (शिखर समाचार) पिलखुवा क्षेत्र के छिजारसी टोल प्लाजा के पास वर्ष 2022 में हुए जानलेवा हमले के मामले में एआईएमआईएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद असदुद्दीन ओवैसी गुरुवार को कड़ी सुरक्षा के बीच हापुड़ जिला न्यायालय पहुंचे। उन्होंने अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वितीय शेष बहादुर की अदालत में मामले से संबंधित अपनी गवाही दर्ज कराई। करीब दो घंटे तक न्यायालय में कार्यवाही चली। गवाही पूरी होने के बाद सांसद को कड़ी सुरक्षा के बीच कचहरी परिसर से बाहर निकाला गया। मामले में अगली सुनवाई आठ सितंबर को होगी। जानकारी के अनुसार तीन फरवरी 2022 को विधानसभा चुनाव प्रचार के बाद असदुद्दीन ओवैसी मेरठ से दिल्ली लौट रहे थे। पिलखुवा क्षेत्र में छिजारसी टोल प्लाजा के पास उनके काफिले पर गोलीबारी की गई थी। हमले में ओवैसी बाल बाल बच गए थे। मामले की जांच के बाद पुलिस ने गौतमबुद्धनगर के दुरियाई बादलपुर निवासी सचिन और सहारनपुर के नकुड़ क्षेत्र के सापला बेगमपुर निवासी शुभम को गिरफ्तार किया था। पूछताछ के आधार पर पुलिस ने मेरठ के मुंडाली क्षेत्र के राधना गांव निवासी आलीम को भी धारा 120बी के तहत आरोपी बनाया था। पुलिस के अनुसार तीनों आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास, आपराधिक कानून संशोधन अधिनियम और आपराधिक षड्यंत्र की धाराओं में करीब 1900 पृष्ठ की आरोप पत्र अदालत में दाखिल किया गया था। आरोप पत्र में कुल 60 गवाह शामिल हैं, जिनमें 12 पुलिसकर्मी भी हैं। वर्तमान में तीनों आरोपी जमानत पर हैं। ओवैसी की गवाही को देखते हुए जिला प्रशासन ने कचहरी परिसर और आसपास सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रखी। अतिरिक्त पुलिस बल और पीएसी की तैनाती की गई थी। न्यायालय पहुंचने से लेकर बाहर निकलने तक सुरक्षा कर्मियों ने विशेष सतर्कता बरती। गवाही के बाद ओवैसी ने मीडिया से बातचीत नहीं की।

भाकियू टिकैत ने निकाली भव्य तिरंगा यात्रा, हजारों किसान ट्रैक्टर ट्रॉलियों और वाहनों के साथ पहुंचे

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार) स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में भारतीय किसान यूनियन टिकैत के पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने गुरुवार को क्षेत्र में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली। विभिन्न स्थानों से किसान ट्रैक्टर ट्रॉलियों और कारों में तिरंगा लगाकर यात्रा में शामिल हुए। यात्रा के बाद किसानों ने गढ़मुक्तेश्वर के उपजिलाधिकारी को राष्ट्रपति के नाम अपनी विभिन्न मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा। हजारों की संख्या में किसानों के पहुंचने के कारण पुलिस प्रशासन भी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर मुस्तैद रहा। ज्ञापन सौंपने के बाद किसान तहसील परिसर से हाथों में तिरंगा लेकर पैदल मार्च करते हुए शहीद पार्क पहुंचे। वहां उन्होंने देश की आजादी के लिए बलिदान देने वाले शहीदों को नमन किया तथा उनकी प्रतिमाओं पर पुष्प अर्पित कर माल्यार्पण किया। इसके बाद संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर भी पुष्प अर्पित किए गए। भाकियू के जिलाध्यक्ष जीते चौहान ने कहा कि

भारत अमेरिका मुक्त व्यापार समझौते पर रोक लगाई जानी चाहिए तथा ऐसे मौजूदा मुक्त व्यापार समझौतों की समीक्षा कर उन्हें रद्द किया जाए, जिनसे भारतीय कृषि, उद्योग, श्रमिकों और राष्ट्रीय हितों को नुकसान पहुंचता है। उन्होंने सभी फसलों के लिए सी-2 लागत में 50 प्रतिशत जोड़कर न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी और सरकारी खरीद का कानून बनाने की मांग की। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कुशल पाल आर्य ने जबरन भूमि अधिग्रहण रोकने और किसानों के भूमि अधिकारों की रक्षा की मांग उठाई। प्रदेश उपाध्यक्ष दिनेश त्यागी ने किसानों और दिहाड़ी मजदूरों की कर्ज संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए व्यापक कर्जमाफी तथा किसान आत्महत्या पीड़ित परिवारों को 25 लाख रुपये मुआवजा देने की मांग की। जिला प्रवक्ता श्याम सुंदर त्यागी ने श्रम कानूनों में बदलाव, 42 हजार रुपये मासिक न्यूनतम वेतन तथा मनरेगा में 200 दिन रोजगार और 700 रुपये प्रतिदिन मजदूरी की मांग रखी। तहसील अध्यक्ष नवदीप सिंह ने हर खेत तक सिंचाई सुविधा और 60 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों को 10 हजार रुपये मासिक सामाजिक सुरक्षा पेंशन देने की मांग की।

विकसित गांवों से बनेगा विकसित भारत, ग्राम पंचायतों में आदर्श स्थल विकसित करने पर जोर

हापुड़ (शिखर समाचार) कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी कविता मीना की अध्यक्षता में पंचायत सम्मेलन-2047 एवं ग्राम गौरव योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों को प्रभावी ढंग से संचालित करने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे आदर्श स्थल विकसित करने पर चर्चा की गई, जिनसे गांव की पहचान बने और आमजन को सीधे लाभ मिल सके। जिलाधिकारी ने प्रत्येक ग्राम पंचायत में स्थानीय जरूरतों के अनुसार एक आदर्श स्थल विकसित करने के प्रस्तावों की समीक्षा की। इनमें पुस्तकालय, खेल मैदान, सामुदायिक शौचालय, सौर ऊर्जा आधारित प्रकाश व्यवस्था और डिजिटल सेवा केंद्र जैसे कार्य शामिल हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ग्राम पंचायतों में ऐसे कार्यों को प्राथमिकता दी जाए, जिनका अधिक से अधिक ग्रामीणों को स्थायी लाभ मिल सके। बैठक में पंचायत सम्मेलन के माध्यम से ग्राम प्रधानों, क्षेत्र पंचायत सदस्यों, स्वयं सहायता समूहों और युवाओं की भागीदारी बढ़ाने पर भी जोर दिया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों की वास्तविक समस्याओं को स्थानीय स्तर पर चिन्हित कर उनके समाधान के लिए ठोस प्रस्ताव तैयार किए जाएं। पंचायत स्तर पर होने वाले सम्मेलनों में ग्रामीणों की भागीदारी सुनिश्चित कर उनकी आवश्यकताओं और सुझावों को विकास योजनाओं में शामिल किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि विकसित भारत का आधार विकसित गांव हैं। ग्राम गौरव योजना के अंतर्गत ऐसे विकास कार्यों का चयन किया जाना चाहिए, जो गांव की विशिष्ट पहचान बनें और ग्रामीणों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएं। उन्होंने योजनाओं के क्रियान्वयन में गुणवत्ता, पारदर्शिता और जनभागीदारी पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

12 साल पुराने पवन हत्याकांड में चार दोषियों को मृत्युदंड, 6.50 लाख रुपये का अर्थदंड

शामली (शिखर समाचार) शामली पुलिस और अभियोजन पक्ष की प्रभावी पैरवी के चलते 12 साल पुराने पवन हत्याकांड में अदालत ने चार दोषियों को मृत्युदंड की सजा सुनाई है। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/त्वरित न्यायालय संख्या-3, मुजफ्फरनगर ने चारों दोषियों को हत्या और हत्या के प्रयास सहित विभिन्न धाराओं में दोषी ठहराते हुए कुल 6 लाख 50 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया। मामला 14 जुलाई 2014 का है। कांधला क्षेत्र के गांव भभीसा निवासी अशोक कुमार अपने घर पर अखबार पढ़ रहे थे। इसी दौरान सात हथियारबंद आरोपी कार से पहुंचे और घर में घुसकर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। गोली लगने से अशोक घायल हो गए। फायरिंग की आवाज सुनकर उनके भाई पवन कुमार मौके पर पहुंचे तो हमलावरों ने उन्हें भी गोली मार दी, जिससे उनकी मौत हो गई। घटना के बाद कांधला थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस की विवेचना में वारदात के पीछे पुरानी रंजिश सामने आई। पुलिस के अनुसार विपुल उर्फ खूनी गिरोह का सरगना था, जबकि रामवीर, राजीव उर्फ छोटू, राहुल उर्फ बोसी और हरेन्द्र उसके साथ शूटर के रूप में काम करते थे। पुलिस ने

विवेचना पूरी कर आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया। 13 अगस्त 2026 को अदालत ने रामवीर निवासी पीरखेड़ा, राजीव उर्फ छोटू निवासी बड़ौत, राहुल उर्फ बोसी निवासी भभीसा और हरेन्द्र निवासी कंजरखेड़ी को धारा 302/149 में दोषी ठहराते हुए मृत्युदंड तथा प्रत्येक पर एक-एक लाख रुपये का अर्थदंड लगाया। धारा 307/149 में प्रत्येक को आजीवन कारावास और 50-50 हजार रुपये का अर्थदंड भी सुनाया गया। अन्य धाराओं में भी अलग-अलग सजा दी गई। शस्त्र अधिनियम के मामले में राहुल उर्फ बोसी को पांच वर्ष का कारावास और 10 हजार रुपये का अर्थदंड मिला। पुलिस के अनुसार गिरोह का सरगना विपुल उर्फ खूनी 25 जुलाई 2026 को बागपत में मेरठ विशेष कार्यबल के साथ हुई मुठभेड़ में मारा गया था। पुलिस ने अदालत के फैसले को प्रभावी पैरवी का परिणाम बताया है।

अवैध प्लॉटिंग पर एचपीडीए की कार्रवाई, आठ हजार वर्गमीटर क्षेत्र में ध्वस्तीकरण

गढ़मुक्तेश्वर/हापुड़ (शिखर समाचार) हापुड़-पिलखुवा विकास प्राधिकरण ने अवैध निर्माण और बिना मानचित्र स्वीकृति के की जा रही प्लॉटिंग के खिलाफ कार्रवाई करते हुए गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र में करीब आठ हजार वर्गमीटर भूमि पर की जा रही अवैध प्लॉटिंग को ध्वस्त कर दिया। प्राधिकरण की प्रवर्तन टीम ने पुलिस बल के सहयोग से कार्रवाई को अंजाम दिया। प्राधिकरण के अनुसार उपाध्यक्ष के निर्देश पर अवैध निर्माण एवं अवैध प्लॉटिंग के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 13 अगस्त को प्राधिकरण के गढ़मुक्तेश्वर विकास क्षेत्र में थाना गढ़मुक्तेश्वर पुलिस के सहयोग से प्रवर्तन दल ने कार्रवाई की। मेरठ रोड, गढ़मुक्तेश्वर स्थित करीब आठ हजार वर्गमीटर क्षेत्र में तरुण भारद्वाज द्वारा की जा रही अवैध प्लॉटिंग के विरुद्ध ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई। प्राधिकरण के अभिलेखों के अनुसार उक्त स्थल पर निर्माण एवं विकास कार्य के लिए मानचित्र स्वीकृत नहीं कराया गया था। प्राधिकरण की ओर से स्पष्ट किया गया कि अवैध निर्माण और विकास कार्यों के विरुद्ध कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी। प्रवर्तन दल एवं संबंधित दस्ते अभियान के तहत ऐसे निमार्णों को चिन्हित कर नियमानुसार कार्रवाई करेंगे। प्राधिकरण ने आमजन से अपील की है कि किसी भी भूमि पर निर्माण या प्लॉटिंग करने से पहले नियमानुसार मानचित्र स्वीकृत कराएं और प्राधिकरण के नियमों का पालन करें। अधिकारियों ने चेतावनी दी कि बिना स्वीकृति किए गए अवैध निर्माण अथवा विकास कार्यों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी और कार्रवाई से होने वाली क्षति के लिए संबंधित व्यक्ति स्वयं जिम्मेदार होगा।

सिंभावली रेलवे स्टेशन पर हादसा, मालगाड़ी के इंजन पर चढ़कर हाईटेंशन तार की चपेट में आया युवक, मौत

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार) सिंभावली थाना क्षेत्र स्थित रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर तीन पर गुरुवार को दर्दनाक हादसा हो गया। यहां करीब दो सप्ताह से खड़ी मालगाड़ी के इंजन पर एक अज्ञात व्यक्ति चढ़ गया और ऊपर से गुजर रही उच्च क्षमता वाली बिजली लाइन की चपेट में आ गया। करंट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही सिंभावली पुलिस के साथ रेलवे सुरक्षा बल और राजकीय रेलवे पुलिस की टीम मौके पर पहुंची तथा शव को कब्जे में लेकर मृतक की पहचान कराने का प्रयास शुरू किया। पुलिस के अनुसार प्लेटफार्म नंबर तीन पर मालगाड़ी पिछले करीब दो सप्ताह से खड़ी थी। गुरुवार को एक अज्ञात व्यक्ति मालगाड़ी के इंजन के ऊपर चढ़ गया। इसी दौरान उसने ऊपर से गुजर रही बिजली की उच्च क्षमता वाली लाइन को पकड़ लिया। बिजली का तेज झटका लगने से वह गंभीर रूप से झुलस गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद रेलवे स्टेशन पर अफरा तफरी का माहौल बन गया। सूचना पर सिंभावली थाना पुलिस, राजकीय रेलवे पुलिस और रेलवे सुरक्षा बल के जवान मौके पर पहुंचे। पुलिस ने आसपास मौजूद लोगों से मृतक की पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन उसकी पहचान नहीं हो सकी। पुलिस के मुताबिक मृतक की बाजू पर हाअमनह्न नाम गुदा हुआ है, जिसके आधार पर उसकी पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है। राजकीय रेलवे पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस आसपास के क्षेत्रों में मृतक की पहचान के लिए जानकारी जुटा रही है। साथ ही यह भी पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि वह व्यक्ति रेलवे स्टेशन पर किस उद्देश्य से पहुंचा था और मालगाड़ी के इंजन पर कैसे चढ़ा।

ट्रांसपोर्ट कंपनी में बदमाशों का धावा, स्टाफ को बंधक बनाकर इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण लूटे, व्यापारियों में आक्रोश

हापुड़ (शिखर समाचार) थाना हापुड़ क्षेत्र में मेरठ रोड फ्लाईओवर के नीचे स्थित एक ट्रांसपोर्ट कंपनी में गुरुवार तड़के हथियारबंद बदमाशों ने धावा बोल दिया। बदमाशों ने कंपनी में मौजूद चार कर्मचारियों को हथियारों के बल पर बंधक बना लिया और तीन कैंटरों के शीशे व ताले तोड़कर करीब पांच लाख रुपये कीमत के इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण लूट लिए। वारदात के बाद बदमाश कार में सवार होकर फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलने पर व्यापारियों में आक्रोश फैल गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू

कर दी है। जानकारी के अनुसार शिवपुरी कॉलोनी निवासी और ऑल इंडिया ट्रांसपोर्टर एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष अमित गुप्ता की मेरठ रोड फ्लाईओवर के नीचे शिव गोल्डन ट्रांसपोर्ट कंपनी है। घटना के समय अगौता निवासी चालक इरफान, असुद्दीन, करन और सुरेश कंपनी परिसर में मौजूद थे। गुरुवार तड़के इरफान लघुशंका के लिए बाहर गया था, जबकि अन्य तीन कर्मचारी खाना खा रहे थे। इसी दौरान कार सवार चार-पांच हथियारबंद बदमाश वहां पहुंच गए। बदमाशों ने इरफान पर तमंचा तानकर उसे कब्जे में लिया और बाद में अन्य कर्मचारियों को भी धमकाकर एक स्थान पर बैठा दिया। स्टाफ को बंधक बनाने के बाद बदमाशों ने अमित गुप्ता के दो कैंटरों के शीशे और ताले तोड़ दिए। इसके अलावा गणेशपुरा निवासी बबली के एक कैंटर का ताला तोड़कर उसमें रखे इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण निकाल लिए। बदमाशों ने तीनों कैंटरों को ले जाने का प्रयास भी किया, लेकिन उपकरण निकालने के बाद वाहन चालू नहीं हो सके। इसके बाद बदमाश कार से फरार हो गए। ट्रांसपोर्टर अमित गुप्ता के अनुसार बदमाश करीब पांच लाख रुपये कीमत के इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण ले गए हैं। थाना प्रभारी निरीक्षक मनीष चौहान ने बताया कि घटना की जांच शुरू कर दी गई है और बदमाशों की तलाश की जा रही है।

शिवा प्राथमिक पाठशाला में तिरंगा जागरूकता रैली निकाली

हापुड़ (शिखर समाचार) स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे हर घर तिरंगा अभियान के तहत बुधवार को जनपद स्थित शिवा प्राथमिक पाठशाला में तिरंगा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत छात्र छात्राओं, शिक्षकों और महिला कल्याण विभाग की टीम की ओर से निकाली गई जागरूकता रैली से हुई। हाथों में तिरंगा लेकर चल रहे बच्चों ने देशभक्ति के नारे लगाते हुए लोगों को अपने घरों पर सम्मानपूर्वक राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान छात्र छात्राओं और अभिभावकों को राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान तथा

तिरंगा फहराने के नियमों और सही विधि की जानकारी दी गई। वक्ताओं ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक के मन में राष्ट्रप्रेम की भावना को मजबूत करना और देश की स्वतंत्रता के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने लोगों से स्वतंत्रता दिवस पर पूरे सम्मान के साथ राष्ट्रीय ध्वज फहराने की अपील की। महिला कल्याण विभाग की टीम ने महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, उनके अधिकारों तथा विभाग की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी। टीम ने आपात स्थिति में सहायता के लिए 181, 1090 और 112 जैसे निशुल्क सहायता नंबरों की जानकारी देते हुए जरूरत पड़ने पर इनका उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्य डॉ. सुमन अग्रवाल, वन स्टॉप सेंटर की प्रबंधक एवं केस वर्कर सोनिया सहित विद्यालय के शिक्षक, बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं और अभिभावक मौजूद रहे। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों में देशभक्ति और राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान की भावना विकसित करने का संदेश दिया गया।

ट्रैक्टर तिरंगा रैली से मोदीनगर में लगा भीषण जाम, 25 मिनट आउटर पर खड़ी रही कालका एक्सप्रेस

मोदीनगर (शिखर समाचार) किसानों की ट्रैक्टर तिरंगा रैली के चलते बुधवार दोपहर मोदीनगर में भीषण जाम लग गया। हापुड़ रोड और दिल्ली मेरठ मार्ग पर वाहनों की लंबी कतारों के बीच राज चौराहे पर रेलवे फाटक बंद नहीं हो सका। फाटक के बीच वाहन फंसे होने के कारण मेरठ की ओर से आ रही कालका एक्सप्रेस को आउटर पर करीब 25 मिनट तक रोकना पड़ा। बाद में पुलिस और आरएएफ के जवानों ने मौके पर पहुंचकर रास्ता खाली कराया, जिसके बाद ट्रेन को दिल्ली की ओर रवाना किया गया।

जानकारी के अनुसार ट्रैक्टर तिरंगा रैली सैदपुर गांव से शुरू हुई थी। बड़ी संख्या में किसान ट्रैक्टरों पर सवार होकर हाथों में तिरंगा लेकर हापुड़ रोड होते हुए राज चौराहे की ओर बढ़ रहे थे। रैली के कारण हापुड़ रोड के साथ दिल्ली मेरठ मार्ग पर भी यातायात प्रभावित हो गया। इसी दौरान मेरठ की ओर से कालका एक्सप्रेस के आने का समय हो गया।

गेटमैन ने ट्रेन के लिए रेलवे फाटक बंद करने का प्रयास किया, लेकिन फाटक के बीच वाहनों के फंसे होने के कारण वह बंद नहीं हो सका। सुरक्षा की दृष्टि से ट्रेन को फाटक से पहले आउटर पर रोकना पड़ा। सूचना मिलने पर पुलिस और आरएएफ के जवान मौके पर पहुंचे और काफी मशक्कत के बाद वाहनों को हटाकर रेलवे फाटक का रास्ता साफ कराया। इसके बाद ट्रेन को रवाना किया गया।

इस दौरान चारों ओर वाहन फंस जाने से यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। दिल्ली मेरठ मार्ग पर करीब दो घंटे तक जाम की स्थिति बनी रही, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। स्टेशन अधीक्षक हरवीर सिंह ने बताया कि रेलवे फाटक बंद नहीं होने के कारण कालका एक्सप्रेस को करीब 25 मिनट आउटर पर रोकना पड़ा था। रास्ता साफ होने के बाद ट्रेन को रवाना कर दिया गया।

अखिल मेमोरियल अस्पताल में जच्चा बच्चा की मौत, परिजनों का हंगामा, डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप

हापुड़ (शिखर समाचार) नगर के स्वर्ग आश्रम रोड स्थित अखिल मेमोरियल अस्पताल में प्रसव के दौरान जच्चा बच्चा की मौत के बाद परिजनों ने चिकित्सकों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी जुटाते हुए जांच शुरू कर दी।

बुलंदशहर निवासी संदीप के अनुसार उनकी पत्नी नेहा गर्भवती थीं और उन्हें सात अगस्त को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। नौ अगस्त को चिकित्सकों ने नेहा का ऑपरेशन किया। संदीप का आरोप है कि ऑपरेशन के बाद नवजात में सांस नहीं थी और उसकी मौत हो गई। इसके बाद नेहा का अस्पताल में उपचार चलता रहा। गुरुवार सुबह उपचार के दौरान नेहा ने भी दम तोड़ दिया। संदीप ने आरोप लगाया कि

पत्नी की हालत लगातार बिगड़ने के बावजूद समय रहते बेहतर उपचार और आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई गईं। उनका कहना है कि यदि समय पर उचित उपचार मिलता तो नेहा की जान बचाई जा सकती थी। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। थाना प्रभारी निरीक्षक पारस मलिक ने बताया कि करीब पांच दिन पहले परिजन गर्भवती महिला को अस्पताल लेकर आए थे। ऑपरेशन के बाद महिला ने मृत

बच्चे को जन्म दिया। इसके चार दिन बाद उपचार के दौरान महिला की भी मौत हो गई। जच्चा बच्चा की मौत की जानकारी मिलते ही परिजनों में आक्रोश फैल गया और उन्होंने अस्पताल परिसर में हंगामा किया। परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए मामले की उच्चस्तरीय जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मां बेटी से मारपीट के मामले में गिरफ्तारी की मांग, कांग्रेस और सपा नेताओं ने पुलिस पर कार्रवाई में देरी का लगाया आरोप

मोदीनगर (शिखर समाचार) पशु तस्करी के शक में मां-बेटी के साथ कथित मारपीट के मामले में हिंदू रक्षा दल से जुड़े पदाधिकारियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर बुधवार को कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के नेताओं व कार्यकताओं ने कोतवाली के सामने शहीद मेजर आसाराम त्यागी की प्रतिमा के पास धरना दिया। पुलिस द्वारा शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिए जाने के बाद प्रदर्शन समाप्त किया गया।

बताया गया कि तीन अगस्त को नंद नगरी निवासी सुमन अपनी बेटी दीपा के साथ एक पशु लेकर मुरादनगर जा रही थीं। आरोप है कि सिखेड़ा रोड के पास हिंदू रक्षा दल से जुड़े कुछ लोगों ने उन्हें रोक लिया और पशु तस्करी का शक जताते हुए मारपीट शुरू कर दी। मां-बेटी ने खुद को हिंदू बताते हुए पशुपालन करने की बात कही और पशु तस्करी से इनकार किया, लेकिन

आरोप है कि इसके बावजूद उनके साथ मारपीट की गई। आसपास के लोगों ने हस्तक्षेप कर दोनों को बचाया। घटना के विरोध में लोगों ने कोतवाली पहुंचकर कार्रवाई की मांग की थी। इसके बाद पुलिस ने हिंदू रक्षा दल से जुड़ी सपना अग्रवाल सहित अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की थी। हालांकि, अभी तक किसी आरोपी की गिरफ्तारी न होने से लोगों में नाराजगी है। बुधवार को कांग्रेस नेता सुनील शर्मा और समाजवादी पार्टी के देवव्रत धामा के नेतृत्व में कार्यकर्ता कोतवाली पहुंचे और नारेबाजी करते हुए धरने पर बैठ गए। सुनील शर्मा ने आरोप लगाया कि मारपीट में दीपा के शरीर के एक अंग में गंभीर चोट आई, जिससे वह क्षतिग्रस्त हो गया। उन्होंने प्राथमिकी में अंगभंग की धारा जोड़ने और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। पुलिस के आश्वासन पर धरना समाप्त हुआ। इस दौरान वरिष्ठ सपा नेता सुरेंद्र त्यागी समेत अन्य लोगों ने विचार रखे।

संक्षिप्त समाचार

हर घर तिरंगा अभियान के तहत आयोजन में दिया राष्ट्रीय एकता का संदेश

लखनऊ , एजेंसी। हर घर तिरंगा अभियान के तहत बुधवार को शहरभर में तिरंगा यात्राएं निकाली गईं। भाजपा लखनऊ महानगर के 12 मंडलों और वार्डों में पार्षदों, मंडल पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने इनका नेतृत्व किया। इन आयोजनों के माध्यम से राष्टीय एकता का संदेश दिया गया। पश्चिम-2 मंडल की यात्रा बालागंज चौराहे से शहीद स्मारक जॉगर्स पार्क तक निकाली गई। पश्चिम-3 मंडल की यात्रा मोहन भोग चौराहे से राजीव चौक तक पहुंची। उत्तर-1 में विधायक नीरज बोरा और उत्तर-3 में वरिष्ठ नेता रमेश तूफानी व महामंत्री घनश्याम दास अग्रवाल की उपस्थिति में यात्राएं हुईं।

पूर्व-1 में अवध क्षेत्रीय पदाधिकारी श्वेता सिंह, पूर्व-2 में वरिष्ठ नेता राकेश सिंह और पूर्व-4 में विधान परिषद सदस्य लालजी प्रसाद निर्मल मौजूद रहे। महिला आयोग उपाध्यक्ष अर्पणा यादव ने मध्य-1 की यात्रा का नेतृत्व किया। मध्य-2 में राकेश श्रीवास्तव और मध्य-4 में रजनीश गुप्ता के नेतृत्व में आयोजन हुआ। दक्षिण-1 में विधायक राजेश्वर सिंह और दक्षिण-3 में वरिष्ठ भाजपा नेता रमाशंकर त्रिपाठी की देखरेख में भी तिरंगा यात्राएं हुईं। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने हाथों में तिरंगा लेकर भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारे लगाए। प्रदेश उपाध्यक्ष नीरज सिंह ने कहा कि यह अभियान देश के प्रति सम्मान और राष्टभक्ति की सामूहिक अभिव्यक्ति है। उन्होंने सभी से देश की एकता, अखंडता और विकास के लिए योगदान देने का संकल्प लेने का आह्वान किया। भाजपा लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने कहा कि अभियान को जन-जन तक पहुंचाने में पार्षदों की भूमिका महत्वपूर्ण है। पार्षद अपने वार्डों में नागरिकों को तिरंगा लगाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। महानगर मीडिया प्रभारी अनुराग साहू ने यात्राओं की जानकारी दी।

छात्र आंदोलन को विश्वविद्यालयों तक ले जाने का लिया संकल्प

लखनऊ, एजेंसी। भारत में संगठित छात्र आंदोलन के 90 वर्ष पूरे होने पर बुधवार को यूपी प्रेस क्लब में एसएफआई लखनऊ की ओर से शिक्षा समेत कई मुद्दों पर चर्चा हुई। वक्ताओं ने हाल ही में जंतर-मंतर पर हुए छात्र आंदोलन को बड़ी सफलता बताया। जनवादी लेखक संघ के महासचिव प्रो. नलिन रंजन सिंह ने कहा कि शिक्षा चरित्र और मस्तिष्क के प्रशिक्षण का जरिया है। उन्होंने कहा कि जंतर-मंतर का आंदोलन आगे के संघर्ष की शुरुआत है। छात्र आंदोलन को देश के हर विश्वविद्यालय और शैक्षणिक संस्थान तक मजबूत करने की जरूरत है। कार्यक्रम की अध्यक्षता एसएफआई राज्य कमेटी की उपाध्यक्ष कॉमरेड ज्योति ने की। मुख्य वक्ता एसएफआई छात्रनेता सृजन भट्टाचार्य ने महंगाई, एथेनॉल युक्त पेट्रोल, बेरोजगारी आदि मुद्दों को उठाया। एसएफआई राज्य कमेटी अध्यक्ष कॉमरेड पार्थ सारथी द्विवेदी भी मौजूद रहे। संचालन एसएफआई लखनऊ जिला संयोजक कॉमरेड अंकित गुप्ता ने किया। आरक्षण, फीस वृद्धि, शिक्षा के निजीकरण और छात्रवृत्ति में देरी समेत छात्रों की बुनियादी मांगों को लेकर अभियान चलाने पर चर्चा हुई।

तिरंगे भेंटकर अफसरों तक पहुंचाया देशभक्ति का संदेश

गोरखपुर , एजेंसी। आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत लिटरेरी सोसायटी ने बुधवार को पुलिस उपमहानिरीक्षक, जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक तिरंगा भेंट कर राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया गया। वरिष्ठ समाजसेवी एवं साहित्य प्रेमी हसन जमाल ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर तिरंगे के प्रति सम्मान और देश के प्रति जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करना इस पहल का उद्देश्य है। कार्यक्रम में युवा समाजसेवी व शायर ई. मिन्नत गोरखपुरी, ई. जीएम. अंसारी, गौतम गोरखपुरी, डॉ. आर चौधरी, सैय्यद वकार, व्यापारी संजय सिंघानिया आदि मौजूद रहे।

मानसून पर लगा ब्रेक, कानपुर समेत 15 जिलों में थमी बारिश, बढ़ी उमस से परेशानी

कानपुर, एजेंसी। कानपुर में टाइफून डॉल्फिन कमजोर पड़ गया है लेकिन कानपुर परिक्षेत्र समेत 15 जिलों की नमी पी गया। माहौल में नमी कम होने से पूरे प्रदेश में मानसून की सक्रियता घट गई। इससे बारिश थमी है और उमस भरी गर्मी बढ़ गई है। मौसम विभाग का कहना है कि जैसे ही टाइफून खत्म होगा, बंगाल की खाड़ी में 16 अगस्त से दोबारा कम दबाव का क्षेत्र बनने लगेगा और सामान्य बारिश का दौर शुरू हो सकेगा।

पानी की लाइन तोड़ने पर मेट्रो पर 15 लाख का जुर्माना

मरम्मत भी करानी होगी; जलकल विभाग ने दिया नोटिस

आगरा , एजेंसी। आगरा के रामबाग चौराहे पर मेट्रो के पिलर निर्माण कार्य के दौरान पानी की 800 एमएम व्यास की मुख्य पेयजल पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने पर जलकल विभाग ने मेट्रो पर 15 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। यूपी मेट्रो रेल कार्पोरेशन को ही मरम्मत का पूरा खर्च उठाना है। 15 लाख रुपये का जुर्माना पानी की बर्बादी के कारण लगाया गया है। रविवार को यूपीएमआरसी ने रामबाग चौराहे पर यमुनापार पेयजल आपूर्ति की मुख्य पाइपलाइन तोड़ दी थी। इससे तीन दिन तक यमुनापार इलाके में पानी का संकट बना रहा। करीब पांच लाख लोग इससे परेशान हुए। इस मामले में ट्रांसयमुना के पार्षद और भाजपा पार्षद दल के उपनेता प्रकाश केसवानी ने लाखों लोगों की समस्या उठाते हुए जलकल विभाग से मेट्रो पर जुर्माना लगाने के लिए कहा था।

जलकल विभाग के अधिशासी अभियंता प्रेमचंद्र आर्य ने लाखों लीटर पानी बर्बाद होने पर जलकर के रूप में 15 लाख रुपये का जुर्माना मेट्रो कॉर्पोरेशन पर लगाया है। जलकल विभाग को यमुनापार पानी की आपूर्ति के लिए हर दिन 55 से 62 टैंकर भेजने पड़े थे। यह खर्च भी जलकल विभाग को उठाना पड़ा।

जलकल महाप्रबंधक कुमार गौरव ने बताया कि मेट्रो कॉर्पोरेशन पर 15 लाख रुपये का जुर्माना लगाकर इसे जल्द जमा कराने को कहा गया है। नोटिस जारी कर यह स्पष्ट चेतावनी भी दी गई है कि भविष्य में किसी भी निर्माण कार्य के दौरान ऐसी लापरवाही की पुनरावृत्ति न हो। मेट्रो को ही मरम्मत का पूरा खर्च उठाना होगा।

जवाहरपुल पर बदली 750 मिमी व्यास की लाइन

जवाहरपुल पर कई माह से लीक हो रही पानी की मुख्य पाइपलाइन को जलकल विभाग ने बदलवाया है। इस लाइन के जरिए रामबाग समेत यमुनापार के इलाकों में पेयजल आपूर्ति होती है।

यमुना किनारे वाटरवर्क्स की ओर यह लाइन लीक होने से लाखों लीटर पानी हर दिन बर्बाद हो रहा था।

मोती कटरा, दिल्ली गेट, महावीर नगर में नहीं मिला पानी

रामबाग पर पानी की लाइन की मरम्मत मंगलवार रात करने का दावा किया गया, लेकिन बुधवार को यमुनापार के कुछ इलाकों में पानी नहीं पहुंच पाया। महावीर नगर, शाहदरा, जैन गली, ट्रांसयमुना कॉलोनी के कुछ हिस्सों तक पानी नहीं मिला। महावीर नगर निवासी महेश राठौर ने बताया कि चार दिन से पानी का संकट बना हुआ है।

बकाया भवन जलकर पर बड़ी राहत, ब्याज सरचार्ज में शत प्रतिशत छूट

शामली (शिखर समाचार) नगर पालिका परिषद शामली ने भवन कर एवं जलकर के बकायेदारों को राहत देने के लिए एकमुश्त समाधान योजना लागू की है। योजना के तहत बकाया कर की पूरी राशि जमा करने पर ब्याज और सरचार्ज में शत-प्रतिशत छूट का लाभ दिया जाएगा। यह योजना 15 अगस्त से 15 दिसंबर 2026 तक प्रभावी रहेगी। नगर पालिका चेयरमैन अरविंद संगल ने बकायेदारों से अपील की है कि वे एकमुश्त समाधान योजना का लाभ उठाकर अपना लंबित भवन कर एवं जलकर जमा करें और ब्याज व सरचार्ज की देनदारी से राहत प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि योजना बकायेदारों के लिए अपने पुराने कर संबंधी दायित्वों का निपटारा करने का अच्छा अवसर है। अधिशासी अधिकारी विनोद कुमार सोलंकी ने बताया कि योजना का लाभ एक अप्रैल 2026 तक के लंबित बकाये पर दिया जाएगा। एकमुश्त समाधान योजना के तहत आवेदन करने की प्रक्रिया 15 अगस्त से शुरू होकर 14 नवंबर 2026 तक चलेगी। बकायेदार ऑनलाइन अथवा ऑफलाइन माध्यम से आवेदन कर सकेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि ब्याज एवं सरचार्ज में छूट का लाभ तभी मिलेगा, जब बकायेदार द्वारा निर्धारित अवधि में संपूर्ण बकाया राशि जमा कर दी जाएगी। नगर पालिका ने बकायेदारों से निर्धारित समय सीमा के भीतर आवेदन कर योजना का लाभ उठाने की अपील की है। अधिकारियों के अनुसार योजना का उद्देश्य पुराने कर बकाये का निस्तारण कराने के साथ नगर पालिका की राजस्व वसूली को भी बेहतर बनाना है।

तीन डेयरी पर छापेमारी, 868 किलो मिलावटी पनीर और 170 किलो खाया बरामद

मोदीनगर (शिखर समाचार) खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने पुलिस बल के साथ बीती रात भोजपुर थाना क्षेत्र के नाहली गांव में तीन डेयरी पर एक साथ छापेमारी कर 868 किलोग्राम मिलावटी पनीर और 170 किलोग्राम खाया बरामद किया। टीम ने बरामद पनीर और खाया के नमूने लेने के बाद उसे मौके पर ही नष्ट करा दिया। कार्रवाई के दौरान डेयरी में खाद्य सामग्री तैयार करने के लिए इस्तेमाल की जा रही क्रीम और बड़ी मात्रा में रसायन भी बरामद किए गए। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम पुलिस बल के साथ रात में नाहली गांव पहुंची और तीनों डेयरी पर एक साथ कार्रवाई शुरू की। अचानक हुई छापेमारी से डेयरी संचालकों और आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। टीम ने डेयरी परिसरों की जांच करते हुए वहां तैयार खाद्य सामग्री और उसे बनाने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री की भी जांच की। इस दौरान बड़ी मात्रा में पनीर और खाया बरामद हुआ। अधिकारियों ने बरामद पनीर और खाया के नमूने लेकर शेष सामग्री को मौके पर ही नष्ट कर दिया, ताकि उसे बाजार में बिक्री के लिए न भेजा जा सके। टीम ने खाद्य सामग्री तैयार करने में इस्तेमाल होने वाली क्रीम तथा बड़ी मात्रा में रसायन भी बरामद किए हैं। विभाग की कार्रवाई के बाद क्षेत्र की अन्य डेयरियों में भी हड़कंप की स्थिति बनी रही। खाद्य सुरक्षा अधिकारी मोदीनगर अवधेश पाराशर की ओर से इस मामले में नाहली गांव निवासी कलवा, शकील और कफील के विरुद्ध संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई से मिलावटी खाद्य पदार्थ तैयार करने और उनकी बिक्री करने वालों में खलबली मची हुई है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि खाद्य पदार्थों में मिलावट के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

मंडल स्तरीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम, 14 का प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन

शाहपुर/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार) गांव सोरम स्थित रघुवंशी आर्चरी एकेडमी में बुधवार को मंडल स्तरीय विद्यालयी तीरंदाजी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में सहारनपुर, शामली और मुजफ्फरनगर जनपद के विभिन्न माध्यमिक विद्यालयों से आए छात्र-छात्राओं ने अलग अलग वर्गों में प्रतिभाग कर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का शुभारंभ हेरिटेज पब्लिक स्कूल बसेड़ा के संचालक नीरज बालियान ने किया। नीरज बालियान ने कहा कि तीरंदाजी केवल खेल नहीं, बल्कि एकाग्रता, अनुशासन और आत्मविश्वास बढ़ाने का माध्यम है। ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभाओं की कमी नहीं है, जरूरत उन्हें उचित मंच और सुविधाएं उपलब्ध कराने की है। ऐसे आयोजनों से खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने और आगे बढ़ने का अवसर मिलता है। उन्होंने खिलाड़ियों से खेल भावना के साथ लक्ष्य पर पूरी एकाग्रता बनाए रखने का आह्वान किया। जिला तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष विपिन बालियान ने बताया कि प्रतियोगिता में सहारनपुर, शामली और मुजफ्फरनगर के विद्यालयों के खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर 14 खिलाड़ियों का मंडल स्तर पर चयन हुआ है। चयनित खिलाड़ी 17 से 20 अगस्त तक सोनभद्र में आयोजित होने वाली प्रदेश स्तरीय विद्यालयी तीरंदाजी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे। समापन अवसर पर कल्पना चावला मेमोरियल इंटर कॉलेज के प्रबंधक सत्येंद्र पाल ने कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पढ़ाई के साथ खेलों में भाग लेने से अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है। इस दौरान तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष विपिन बालियान और जिला पंचायत सदस्य पद के भावी उम्मीदवार संदीप बालियान ने कांवड़ यात्रा सकुशल संपन्न कराने पर थाना प्रभारी गजेंद्र पाल सिंह एवं चौकी प्रभारी राहुल कुमार को पटका पहनाकर और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। रघुवंशी आर्चरी एकेडमी के खिलाड़ी हर्ष कुमार, सिमरन चौधरी और अमरेश का पुलिस विभाग एवं केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल में चयन होने पर थाना प्रभारी गजेंद्र सिंह ने शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन मास्टर रामपाल सिंह ने किया। इस अवसर पर सूबेदार सुरेंद्र सिंह, राकेश सरोहा, देवेंद्र बालियान, सुघोष आर्य, संदीप मलिक, कर्ण सिंह, अरुण बालियान, राजीव कुमार, अरविंद कुमार, गया प्रसाद, सत्यकाम, पवन कुमार, मदनपाल, परवीन बालियान, सुनील कुमार, योगेंद्र सिंह सहित विद्यालय संचालक, शिक्षक और प्रशिक्षक मौजूद रहे।

खतौलीवासियों के लिए अति महत्वपूर्ण है 14 अगस्त, आजादी के आंदोलन में स्वतंत्रता सेनानियों ने गंगनहर रेलवे पुल उड़ाने की बनाई थी योजना

खतौली में गंगनहर पर बना रेलवे पुल

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में मुजफ्फरनगर के योगदान पर लिखी पुस्तक

डा. के.एस. भौज्ञान

खतौली/मुजफ्फरनगर। (शिखर समाचार) देश की आजादी के आंदोलन के दौरान खतौली भी क्रांतिकारी गतिविधियों का महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। स्वतंत्रता सेनानी संगठन द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से प्रकाशित भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में मुजफ्फरनगर का योगदान पुस्तक में अविभाजित जनपद मुजफ्फरनगर के स्वतंत्रता सेनानियों का विस्तृत विवरण मौजूद है, जिसमें खतौली से जुड़े विभिन्न प्रयासों का उल्लेख भी मिलता है। आंदोलनकारियों द्वारा वर्ष 1942 में 14 अगस्त को भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान गंगनहर स्थित रेलवे पुल को ध्वस्त करने की योजना बनाई गई थी। इस योजना को अंजाम देने के लिए मेरठ जिले के गुरुकुल डोरली, वर्तमान मोदीपुरम, से स्वतंत्रता आंदोलन का जज्बा रखने वाले हरिदत्त शास्त्री ततीना, कृष्णानंद शास्त्री सिरसली, तत्कालीन जिला मेरठ, रणवीर सिंह विद्यावाचस्पति मिजार्पुर-दनकौर, महावीर प्रसाद हापुड़, जगन्नाथ प्रसाद अवस्थी बिंदकी फतेहपुर तथा राजेश्वर शास्त्री निवासी मवाना एक साथ खतौली रेलवे पुल पर रात्रि करीब 12 बजे पुल ध्वस्त करने का सामान लेकर पहुंचे थे। जैसे ही अध्यापक एवं छात्र रेलवे पुल पर पहुंचे, वहां की स्थिति देखकर दंग रह गए, क्योंकि इससे पहले इस पुल पर कोई सुरक्षा व्यवस्था नहीं थी। ब्रिटिश सरकार द्वारा पुल के पास अचानक तैनात की गई सैनिक टुकड़ी को देखते ही आजादी के दीवाने आश्चर्यचकित रह गए और सोचने पर विवश हो गए। इसी बीच उन्हें हाथ ऊपर करने का आदेश मिला। आदेश मिलते ही उन्होंने अपने साथ लाया सामान गंगनहर में फेंक दिया। अचानक मिले आदेश से सभी भौचक्के रह गए और आदेश का पालन करना उनकी मजबूरी बन गया। नतीजतन स्थिति को भांपते हुए आंदोलनकारियों ने अपने हाथ ऊपर कर दिए। इसके बाद अंग्रेजी सेना ने सभी को गिरफ्तार कर लिया। आंदोलनकारियों का उद्देश्य पुल को ध्वस्त कर अंग्रेजी शासन की यातायात व्यवस्था को बाधित करना था। गिरफ्तारी होने के साथ ही उन पर मुकदमा चलाया गया और अधिकांश आंदोलनकारियों को पांच-पांच वर्ष के कारावास की सजा सुनाई गई, जबकि रणवीर सिंह और कृष्णानंद को दो वर्ष की सजा काटने के बाद रिहा कर दिया गया था। आजादी के आंदोलन से जुड़ी यह घटना खतौली के इतिहास में विशेष स्थान रखती है। इसी कारण 14 अगस्त खतौलीवासियों के लिए विशेष महत्व रखता है। खतौली में स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान हुई इस घटना की स्मृति आज भी स्थानीय लोगों के बीच जीवित है। गंगनहर का वह रेलवे पुल उस दौर के संघर्ष, साहस और देश की आजादी के लिए किए गए प्रयासों की याद दिलाता है। उक्त पुल पुराना होने के कारण कुछ वर्षों पूर्व पूर्णरूप से बंद कर दिया गया था और अब यहां आधुनिक तकनीक से अप और डाउन रेलवे लाइनों के लिए अलग-अलग नए पुल बना दिए गए हैं। इसके बावजूद पुराना पुल और उससे जुड़ी घटना खतौली के लोगों को स्वतंत्रता संग्राम के उन दिनों की याद दिलाती है, जब देश को अंग्रेजी शासन से मुक्त कराने के लिए लोगों ने अपने प्राणों की परवाह किए बिना संघर्ष किया था।

सड़क हादसों में पुलिस के दो जवानों की मौत, तेज रफ्तार थार और टैंकर की टक्कर बनी वजह

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। स्वतंत्रता दिवस से पहले गाजियाबाद में हुए दो अलग-अलग सड़क हादसों में पुलिस विभाग के दो कर्मियों की जान चली गई। थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक क्षेत्र में तेज रफ्तार लाल रंग की थार ने पीआरवी को टक्कर मार दी, जबकि थाना कोतवाली क्षेत्र में दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर स्विफ्ट कार टैंकर से जा भिड़ी। दोनों घटनाओं में कई लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने दोनों मामलों में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी। इसी कड़ी में पहली घटना 12 अगस्त की रात करीब 11:15 बजे थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक क्षेत्र में हुई। पीआरवी 9619 को गौर सिटी-2, गौतमबुद्ध नगर से संबंधित एक इवेंट मिला था। सूचना पर पीआरवी में तैनात पुलिसकर्मी गौतमबुद्ध नगर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार और अनियंत्रित तरीके से आ रही लाल रंग की थार ने पीआरवी में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में पीआरवी पर तैनात कांस्टेबल और होमगार्ड कपिल कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को तत्काल उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन उपचार के दौरान होमगार्ड कपिल कुमार की मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारियों ने घटना का संज्ञान लिया और थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक में मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त लाल रंग की थार को कब्जे में लेकर आरोपी चालक को गिरफ्तार कर लिया। मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई जारी है। वहीं दूसरी घटना 13 अगस्त की सुबह करीब पांच बजे थाना कोतवाली क्षेत्र में दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर बीकानेर बिल्डिंग के सामने हुई। दिल्ली से मेरठ की ओर जा रही एक स्विफ्ट कार की टक्कर टैंकर से हो गई। कार में थाना मडराक जनपद अलीगढ़ में तैनात उप-निरीक्षक उपेंद्र, हेड कांस्टेबल नरेंद्र और रिक्रूट कांस्टेबल ऋतिक मौजूद थे। इनके साथ आशु पुत्र सत्येंद्र, सत्येंद्र पुत्र जोगिंदर और चालक रोशन पुत्र मिश्री सिंह भी सवार थे। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार सवार सभी लोग घायल हो गए। सूचना मिलते ही थाना कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। उपचार के दौरान उप-निरीक्षक उपेंद्र ने दम तोड़ दिया। अन्य घायलों का अस्पताल में उपचार चल रहा है। दोनों हादसों ने सड़क पर तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने के खतरे को एक बार फिर उजागर ककिया है। एक ओर पुलिसकर्मी ड्यूटी के दौरान सड़क हादसे का शिकार हुए, वहीं दूसरी ओर एक्सप्रेसवे पर हुई टक्कर में एक पुलिस अधिकारी की जान चली गई। पुलिस दोनों मामलों में घटनास्थल और वाहनों की जांच के साथ आवश्यक कानूनी कार्रवाई कर रही है।

रेलवे स्टेशन पर एसीपी उपासना पाण्डेय के नेतृत्व में चला चेकिंग अभियान, डॉग स्क्वाड के साथ बम डिस्पोजल टीम भी रही मौजूद

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर गाजियाबाद में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। शहर के रेलवे स्टेशनों, बाजारों, भीड़भाड़ वाले इलाकों और प्रमुख मार्गों पर पुलिस द्वारा लगातार सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। सहायक पुलिस आयुक्त कोतवाली उपासना पाण्डेय के नेतृत्व में थाना विजयनगर पुलिस, आरपीएफ और जीआरपी के साथ संयुक्त रूप से रेलवे स्टेशन परिसर में व्यापक चेकिंग अभियान चलाया गया। सुरक्षा जांच के दौरान डॉग स्क्वाड और बम डिस्पोजल स्क्वाड की टीम भी मौजूद रही। संयुक्त पुलिस टीम ने रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म, प्रवेश और निकास द्वार, प्रतीक्षालय, टिकट काउंटर तथा यात्रियों के बैठने वाले स्थानों की बारीकी से जांच की। इसके अलावा स्टेशन परिसर के आसपास के क्षेत्रों को भी खंगाला गया। पुलिसकर्मियों ने संदिग्ध व्यक्तियों और उनके सामान की जांच करने के साथ ही यात्रियों से पूछताछ की। स्टेशन पर आने-जाने वाले यात्रियों के बैग और अन्य सामान की भी गहनता से पड़ताल की गई। चेकिंग अभियान के दौरान डॉग स्क्वाड ने स्टेशन परिसर और आसपास के महत्वपूर्ण स्थानों पर सघन तलाशी ली। वहीं बम डिस्पोजल टीम ने भी संभावित संवेदनशील स्थानों की जांच की। पुलिस ने विशेष रूप से लावारिस सामान और संदिग्ध वस्तुओं पर नजर रखी। यात्रियों को भी जागरूक करते हुए पुलिस टीम ने अपील कि स्टेशन या सार्वजनिक स्थान पर कोई लावारिस वस्तु दिखाई देने पर उसे छुएं नहीं और तत्काल पुलिस को सूचना दें। पुलिस टीम ने स्टेशन पर मौजूद यात्रियों से सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बातचीत की और किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को देने की अपील की। एसीपी उपासना पाण्डेय ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बड़ी संख्या में लोगों की आवाजाही को देखते हुए रेलवे स्टेशन और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था को अधिक मजबूत किया गया है। स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर पुलिस पूरी तरह सतर्क है। रेलवे स्टेशन, बाजार, भीड़भाड़ वाले स्थानों और प्रमुख मार्गों पर लगातार चेकिंग की जा रही है। सुरक्षा व्यवस्था में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाएगी। संदिग्ध व्यक्तियों और वस्तुओं की निगरानी के साथ ही संवेदनशील स्थानों पर विशेष सतर्कता बरती जा रही है।

बाढ़ की आशंका को लेकर प्रशासन अलर्ट, प्रभारी मंत्री ने तैयारियों की समीक्षा की, तटबंधों की सुरक्षा से लेकर बाढ़ चौकियों तक व्यवस्थाओं का लिया जायजा

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) संभावित बाढ़ की स्थिति से निपटने और जनपद में बाढ़ सुरक्षा एवं राहत बचाव की तैयारियों की समीक्षा के लिए गुरुवार को शक्ति सदन अतिथि गृह, सेक्टर-38 नोएडा में प्रभारी मंत्री बृजेश सिंह की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में नदी के जलस्तर, तटबंधों की स्थिति, बाढ़ चौकियों, राहत एवं बचाव व्यवस्था तथा विभिन्न विभागों की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। प्रभारी मंत्री ने सभी संबंधित विभागों को पूरी तैयारी के साथ सतर्क रहने और आपसी समन्वय से व्यवस्थाएं समय से पूरा करने के निर्देश दिए।

प्रभारी मंत्री ने तीनों प्राधिकरणों और पुलिस विभाग के साथ प्रभावी समन्वय स्थापित करने, बाढ़ चौकियों का स्थलीय निरीक्षण करने तथा वहां आवश्यक संसाधन उपलब्ध रखने को कहा। उन्होंने निर्देश दिया कि आपात स्थिति में राहत एवं बचाव कार्य तत्काल शुरू करने के लिए सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त रहें।

जिलाधिकारी ने बताया कि बाढ़ सुरक्षा की दृष्टि से तटबंधों की आवश्यक मरम्मत के साथ चूहे के बिल और गड्ढों की मरम्मत का कार्य पूरा करा लिया गया है। संवेदनशील स्थानों पर पत्थर, मिट्टी से भरी सीमेंट की बोरियां, बल्लियां और अन्य आवश्यक सामग्री पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराई गई है।

जलस्तर की लगातार निगरानी और सूचनाओं के त्वरित आदान प्रदान के लिए ओखला बैराज तथा गाजियाबाद स्थित सिंचाई निर्माण खंड कार्यालय में बाढ़ कक्ष 24 घंटे सक्रिय किए गए हैं। जनपद में याकूतपुर और कामनगर में दो सिंचाई विभाग की बाढ़ चौकियां तथा 17 प्रशासनिक बाढ़ चौकियां स्थापित हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में त्वरित प्रतिक्रिया के लिए सात ग्रामीण बाढ़ समितियां गठित की गई हैं।

सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने बताया कि यमुना और हिंडन नदियों के तटबंध वर्तमान में सुरक्षित हैं तथा दोनों नदियों के जलस्तर और जल प्रवाह की लगातार निगरानी की जा रही है। प्रभारी मंत्री ने कहा कि बाढ़ जैसी आपदा में जन धन की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को संवेदनशील स्थलों का नियमित निरीक्षण करने और किसी भी कमी को तत्काल दूर करने के निर्देश दिए।

भाकियू ने निकाली तिरंगा यात्रा, खुर्जा अंडरपास पर सीढ़ियां बनाने की मांग

जेवर (शिखर समाचार) संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर भारतीय किसान यूनियन ने गुरुवार को जेवर में तिरंगा यात्रा निकाली। यूनियन के वरिष्ठ नेता चौधरी पवन चौरौली के नेतृत्व में निकली यात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। हाथों में तिरंगा लेकर बड़ी संख्या में किसान यात्रा में शामिल हुए और देशभक्ति के नारों के साथ स्वतंत्रता दिवस के प्रति उत्साह जताया। तिरंगा यात्रा के समापन के बाद किसानों ने क्षेत्र की लंबे समय से लंबित समस्या को प्रमुखता से उठाया। यूनियन ने यमुना एक्सप्रेसवे के खुर्जा अंडरपास पर सीढ़ियां बनाए जाने की मांग प्रशासन के समक्ष रखी। किसानों का कहना है कि सीढ़ियों की सुविधा नहीं होने के कारण आसपास के ग्रामीणों और राहगीरों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ता है। इस समस्या के समाधान की मांग लंबे समय से की जा रही है। भारतीय किसान यूनियन के वरिष्ठ नेता पवन चौरौली ने बताया कि प्रशासन ने सीढ़ियों के निर्माण की मांग पर कार्रवाई के लिए 20 अगस्त तक का समय मांगा है। अधिकारियों ने जल्द कार्य शुरू कराने का आश्वासन दिया है। किसानों ने स्पष्ट किया कि यदि 20 अगस्त तक खुर्जा अंडरपास पर सीढ़ियों का निर्माण कार्य शुरू नहीं किया गया तो 24 अगस्त को कोतवाली का घेराव किया जाएगा। इस संबंध में यूनियन पदाधिकारियों ने तहसीलदार और कोतवाल को ज्ञापन सौंपकर अपनी मांग से अवगत कराया। किसानों ने कहा कि क्षेत्र की मूलभूत समस्या का शीघ्र समाधान होना जरूरी है। प्रशासन की ओर से मिले आश्वासन के बाद फिलहाल आंदोलन को निर्धारित समय तक के लिए टाल दिया गया है। यूनियन नेताओं ने चेतावनी दी कि तय समय सीमा में कार्य शुरू नहीं हुआ तो किसान आंदोलन तेज करने को मजबूर होंगे।

बिजनौर में लाल बहादुर शास्त्री और सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमाओं का अनावरण, चौराहों के सौंदर्यीकरण की तैयारी

बिजनौर (शिखर समाचार) नगर पालिका परिषद बिजनौर की ओर से महापुरुषों को सम्मान देने और शहर के प्रमुख चौराहों को सुंदर बनाने की दिशा में पहल की गई है। नगर के दो प्रमुख चौराहों पर भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री तथा नेताजी सुभाष चंद्र बोस की भव्य प्रतिमाओं का अनावरण किया गया। प्रतिमाओं का अनावरण नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष इंदिरा सिंह ने विधि-विधान के साथ किया। इस अवसर पर आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए इंदिरा सिंह ने कहा कि नगर के प्रमुख चौराहों का सौंदर्यीकरण नगर पालिका की प्राथमिकता है। इसी क्रम में महापुरुषों की प्रतिमाएं स्थापित की जा रही हैं, ताकि नई पीढ़ी उनके जीवन, संघर्ष और आदर्शों से प्रेरणा ले सके। उन्होंने कहा कि नगर के अन्य प्रमुख चौराहों को भी चरणबद्ध तरीके से विकसित और आकर्षक बनाया जाएगा। आने वाले समय में शहर के विभिन्न स्थानों पर अन्य महान विभूतियों की प्रतिमाएं स्थापित कराने की योजना है। कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ. बीरबल सिंह सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, पालिका अधिकारी, कर्मचारी, पूर्व सैनिक और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। सभासद शमशाद अंसारी, दीपक गर्ग, अभिषेक राणा, आदिल, मनोज चौधरी उर्फ मनी, नीरज शर्मा, राजीव वर्मा, अतुल, अमित ठाकुर, तुषार चौधरी राजा, मुस्तकीम, सुरेंद्र सिंह, मनोरमा शर्मा, मानव सचदेवा और बिजेंद्र सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। नगर पालिका के कर अधीक्षक नरेंद्र पाल सिंह, अवर अभियंता जलकल गौरव शर्मा, अवर अभियंता निर्माण यशवंत सिंह, कर निरीक्षक सुंदर लाल, ऋषिपाल सिंह और निर्माण लिपिक सोनिका सहित पालिका के अधिकारी एवं कर्मचारी भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। आयोजकों ने कहा कि महापुरुषों की प्रतिमाओं के माध्यम से शहरवासियों और युवाओं को राष्ट्रसेवा, त्याग एवं अनुशासन की प्रेरणा मिलती रहेगी।

प्रभारी मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने की विकास कार्यों की समीक्षा, अधिकारियों को दिए लक्ष्य पूरा करने के निर्देश

बिजनौर (शिखर समाचार) जनपद के प्रभारी मंत्री एवं प्रदेश सरकार में व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास तथा उद्यमशीलता विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा विदुर सभागार में जनपदीय विकास कार्यों की समीक्षा बैठक की। बैठक की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने विभिन्न विभागों की योजनाओं और विकास कार्यों की प्रगति की जानकारी ली तथा अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्यों को समय से पूरा करने के निर्देश दिए। प्रभारी मंत्री ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबके प्रयास की भावना के साथ कार्य कर रही है। सरकार की योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना अधिकारियों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों को आपसी एवं विभागीय समन्वय स्थापित कर कार्ययोजना तैयार करने और योजनाओं के निर्धारित लक्ष्यों को प्रभावी ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभिन्न विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि पात्र लोगों को योजनाओं की जानकारी मिल सके और वे समय से उनका लाभ उठा सकें। प्रभारी मंत्री ने अधिकारियों को योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और गुणवत्ता बनाए रखने पर भी जोर दिया।

बैठक में उन्होंने जनपद की गौशालाओं की व्यवस्थाओं पर भी चर्चा की। अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक माह कम से कम एक बार गौशालाओं का औचक निरीक्षण कराया जाए। निरीक्षण के दौरान गोवंश के लिए चारा, पानी, स्वास्थ्य सुविधाओं और साफ-सफाई सहित अन्य व्यवस्थाओं की स्थिति का जायजा लिया जाए तथा आवश्यकता के अनुसार सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बैठक में जिलाधिकारी जसजीत कौर, भाजपा जिलाध्यक्ष भूपेंद्र चौहान, नहटौर विधायक ओम कुमार, धामपुर विधायक अशोक राणा, विधान परिषद सदस्य अशोक कटारिया, जिला पंचायत अध्यक्ष साकेंद्र प्रताप सिंह, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष इंदिरा सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

बीआरसी पर दिव्यांग बच्चों के लिए चिकित्सा आकलन शिविर आयोजित

जेवर (शिखर समाचार) समग्र शिक्षा अभियान के तहत गुरुवार को जेवर स्थित ब्लॉक संसाधन केंद्र पर दिव्यांग बच्चों के दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाने के लिए चिकित्सा आकलन शिविर आयोजित किया गया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के नेतृत्व में लगे शिविर में 70 दिव्यांग बच्चे अपने अभिभावकों के साथ पहुंचे। चिकित्सकीय जांच के बाद 40 बच्चों के दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाए गए, जबकि शेष बच्चों को आवश्यक जांच के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। अकादमिक संसाधन व्यक्ति हरेंद्र कुमार शर्मा ने बताया कि शिविर में मुख्य चिकित्सा अधिकारी की ओर से गठित चिकित्सकीय बोर्ड के चिकित्सकों ने बच्चों की दिव्यांगता का परीक्षण किया। जांच के आधार पर पात्र बच्चों के प्रमाण पत्र तैयार किए गए। जिन बच्चों की आवश्यक जांच शिविर में पूरी नहीं हो सकी, उन्हें आगे की चिकित्सकीय जांच के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। शिविर में खंड शिक्षा अधिकारी श्रीचंद्र भूषण प्रसाद, जिला समन्वयक अरविंद कुमार, रंजीत कुमार, अमित कुमार वर्मा, अकादमिक संसाधन व्यक्ति हरेंद्र शर्मा, विशेष शिक्षक कैलाश नाथ शुक्ला, राकेश कुमार भारती, नीरज सिंह, शैलेश कुमार और रोहितास सहित बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने बताया कि इस तरह के शिविरों का उद्देश्य दिव्यांग बच्चों को उनकी दिव्यांगता के अनुरूप प्रमाण पत्र उपलब्ध कराना है, ताकि वे शिक्षा, छात्रवृत्ति और दिव्यांगजन कल्याण से जुड़ी विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें। शिविर में अभिभावकों को भी बच्चों के लिए उपलब्ध सुविधाओं और आवश्यक प्रक्रियाओं की जानकारी दी गई।

तिरंगा यात्रा में उमड़े किसान, गन्ना मूल्य एक हजार रुपये करने की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

बिजनौर (शिखर समाचार) आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में चांदपुर क्षेत्र के जलीलपुर में किसानों ने विशाल तिरंगा यात्रा निकालकर देशभक्ति और एकजुटता का संदेश दिया। यात्रा में बड़ी संख्या में स्थानीय किसानों ने हाथों में तिरंगा लेकर भाग लिया। इस दौरान किसानों ने विभिन्न मार्गों से होकर मार्च किया और अपनी मांगों को लेकर एकजुटता प्रदर्शित की। तिरंगा यात्रा के समापन पर किसानों ने अपनी विभिन्न समस्याओं को लेकर उपजिलाधिकारी के नाम मांग पत्र बास्टा पुलिस चौकी प्रभारी को सौंपा। ज्ञापन में किसानों ने प्रमुख रूप से गन्ने का मूल्य बढ़ाकर एक हजार रुपये प्रति क्विंटल किए जाने की मांग की।

किसानों ने कहा कि खेती की बढ़ती लागत और महंगाई को देखते हुए गन्ने का लाभकारी मूल्य निर्धारित किया जाना जरूरी है, ताकि किसानों को उनकी फसल का उचित प्रतिफल मिल सके। किसानों ने यह मांग भी उठाई कि उनकी भूमि उनकी इच्छा के विरुद्ध किसी भी कीमत पर अधिग्रहीत नहीं की जाए। उन्होंने कहा कि किसानों की जमीन उनकी आजीविका का प्रमुख आधार है और भूमि से जुड़े किसी भी निर्णय में किसानों की सहमति एवं हितों का ध्यान रखा जाना चाहिए। तिरंगा यात्रा के दौरान किसानों में देशभक्ति का उत्साह दिखाई दिया। हाथों में तिरंगा लेकर किसानों ने एकजुट होकर अपनी मांगों को उठाया और प्रशासन से उनके समाधान की मांग की। इस अवसर पर चौधरी लुधियान सिंह, चौधरी महिपाल सिंह, चौधरी गजेंद्र बनिया, शीशपाल सिंह, अनिल सिद्धू, रोहित सिरोही, राहुल चिंकारा, नरेंद्र सिंह, नमनदीप सिंह, हेमेंद्र सिंह फौजी और मीडिया प्रभारी डॉ. निरवैर सिंह सहित बड़ी संख्या में किसान एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे।

15 हजार करोड़ के निवेश वादों के साथ इंडिया बायोएनर्जी एंड टेक एक्सपो संपन्न

उत्तर प्रदेश हरित ऊर्जा निवेश के प्रमुख केंद्र के रूप में उभरा

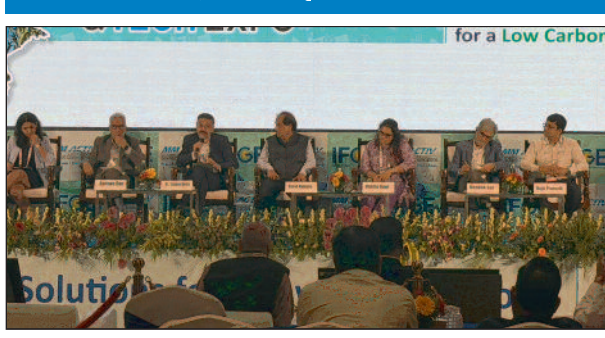

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) तीन दिन तक चले इंडिया बायोएनर्जी एंड टेक एक्सपो 2026 का गुरुवार को समापन लगभग 15 हजार करोड़ रुपये के अनुमानित निवेश वादों और समझौता ज्ञापनों के साथ हुआ। एक्सपो में देश के जैव ऊर्जा क्षेत्र में निवेश की बढ़ती संभावनाओं के साथ उत्तर प्रदेश के हरित ऊर्जा निवेश के प्रमुख केंद्र के रूप में उभरने की तस्वीर सामने आई। आयोजन में नीति निमार्ताओं, निवेशकों, तकनीकी कंपनियों, उद्यमियों और उद्योग विशेषज्ञों ने संपीड़ित जैव गैस, इथेनॉल, जैव ईंधन, जैव द्रव्यमान, कचरे से ऊर्जा, जैव सामग्री और टिकाऊ विमानन ईंधन सहित विभिन्न क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा की।

समापन दिवस पर किसानों के लिए हरित ऊर्जा और आय के अवसर विषय पर विशेष सत्र आयोजित किया गया। इसमें कृषि अवशेषों को स्वच्छ ऊर्जा में बदलकर किसानों के लिए अतिरिक्त आय के स्रोत विकसित करने पर जोर दिया गया। वक्ताओं ने मजबूत कच्चा माल आपूर्ति श्रृंखला, किसान उद्योग समन्वय और ग्रामीण क्षेत्रों में व्यावहारिक कारोबारी मॉडल विकसित करने की आवश्यकता बताई। आयोजन में ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत मंत्री ए.के. शर्मा, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही तथा ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत राज्य मंत्री कैलाश सिंह राजपूत सहित केंद्र और प्रदेश सरकार के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। ए.के. शर्मा ने कहा कि जैव ऊर्जा से किसानों की आय बढ़ाने, गांवों में रोजगार पैदा करने और कृषि अवशेषों को आर्थिक संसाधन में बदलने की बड़ी संभावनाएं हैं।

सूर्य प्रताप शाही ने बताया कि प्रदेश के संपीड़ित जैव गैस क्षेत्र में अब तक करीब 3,500 करोड़ रुपये का निवेश हो चुका है, जिससे लगभग 25 हजार रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं। उन्होंने आने वाले समय में 70 से 80 नए संयंत्र स्थापित होने की संभावना जताई। इंडियन फेडरेशन ऑफ ग्रीन एनर्जी के महानिदेशक संजय गंजू ने कहा कि जैव ऊर्जा अब केवल नीतिगत लक्ष्य नहीं, बल्कि निवेश और कारोबार का महत्वपूर्ण क्षेत्र बन चुकी है।

पार्श्वनाथ जैन इंटर कॉलेज में छात्रों ने अमर बलिदानियों को किया याद

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार) क्षेत्र के गांव जौला स्थित पार्श्वनाथ जैन इंटर कॉलेज में स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान छात्र छात्राओं ने तिरंगा यात्रा निकालकर देशभक्ति का संदेश दिया और स्वतंत्रता संग्राम के अमर बलिदानियों को श्रद्धापूर्वक याद किया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य तुलसी कुमार ने ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान के साथ किया। इसके बाद कॉलेज के छात्र छात्राओं ने हाथों में तिरंगा लेकर भव्य तिरंगा यात्रा निकाली। यात्रा के दौरान विद्यार्थियों ने देशभक्ति के नारे लगाए, जिससे पूरा वातावरण राष्ट्रभक्ति से ओत प्रोत हो गया। तिरंगा यात्रा के बाद विद्यालय परिसर में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। विद्यार्थियों ने विभिन्न नाट्य प्रस्तुतियों के माध्यम से देश को स्वतंत्र कराने वाले वीर बलिदानियों के संघर्ष, त्याग और साहस को जीवंत किया।

छोटे बच्चों की ओर से प्रस्तुत देशभक्ति गीतों और कविताओं ने उपस्थित लोगों को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम स्थल भारत माता के जयकारों से गूंज उठा। प्रधानाचार्य तुलसी कुमार ने कहा कि देश की स्वतंत्रता उन अमर सेनानियों के अदम्य साहस और बलिदान का परिणाम है, जिन्होंने राष्ट्र की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। युवा पीढ़ी का दायित्व है कि वह स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों के अनुरूप मजबूत और विकसित भारत के निर्माण में योगदान दे। उन्होंने विद्यार्थियों से अनुशासन को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने तथा राष्ट्र निर्माण में अपनी जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देने वाले छात्र छात्राओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कॉलेज का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

गाजियाबाद ग्रामीण पुलिस ने 315 गुम हुए मोबाइल बरामद कर स्वामियों को लौटाए

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। ग्रामीण जोन पुलिस ने मोबाइल चोरी और गुम होने की शिकायतों पर प्रभावी कार्रवाई करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। ग्रामीण जोन के सभी थानों के साथ साइबर और सर्विलांस टीमों ने संयुक्त प्रयास कर विभिन्न कंपनियों के 315 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। बरामद मोबाइल फोन की अनुमानित कीमत 50 लाख रुपये है। पुलिस ने मोबाइल फोन की पहचान करने के बाद उन्हें उनके वास्तविक स्वामियों को वापस सौंप दिए है। इसी कड़ी में ग्रामीण जोन के विभिन्न थानों पर मोबाइल चोरी और मोबाइल गुम होने से संबंधित शिकायतें प्राप्त हो रही थीं। इन शिकायतों पर कार्रवाई करते हुए ग्रामीण जोन की साइबर टीम ने सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर पोर्टल की मदद ली। इसके अलावा सर्विलांस और मैनुअल इनपुट के आधार पर भी मोबाइल फोन की तलाश की गई। तकनीकी साक्ष्यों का गहन विश्लेषण करते हुए पुलिस टीमों ने अलग-अलग कंपनियों के मोबाइल फोन को ट्रेस कर बरामद किया। पुलिस की कार्रवाई में ग्रामीण जोन के सभी थानों और साइबर/सर्विलांस टीमों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। बरामद मोबाइल फोन की पहचान उनके स्वामियों के माध्यम से कराई गई और आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद मोबाइल फोन उन्हें सुपुर्द कर दिए गए। लोनी थाना क्षेत्र से 22, ट्रॉनिका सिटी से 30, अंकुर विहार से 27, लोनी बॉर्डर से 44, मसूरी से 59, मुरादनगर से 35, मोदीनगर से 47, निवाड़ी से 23 और भोजपुर थाना क्षेत्र से 28 मोबाइल फोन बरामद किए गए। इस तरह सभी थाना क्षेत्रों से 315 मोबाइल फोन बरामद हुए। संवाददाता सम्मेलन में डीसीपी ग्रामीण सुरेंद्रनाथ तिवारी ने बताया कि मोबाइल चोरी या गुम होने की स्थिति में नागरिकों को तत्काल शिकायत दर्ज कराने के साथ अपने मोबाइल का विवरण उपलब्ध कराना चाहिए। सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर पोर्टल जैसी तकनीकी व्यवस्था और पुलिस की साइबर टीम के प्रयासों से चोरी या गुम हुए मोबाइल को ट्रेस करने में मदद मिलती है। ग्रामीण जोन पुलिस की इस कार्रवाई से न केवल लोगों को उनके कीमती मोबाइल वापस मिले हैं, बल्कि मोबाइल चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने की दिशा में भी पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता मिली है।

स्वतंत्रता दिवस : वेवसिटी क्षेत्र में एसीपी प्रिया श्रीपाल के नेतृत्व में चला सघन चेकिंग अभिया

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। आगामी स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर गाजियाबाद कमिश्नरेट पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है। गुरुवार को सहायक पुलिस आयुक्त वेवसिटी प्रियाश्री पाल के नेतृत्व में थाना वेवसिटी क्षेत्र में व्यापक सुरक्षा जांच एवं निरीक्षण अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान विभिन्न मॉल, ढाबों और सार्वजनिक स्थलों पर पुलिस टीमों ने सघन चेकिंग कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। सुरक्षा अभियान में बीडीडीएस टीम, एएस चेक टीम, डॉग स्क्वाड तथा थाना वेवसिटी पुलिस की संयुक्त टीम शामिल रही। टीमों ने क्षेत्र के प्रमुख एवं संवेदनशील स्थानों पर पहुंचकर बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान सार्वजनिक स्थानों पर मौजूद लोगों और आसपास के क्षेत्रों की गतिविधियों पर भी नजर रखी गई। संदिग्ध वस्तुओं तथा व्यक्तियों की गहनता से जांच की गई, ताकि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना की आशंका को समय रहते रोका जा सके। पुलिस टीमों द्वारा मॉल परिसर, प्रवेश एवं निकास द्वार, पार्किंग स्थल, ढाबों तथा अन्य सार्वजनिक स्थानों की विशेष रूप से जांच की गई। डॉग स्क्वाड की मदद से संदिग्ध स्थानों और वस्तुओं की पड़ताल की गई। वहीं, बीडीडीएस टीम ने संभावित विस्फोटक या संदिग्ध सामग्री की आशंका को ध्यान में रखते हुए आवश्यक सुरक्षा जांच की। पुलिस अधिकारियों ने प्रतिष्ठानों में सुरक्षा इंतजामों की भी समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान एसीपी प्रियाश्री पाल ने संबंधित प्रतिष्ठान संचालकों को सुरक्षा व्यवस्था के प्रति पूरी तरह सतर्क रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय पर्व को देखते हुए किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जानी चाहिए। प्रतिष्ठानों में आने-जाने वाले लोगों पर नजर रखने, संदिग्ध गतिविधि की तत्काल सूचना पुलिस को देने तथा सुरक्षा उपकरणों को सक्रिय रखने के निर्देश दिए गए। पुलिसकर्मियों को भी क्षेत्र में लगातार गश्त करने, संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों पर नजर रखने तथा सार्वजनिक स्थानों पर सतर्कता बनाए रखने के निर्देश दिए गए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत रखने के लिए आने वाले दिनों में भी इसी तरह चेकिंग अभियान जारी रहेगा।

तिरंगा ट्रैक्टर मार्च निकाल किसानों ने उठाई हक की आवाज

शामली (शिखर समाचार) संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर गुरुवार को भारतीय किसान यूनियन ने युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष गौरव टिकैत के नेतृत्व में तिरंगा ट्रैक्टर मार्च निकाला। हाथों में तिरंगा लेकर ट्रैक्टरों पर सवार किसानों ने किसानों, मजदूरों और ग्रामीणों से जुड़े मुद्दों को लेकर आवाज बुलंद की। मार्च के समापन के बाद किसानों ने राष्ट्रपति के नाम अपर जिलाधिकारी सत्येंद्र सिंह को मांगपत्र सौंपकर विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग की। भाकियू जिलाध्यक्ष आशीष चौधरी ने बताया कि भारत छोड़ो दिवस की 84वीं वर्षगांठ और अगस्त क्रांति के अवसर पर देशभर में किसानों, कृषि श्रमिकों और मेहनतकश वर्ग की मांगों को लेकर कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

इसी क्रम में शामली में भी तिरंगा ट्रैक्टर मार्च निकालकर किसानों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया। किसानों की ओर से सौंपे गए मांगपत्र में सभी फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी और सरकारी खरीद सुनिश्चित करने की मांग की गई। इसके साथ किसानों एवं मजदूरों की ऋण माफी, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना में 200 दिन रोजगार तथा 700 रुपये प्रतिदिन मजदूरी की गारंटी देने की मांग उठाई गई। किसानों ने उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने और उनकी कालाबाजारी पर प्रभावी रोक लगाने की भी मांग की। मांगपत्र में सिंचाई व्यवस्था को बेहतर बनाने, बिजली के निजीकरण से संबंधित प्रस्ताव वापस लेने, खाद्य सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने तथा 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को 10 हजार रुपये मासिक सामाजिक सुरक्षा पेंशन देने की मांग भी शामिल रही।

संपादकीय

धार्मिक आस्था की चौखट पर हिंसा के लिए कोई जगह नहीं

महाराष्ट्र के नांदेड़ में शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष और पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल पर गुरुद्वारा परिसर में कृपाण से किया गया हमला केवल एक राजनीतिक नेता पर हमला नहीं है, बल्कि यह उस सामाजिक मयार्दा पर भी गंभीर प्रश्न खड़ा करता है जिसके केंद्र में धार्मिक स्थल, श्रद्धा और अनुशासन होते हैं। 13 अगस्त 2026 को सामने आई इस घटना में सुखबीर सिंह बादल के हाथ में चोट आई और उन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। हमले के बाद एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि घटना किसी सामान्य सार्वजनिक स्थान पर नहीं, बल्कि गुरुद्वारे जैसे धार्मिक परिसर में हुई। भारत की धार्मिक परंपरा में ऐसे स्थान केवल पूजा अर्चना के केंद्र नहीं होते, बल्कि वे शांति, सेवा, संयम और सामुदायिक सद्भाव के प्रतीक माने जाते हैं। वहां किसी व्यक्ति पर हथियार से हमला होना इसलिए सामान्य अपराध की श्रेणी में रखकर भूल जाने वाला विषय नहीं हो सकता। यह घटना समाज को यह सोचने के लिए मजबूर करती है कि आखिर राजनीतिक असहमति, धार्मिक भावनाओं और व्यक्तिगत आक्रोश की सीमाएं लगातार इतनी धुंधली क्यों होती जा रही हैं कि बातचीत की जगह हिंसा लेने लगी है। लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत यही है कि उसमें असहमति के लिए जगह होती है। किसी राजनीतिक नेता की नीतियों से असहमति हो सकती है, उसके निर्णयों की आलोचना की जा सकती है, उसके विरुद्ध चुनाव में मतदान किया जा सकता है और सार्वजनिक मंचों पर सवाल उठाए जा सकते हैं। लेकिन किसी को शारीरिक नुकसान पहुंचाने का अधिकार किसी को नहीं मिल सकता। विचार का उत्तर विचार से और राजनीतिक विरोध का उत्तर लोकतांत्रिक प्रक्रिया से ही दिया जाना चाहिए। यदि राजनीतिक असहमति हथियार तक पहुंचने लगे तो इसका अर्थ है कि लोकतंत्र के संवाद की बुनियाद कमजोर हो रही है। इस घटना का दूसरा पहलू सुरक्षा व्यवस्था से जुड़ा है। सुखबीर सिंह बादल जैसे पूर्व उपमुख्यमंत्री और प्रमुख राजनीतिक दल के अध्यक्ष की सुरक्षा में पुलिसकर्मी तैनात थे। इसके बावजूद हमलावर कथित रूप से उनके निकट पहुंच गया। शुरूआती जानकारी के अनुसार हमले में सुरक्षा से जुड़े एक पुलिस अधिकारी के घायल होने की बात भी सामने आई है। यह जांच का विषय है कि सुरक्षा घेरा कहां कमजोर पड़ा, हमलावर परिसर तक कैसे पहुंचा और क्या पहले से कोई खतरा चिन्हित किया गया था। सुरक्षा में चूक हुई है तो उसकी जिम्मेदारी तय होनी चाहिए, लेकिन इस जांच का उद्देश्य किसी समुदाय को कठघरे में खड़ा करना नहीं, बल्कि भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति रोकना होना चाहिए।

इस घटना को किसी धर्म या पूरे समुदाय से जोड़ना भी उतना ही खतरनाक होगा जितना इसे केवल राजनीतिक विवाद मानकर नजरअंदाज करना। किसी व्यक्ति के अपराध की जिम्मेदारी उसी व्यक्ति की होती है। जांच एजेंसियों को हमलावर की पृष्ठभूमि, उसकी मंशा, उसके संपर्कों और घटना के पीछे संभावित कारणों की निष्पक्ष पड़ताल करनी चाहिए।

~ मौलिक चिंतन ~

जानते बूझते हुए धूर्त पर भरोसा करना, खुद अपने मूर्ख होने का प्रमाण देना है।

~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~

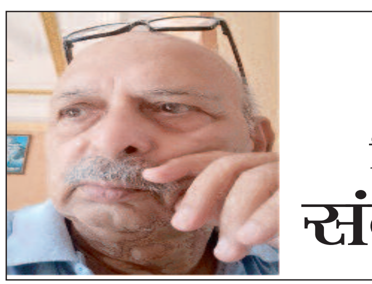

© विनय संकोची

तिरंगा : भारत की आन, बान और शान

हर्षवर्धन पान्डे

किसी भी देश का राष्ट्र ध्वज उसके स्वतंत्र होने का संकेत है। भारत का राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा केवल एक कपड़े या कागज का टुकड़ा नहीं है बल्कि यह भारत की आत्मा, इतिहास और संस्कृति का प्रतीक है। इसके तीन रंग केसरिया, सफेद, हरा और मध्य में अशोक चक्र भारतीयता के विभिन्न आयामों को दशार्ते हैं। तिरंगा न केवल स्वतंत्रता संग्राम की गाथा को बतलाता है, बल्कि यह भारत की एकता, विविधता और आकांक्षाओं का भी प्रतीक है। तिरंगे ने अपने रंगों से दुनिया में अपनी अद्वितीय छवि बनाई है। राष्ट्रीय ध्वज के लिए हथकरघा खादी (सूती या रेशमी) कपड़ा इस्तेमाल किया जाता है। तिरंगे झंडे में नीले रंग का अशोक चक्र धर्म तथा ईमानदारी के मार्ग पर चलकर देश को उन्नति की ओर ले जाने की प्रेरणा देता है।

तिरंगे का केसरिया रंग साहस, बलिदान और त्याग का प्रतीक है। यह उन लाखों स्वतंत्रता सेनानियों की याद दिलाता है जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। भारतीयता का यह पहलू हमें निःस्वार्थ भाव से देश के लिए समर्पित होने की प्रेरणा देता है। इसी तरह से सफेद रंग शांति और सत्य का प्रतीक यह रंग भारत की अहिंसावादी विचारधारा को रेखांकित करता है। महात्मा गांधी के नेतृत्व में अहिंसा और सत्याग्रह ने न केवल भारत को स्वतंत्रता दिलाई, बल्कि विश्व को शांति का संदेश भी दिया। यह रंग भारतीयता की उस भावना को दशार्ता है जो सहिष्णुता और सामंजस्य में विश्वास रखती है। हरा रंग समृद्धि, उर्वरता और प्रकृति के प्रति भारत की गहरी आस्था को दशार्ता है। भारत की संस्कृति में प्रकृति और पर्यावरण का विशेष स्थान रहा है। यह रंग हमें सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कार्य करने की प्रेरणा देता है। मध्य में नीले रंग का अशोक चक्र गतिशीलता और प्रगति का प्रतीक है। यह सम्राट अशोक के धर्म चक्र से प्रेरित है जो न्याय, धर्म और नैतिकता का प्रतीक है। यह चक्र भारतीयता के उस दर्शन को दशार्ता है जो निरंतर प्रगति और नैतिकता के मार्ग पर चलने को प्रेरित करता है। भारतीयता एक ऐसी अवधारणा है जो भारत की सांस्कृतिक, सामाजिक और ऐतिहासिक विविधता को समेटे हुए है। तिरंगा इस भारतीयता का एक जीवंत प्रतीक है।

भारत विभिन्न धर्मों, भाषाओं, संस्कृतियों और परंपराओं का देश है। तिरंगा इस विविधता को एक सूत्र में पिरोने का कार्य करता है। जैसे तिरंगे के तीन रंग एक साथ मिलकर एक पूर्ण ध्वज बनाते हैं वैसे ही भारत की विभिन्न संस्कृतियाँ और समुदाय एक साथ मिलकर भारतीयता का निर्माण करते हैं। यह ध्वज हमें सिखाता है कि भिन्नताओं के बावजूद हम एक हैं। तिरंगा स्वतंत्रता संग्राम का साक्षी रहा है। यह उन असंख्य बलिदानों का प्रतीक है जिन्होंने भारत को औपनिवेशिक शासन से मुक्ति दिलाई। भारतीयता का यह पहलू हमें स्वाभिमान और आत्मनिर्भरता की भावना से जोड़ता है। तिरंगा हमें याद दिलाता है कि हमारी स्वतंत्रता अनमोल है और इसे बनाए रखने के लिए हमें सतत प्रयास करना होगा।

भारतीय इतिहास में 1905 से पहले पूरे भारत की अखंडता को दशार्ने के लिए कोई राष्ट्र ध्वज नहीं था। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान वर्ष 1905 में स्वामी विवेकानंद की शिष्य सिस्टर निवेदिता ने पहली बार पूरे भारत के लिए एक राष्ट्रीय ध्वज की कल्पना की थी। सिस्टर निवेदिता द्वारा बनाए गए ध्वज में कुल 108 ज्योतियाँ बनाई गई थी। यह ध्वज चौकोर आकार का था। ध्वज के दो रंग थे- लाल और पीला। लाल रंग स्वतंत्रता संग्राम और पीला रंग विजय का प्रतीक था। ध्वज पर बंगाली भाषा में वंदे-मातरम् लिखा गया था और इसके पास वज्र (एक प्रकार का हथियार) और केन्द्र में एक सफेद कमल का चित्र भी था। वर्तमान में इस ध्वज को आचार्य भवन संग्रहालय, कोलकाता में संरक्षित रखा गया है। इसके बाद 7 अगस्त 1906 को कोलकाता (तत्कालीन कलकत्ता) के पारसी बागान चौक में ध्वज को फहराया गया। कोलकाता ध्वज प्रथम भारतीय अनाधिकारिक ध्वज था। इसकी अभिकल्पना शचिन्द्र प्रसाद बोस ने की थी। झंडे में बराबर चौड़ाई की तीन क्षैतिज पट्टियाँ थीं। शीर्ष धारी नारंगी, केंद्र धारी पीली और निचली पट्टी हरे रंग की थी। शीर्ष पट्टी पर ब्रिटिश-शासित भारत के आठ प्रांतों का प्रतिनिधित्व करते 8 आधे खुले कमल के फूल थे और निचली पट्टी पर बाईं तरफ सूर्य और दाईं तरफ एक वर्धमान चाँद की तस्वीर अंकित थी। ध्वज के केंद्र में वन्दे-मातरम् का नारा अंकित किया गया था। इसी तरह पहली बार विदेशी धरती पर भारतीय ध्वज मैडम भीकाजी कामा द्वारा 22 अगस्त 1907 को अंतर्राष्ट्रीय सोशलिस्ट कांग्रेस केस्टटगार्ट में फहराया गया था। इस ध्वज को सप्तर्षि झंडे' के नाम से जाना जाता है। यह ध्वज काफी कुछ वर्ष 1906 के झंडे जैसा ही था लेकिन इसमें सबसे ऊपरी पट्टी का रंग केसरिया था और कमल के बजाए सात तारे सप्तऋषि के प्रतीक थे।

भारतीय धरती पर तीसरे प्रकार का तिरंगा होम रूल लीग के दौरान फहराया गया था। 'होम रूल आंदोलन' के दौरान कोलकाता में एक कांग्रेस अधिवेशन के दौरान यह ध्वज फहराया गया था। उस समय ध्वज स्वतंत्रता संग्राम की लड़ाई का प्रतीक था। इसमें 9 पट्टियाँ थीं, जिसमें 5 लाल रंग और 4 हरे रंग की थी। ध्वज के ऊपरी बाएँ कोने में यूनियन जैक था। शीर्ष दाएँ कोने में अर्धचंद्र और सितारा था। ध्वज के बाकी हिस्सों में सप्तर्षि के स्वरूप में सात सितारों को व्यवस्थित किया गया था। वर्ष 1921 में आंध्र प्रदेश के पिंगले वेंकय्या ने बिजावाड़ा (अब विजयवाड़ा) में गांधीजी के निदेर्शों के अनुसार सफेद,हरे और लाल रंग में पहला चरखा-झंडा डिजाइन किया था। इस ध्वज को स्वराज-झंडे के नाम से जाना जाता है। वर्ष 1931 ध्वज के इतिहास में एक यादगार वर्ष है। इस वर्ष तिरंगे ध्वज को हमारे राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अपनाने के लिए एक प्रस्ताव पारित किया गया। यह ध्वज जो वर्तमान स्वरूप का पूर्वज है, केसरिया, सफेद और मध्य में गांधी जी के चलते हुए चरखे के साथ था।

ब्रिटिश सरकार द्वारा भारत को स्वतंत्र करने की घोषणा के बाद भारतीय नेताओं को स्वतंत्र भारत के लिए राष्ट्रीय ध्वज की आवश्यकता का एहसास हुआ। तदनुसार ध्वज को अंतिम रूप देने के लिए एक तदर्थ ध्वज समिति का गठन किया गया। सुरैया बद्र-उद-दीन तैयब द्वारा प्रस्तुत स्वतंत्र भारत के राष्ट्रीय ध्वज के डिजाइन को 17 जुलाई 1947 को ध्वज समिति द्वारा अनुमोदित और स्वीकार किया गया था। समिति की सिफारिश पर 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा ने तिरंगे को स्वतंत्र भारत के राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अपनाया। तिरंगे में तीन समान चौड़ाई की क्षैतिज पट्टियाँ हैं जिनमें सबसे ऊपर केसरिया रंग की पट्टी जो देश की ताकत और साहस को दशार्ती है। बीच में श्वेत पट्टी धर्म चक्र के साथ शांति और सत्य का संकेत है और नीचे गहरे हरे रंग की पट्टी देश के विकास और उर्वरता को दशार्ती है। तिरंगे के केंद्र में सफेद पट्टी के मध्य में गहरे नीले रंग का अशोक चक्र है जिसमें 24 तीलियाँ होती हैं। यह चक्र एक दिन के 24 घंटों और हमारे देश की निरंतर प्रगति को दशार्ता है। तिरंगे को भारत की महिलाओं की ओर से 14 अगस्त, 1947 को संविधान सभा के अर्द्ध-रात्रिकालीन अधिवेशन में समर्पित किया गया था।

भारत ने राष्ट्रीय चिन्ह को 26 जनवरी, 1950 को अपनाया था। भारत के तिरंगे झंडे के ध्वज की लंबाई और चौड़ाई का अनुपात 2:3 है। भारत का राज चिन्ह अशोक स्तम्भ के शीर्ष की एक प्रतिकृति है जो सारनाथ के संग्रहालय में सुरक्षित है। अशोक स्तम्भ तीन शेरों की आकृति जिसके नीचे एक चौखट के बीच में एक धर्म चक्र है। इस चक्र के दाईं ओर एक बैल और बाईं ओर एक अश्व है। चौखट के आधार पर 'सत्यमेव जयते' शब्द अंकित है। भारत के राजचिन्ह में तीन प्रकारे के छः जानवर हैं-शेर (चार), बैल (एक), अश्व (एक) भारत का यह चिन्ह भारत की एकता का घोतक है। राष्ट्रीय चिन्ह के दो भाग शीर्ष और आधार हैं। शीर्ष पर शेर साहस और शक्ति का प्रतीक है। राष्ट्रीय चिन्ह के आधार भाग में एक धर्म चक्र है। चक्र के दायीं ओर एक बैल है तथा बायीं ओर एक घोड़ा है जो स्फूर्ति का ताकत व गति का। 'सत्यमेव जयते' मुंडकोपनिषद से लिया गया है। 'सत्यमेव जयते' का अर्थ सत्य की ही विजय है। भारत के तिरंगे झंडे में चरखे की जगह 'चक्र' 1947 को अस्तित्व में आया। 26 जनवरी 2002 से फ्लैग कोड बदल गया है। भारतीयों को कहीं भी किसी भी समय गर्व के साथ झंडा फहराने की आजादी दे दी गयी है। अभी कुछ समय पूर्व सुप्रीम कोर्ट ने अनुच्छेद 19 ए अनुच्छेद के तहत ध्वज फहराने के अधिकार को मौलिक अधिकार के रूप में घोषित किया था जिसके बाद देश में भारतीय ध्वज को दिन -रात फहराने की अनुमति दे दी गई है।

15 अगस्त 1947 आजाद भारत के इतिहास का ऐतिहासिक दिन था जब अंग्रेजों की गुलामी से मुक्ति पाकर भारत में नई सुबह हुई थी। स्वतंत्रता मिलने के बाद पहली बार देशवासियों ने खुली हवा में साँस ली और देश प्रगति के पथ पर अग्रसर हुआ। आजादी के बाद से देश के कई प्रधानमंत्रियों और सरकारों को

देखा है लेकिन इस अमृतकाल में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार के हर-घर तिरंगा जन अभियानों के माध्यम से देश के प्रति जोश, जज्बा और प्रबल हुआ है। किसी भी देशवासी के लिए भारत और भारतीयता का भाव पहले होना चाहिए। यह मुहिम जाति ,धर्म,संप्रदाय से परे है और देश को इस अमृत काल में एकता के सूत्र में बांध सकती है। नागरिकों में देश प्रेम की भावना जगाने और संकीर्णता से बाहर निकालने का यही अमृतकाल है।

आज के समय में तिरंगा केवल एक राष्ट्रीय प्रतीक ही नहीं बल्कि भारत की आकांक्षाओं और सपनों का दर्पण भी है। यह हमें आत्मनिर्भर भारत, डिजिटल भारत और विकसित भारत के सपने को साकार करने की प्रेरणा देता है। हर घर तिरंगा जैसे अभियान भारतीयों को अपने ध्वज के प्रति गर्व और सम्मान की भावना को और गहरा करने का अवसर प्रदान करते हैं। तिरंगा झंडा भारत और भारतीयता का एक ऐसा प्रतीक है जो हमें हमारी जड़ों से जोड़ता है और भविष्य की ओर प्रेरित करता है। इसके रंग और चक्र हमें साहस, शांति, समृद्धि और प्रगति के मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा देते हैं। यह ध्वज हमें याद दिलाता है कि भारतीयता का अर्थ है विविधता में एकता, स्वाभिमान में साहस और शांति में प्रगति। तिरंगे के अक्स में हमारा भारत और हमारी भारतीयता न केवल जीवंत है बल्कि विश्व मंच पर एक प्रेरणा स्रोत के रूप में भी उभर रही है।

देश के प्रत्येक नागरिक को आजादी के इस अमृतकाल में इस पावन महायज्ञ में आहूति देकर पुण्य का भागीदार बनना चाहिए। तिरंगे को देखकर हर भारतीय के दिलों में राष्ट्रप्रेम की भावना उमड़ पड़ती है। राष्ट्र ध्वज देखकर उसके प्रति आदर भाव खुद ही जग जाता है। तिरंगा साहस, त्याग, बलिदान के रंगों से सरोबार है। तिरंगे को सम्मान देते हुए आज हर देशवासी का कर्तव्य है इस अमृतकाल में अपने घरों में तिरंगा लहराकर वह इस उत्सव को ऐतिहासिक बनाए। आजादी के रणबांकुरों ने अपने शौर्य से जिस प्रकार देश के लिए तन- मन न्यौछावर कर दिया उसी प्रकार तिरंगा झंडा लहराकर हमें भारतबोध का अहसास होगा जो शहीदों को अमृत काल में सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

सत्तापक्ष-विपक्ष के गतिरोध में घिरा संसद का मानसून सत्र

विनोद सिंह 'तकियावाला',

संसद का मानसून सत्र 2026 आज 13 अगस्त को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गया। 20 जुलाई से शुरू हुए इस सत्र की 25 दिनों की अवधि में कुल 19 बैठकें हुईं। लोकसभा में 11 और राज्यसभा में 2 विधेयक पुरःस्थापित किए गए।दोनों सदनों द्वारा कुल 12 विधेयक पारित किए गए।इसके बावजूद लोकसभा की उत्पादकता केवल 19 प्रतिशत और राज्यसभा की लगभग 39 प्रतिशत रही।

12 विधेयक पारित होने के बावजूद लोकसभा की 19 प्रतिशत और राज्यसभा की करीब 39 प्रतिशत उत्पादकता ने संसदीय कार्यप्रणाली, कार्यसमय और करदाताओं के धन पर खड़े किए गंभीर सवाल...

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी संसद है।यही वह सर्वोच्च राष्ट्रीय मंच है जहाँ देश के करोड़ों नागरिकों की आकांक्षाएँ, समस्याएँ, अपेक्षाएँ और भविष्य की नीतियाँ कानून का स्वरूप ग्रहण करती हैं।संसद केवल विधेयक पारित करने की संस्था नहीं है। यह सरकार की जवाबदेही तय करने,विपक्ष को अपनी बात रखने और राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर सार्थक संवाद का संवैधानिक मंच है।

संसद का मानसून सत्र 2026 आज 13 अगस्त को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गया। 20 जुलाई से शुरू हुए इस सत्र की 25 दिनों की अवधि में कुल 19 बैठकें हुईं। लोकसभा में 11 और राज्यसभा में 2 विधेयक पुरःस्थापित किए गए।दोनों सदनों द्वारा कुल 12 विधेयक पारित किए गए।इसके बावजूद लोकसभा की उत्पादकता केवल 19 प्रतिशत और राज्यसभा की लगभग 39 प्रतिशत रही।

ये आँकड़े केवल संसदीय रिकॉर्ड नहीं हैं। इनके पीछे एक गंभीर सवाल है कि संसद को उपलब्ध कराए गए समय का कितना हिस्सा वास्तव में जनता के सवालों, कानून निर्माण और राष्ट्रीय मुद्दों पर सार्थक चर्चा में बदल पाया।संसद की कार्यवाही का प्रत्येक घंटा देश की जनता की अमानत है। प्रश्नकाल में सांसद सरकार से सवाल पूछते हैं।शून्यकाल में तत्काल जनहित के विषय उठाए जाते हैं। विधेयकों पर चर्चा होती है। सरकार की नीतियों की समीक्षा होती है।विभिन्न राज्यों और समाज के अलग-अलग वर्गों की समस्याएँ राष्ट्रीय मंच तक पहुँचती हैं।ऐसे में संसद का एक घंटा केवल समय नहीं है।वह लोकतांत्रिक जवाबदेही का एक घंटा है।लंबे समय से संसदीय व्यय के संबंध में प्रति मिनट लगभग ढाई लाख रुपये के सार्वजनिक खर्च का अनुमान सामने आता रहा है। इस हिसाब से संसद की कार्यवाही के एक घंटे पर लगभग डेढ़ करोड़ रुपये और आठ घंटे के कार्यदिवस पर लगभग 12 करोड़ रुपये तक खर्च होने का अनुमान लगाया जाता है। इसमें सांसदों के वेतन और भत्ते, संसद सचिवालय,सुरक्षा,तकनीकी व्यवस्था,अनुवाद,प्रसारण, बिजली, रखरखाव और कर्मचारियों से संबंधित खर्च शामिल हैं।संसद चले या न चले,इन व्यवस्थाओं पर होने वाला अधिकांश खर्च जारी रहता है। इसलिए जब सदन हंगामे और स्थगन की वजह से बाधित होता है तो नुकसान केवल समय का नहीं होता। जनता के धन और लोकतांत्रिक अवसर दोनों प्रभावित होते हैं।संसदीय गतिरोध की समस्या नई नहीं है। पिछले वर्षों में भी कई सत्रों में व्यवधान के कारण निर्धारित कार्यसमय का बड़ा हिस्सा नष्ट हुआ है।वर्ष 2025 के मानसून सत्र में लोकसभा के लिए निर्धारित 120 घंटों में लगभग 37 घंटे ही बैठक हो सकी थी। इससे स्पष्ट है कि संसदीय समय का सदुपयोग लगातार चिंता का विषय बना हुआ है।मानसून सत्र 2026 में भी कम उत्पादकता का आँकड़ा सामने है।

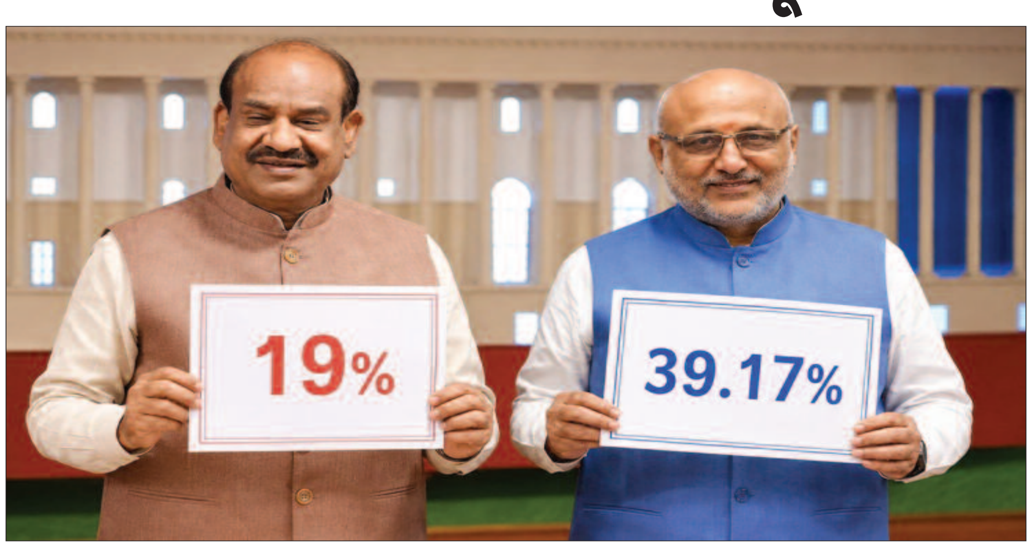

लोकसभा की 19 प्रतिशत और राज्यसभा की लगभग 39 प्रतिशत उत्पादकता बताती है कि उपलब्ध संसदीय समय का बड़ा हिस्सा अपेक्षित कार्य में नहीं बदल सका।फिर भी इस सत्र को पूरी तरह निष्फल कहना उचित नहीं होगा। दोनों सदनों ने 12 विधेयक पारित किए।लोक परीक्षा प्रणाली में अनुचित साधनों की रोकथाम को मजबूत करने वाला संशोधन युवाओं और प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता से जुड़ा महत्वपूर्ण कदम है।परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता युवाओं के भविष्य और व्यवस्था के प्रति उनके विश्वास दोनों के लिए आवश्यक है।जन्म और मृत्यु रजिस्ट्रीकरण में संशोधन प्रशासनिक अभिलेखों की विश्वसनीयता से जुड़ा है। बैंककार बही साक्ष्य विधेयक डिजिटल युग की बैंकिंग व्यवस्था के अनुरूप कानूनी ढाँचे को आधुनिक बनाने का प्रयास है। सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम विकास संशोधन विधेयक छोटे कारोबारियों और उद्यमियों के लिए महत्वपूर्ण है। वित्त तक पहुँच आसान करना और विलंबित भुगतान से जुड़े विवादों का शीघ्र समाधान टरटए क्षेत्र को मजबूती दे सकता है।

अधिकरण सुधार विधेयक न्यायिक और प्रशासनिक व्यवस्था की दक्षता से जुड़ा है। खान और खनिज क्षेत्र से संबंधित संशोधन देश की आर्थिक आवश्यकताओं और आत्मनिर्भर भारत की दिशा से जुड़े हैं। राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम से संबंधित संशोधन सहकारी क्षेत्र को अधिक सक्षम बनाने का प्रयास है।वंदे मातरम को कानूनी संरक्षण देने वाला प्रावधान राष्ट्रीय भावना और स्वतंत्रता आंदोलन की स्मृतियों से जुड़ा है। केरल का नाम बदलकर केरलम करने का प्रस्ताव संवैधानिक प्रक्रिया और क्षेत्रीय पहचान का विषय है। विदेशी अभिदाय विनियमन संशोधन विधेयक को संयुक्त समिति को भेजा जाना इस बात का उदाहरण है कि जटिल विषयों पर विस्तृत विचार के लिए संसदीय समिति व्यवस्था का उपयोग किया जा सकता है।

इन उपलब्धियों के बावजूद एक सवाल अपनी जगह कायम है। क्या विधेयक पारित होना ही संसद की सफलता का पर्याप्त मापदंड है?कानून बनाना संसदीय प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उसके साथ उस कानून पर पर्याप्त बहस भी उतनी ही आवश्यक है। विधेयक के प्रावधानों पर सरकार का पक्ष सामने आए।विपक्ष अपने सुझाव और आपत्तियाँ रखे। विशेषज्ञों की राय ली जाए। आवश्यक संशोधन हों। तभी कानून निर्माण की प्रक्रिया अधिक व्यापक और प्रभावी बन सकती है।लोकतंत्र में विरोध आवश्यक है। विपक्ष का काम सरकार की नीतियों पर सवाल उठाना है। जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाना है।सरकार का दायित्व है कि वह विपक्ष की आवाज सुने और महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा का अवसर दे।परन्तु विरोध और व्यवधान में अंतर है।विरोध लोकतंत्र को मजबूत करता है। लगातार व्यवधान लोकतंत्र की कार्यक्षमता को कमजोर करता है।यदि प्रश्नकाल बाधित होता है तो जनता के सवालों के उत्तर नहीं मिलते। शून्यकाल बाधित होता है तो तत्काल जनहित के मुद्दे सदन तक नहीं पहुँच पाते।विधेयकों पर पर्याप्त चर्चा नहीं होती तो कानून निर्माण की गुणवत्ता पर प्रश्न उठता है।यह भी उचित नहीं होगा कि हर व्यवधान के लिए केवल विपक्ष को जिम्मेदार ठहराया जाए।सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों संसद की गरिमा और कार्यवाही के लिए समान रूप से उत्तरदायी हैं। विपक्ष को अपनी आवाज उठाने का अधिकार है।सरकार को जवाब देने का दायित्व है।दोनों के बीच संवाद का रास्ता खुला रहना चाहिए।संसद किसी राजनीतिक दल का मंच नहीं है।यह पूरे राष्ट्र की संस्था है।आज भारत विकास के महत्वपूर्ण दौर से गुजर रहा है।रेल,सड़क,रक्षा, डिजिटल अर्थव्यवस्था,अंतरिक्ष, हरित ऊर्जा,कृत्रिम बुद्धिमत्ता, विनिर्माण और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में बड़े बदलाव हो रहे हैं।ऐसे समय में संसद का प्रत्येक कार्यदिवस राष्ट्रीय महत्व रखता है।किसान अपनी समस्याओं का समाधान चाहता है।युवा रोजगार और परीक्षा व्यवस्था पर जवाब चाहता है।छोटे कारोबारी वित्त और कारोबार की कठिनाइयों पर चर्चा चाहते हैं।आम नागरिक शिक्षा, स्वास्थ्य,महँगाई,सुरक्षा और विकास से जुड़े प्रश्नों पर सरकार से जवाब चाहता है।

इन सभी सवालों का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक मंच संसद है। करदाता भी यह जानना चाहता है कि संसद के संचालन पर खर्च होने वाला उसका पैसा किस प्रकार जनहित में परिवर्तित हो रहा है। इसलिए संसदीय उत्पादकता केवल एक प्रशासनिक आँकड़ा नहीं है।यह जनता के प्रति लोकतांत्रिक उत्तरदायित्व का भी पैमाना है।

संसदीय गतिरोध की कीमत केवल रुपये में नहीं आँकी जा सकती। सबसे बड़ी कीमत लोकतांत्रिक विश्वास की होती है। जनता अपने प्रतिनिधियों को इसलिए चुनती है कि वे उसकी आवाज संसद में उठाएँ। यदि वही संसद बार-बार हंगामे और स्थगन की तस्वीर प्रस्तुत करे तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि जनता को मिला प्रतिनिधित्व किस सीमा तक प्रभावी हो पाया।

सत्ता पक्ष को यह समझना होगा कि बहुमत केवल कानून पारित करने की शक्ति नहीं है। बहुमत के साथ संवाद और जवाबदेही की जिम्मेदारी भी आती है। विपक्ष को भी समझना होगा कि प्रभावी विरोध का अर्थ सदन को लगातार रोकना नहीं है।तीखी बहस हो सकती है। सरकार से कठोर प्रश्न पूछे जा सकते हैं।जनहित के मुद्दों पर दबाव बनाया जा सकता है। किंतु संसद की पूरी कार्यवाही को बाधित करना लोकतांत्रिक उद्देश्य को कमजोर करता है।

आवश्यकता इस बात की है कि सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों राजनीतिक लचीलेपन का परिचय दें।महत्वपूर्ण राष्ट्रीय विषयों पर सर्वदलीय संवाद को मजबूत किया जाए।संसदीय समितियों की भूमिका बढ़ाई जाए।प्रश्नकाल और शून्यकाल को अधिक प्रभावी ढंग से संरक्षित किया जाए।संसदीय आचार और मयार्दा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।मानसून सत्र 2026 अपने साथ 12 विधेयकों के पारित होने की उपलब्धि लेकर समाप्त हुआ है। साथ ही लोकसभा की 19 प्रतिशत और राज्यसभा की करीब 39 प्रतिशत उत्पादकता का आँकड़ा भी छोड़ गया है।यह आँकड़ा सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के लिए आत्ममंथन का अवसर है।संसद में मतभेद रहें।राजनीतिक संघर्ष रहे। सरकार से सवाल पूछे जाएँ।विपक्ष की आलोचना हो। लेकिन संवाद का रास्ता बंद नहीं होना चाहिए।संसद चलेगी तो सवाल उठेंगे।सवाल उठेंगे तो जवाब माँगे जाएँगे।जवाब मिलेंगे तो जवाबदेही तय होगी।जवाबदेही तय होगी तो बेहतर कानून बनेंगे। बेहतर कानून बनेंगे तो देश की विकास यात्रा को नई गति मिलेगी।अंततः संसद किसी सरकार की नहीं है।संसद किसी विपक्ष की नहीं है। संसद पूरे भारत की है। वहाँ व्यतीत होने वाला प्रत्येक मिनट जनता की अमानत है।वहाँ होने वाली प्रत्येक सार्थक बहस लोकतंत्र की पूँजी है।संसद का प्रत्येक मिनट जनता की गाढ़ी कमाई से जुड़ा है। इसलिए सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों का दायित्व है कि राजनीतिक हितों से ऊपर उठकर संसद की गरिमा,लोकतांत्रिक परंपराओं और राष्ट्रीय उत्तरदायित्व का निर्वहन करें।

लोकतंत्र की वास्तविक विजय सत्ता पक्ष की जीत या विपक्ष की हार में नहीं है। लोकतंत्र की विजय तब होगी जब संसद चलेगी, संवाद होगा,जनता के सवाल उठेंगे, सरकार जवाब देगी और देशहित में निर्णय होंगे।

बारिश में हो रही है खुजली और इंफेक्शन की समस्या तो इन आदतों को जल्द सुधारें

बारिश के मौसम में स्किन इन्फेक्शन का खतरा काफी बढ़ जाता है। साथ ही बारिश में भीगने के बाद कई लोगों को त्वचा संबंधी समस्याएं होने लगती हैं। ह्यूमिडिटी के कारण ऑयली स्किन से लेकर स्किन रैशेज तक कई समस्या होती हैं। कई लोगों को त्वचा में जलन और खुजली की भी परेशानी होती है। इन समस्या को नज़रंदाज़ करने पर समस्या काफी बढ़ सकती है। बारिश में बैक्टीरिया बढ़ने के कारण स्किन इन्फेक्शन काफी तेज़ी से फैलता है। अगर आप भी इस मौसम में खुजिल, जलन या स्किन इन्फेक्शन की समस्या से परेशान है तो आपको इन टिप्स को ज़रूर फॉलो करना चाहिए...

बॉडी को अच्छे से सुखाएं

बारिश में उमस काफी रहती है जिसके कारण नहाने या बारिश में भीगने के बाद हमारी बॉडी काफी लंबे समय तक गीली रहती है। स्किन इन्फेक्शन से बचने के लिए अपनी त्वचा को अच्छे से सुखाएं। स्किन में नमी के कारण बैक्टीरिया ज्यादा समय तक रहते हैं जिससे इन्फेक्शन का खतरा बढ़ता है। बारिश में भीगने के बाद आप अपनी त्वचा को अच्छे से सुखा लें।

भीगने के बाद हाथ-पैर धो लें

बारिश के पानी में कई तरह के बैक्टीरिया मौजूद होते हैं। साथ ही वातावरण के कारण भी इन्फेक्शन का खतरा काफी होता है। अगर आप बारिश में भीग गए हैं तो घर आकर नहाएं या हाथ-पैर धो लें। आप साबुन या डिटॉल के पानी से भी नहा सकते हैं। ऐसा करने से स्किन इन्फेक्शन का खतरा काफी कम हो जाएगा।

हलके सूती कपड़े पहनें

सर्दी और गर्मी के मौसम में हमे फैब्रिक की समझ रहती है लेकिन बारिश में हम किसी भी प्रकार के कपड़े पहनते हैं। बारिश में पॉलिएस्टर के कपड़ों के कारण स्किन इन्फेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। बारिश में हलके सूती कपड़े पहनने की कोशिश करें। साथ ही इस मौसम में ज्यादा टाइट कपड़े न पहनें।

सूखे अंडरगारमेंट्स पहने

बारिश में अंडरगारमेंट्स आसानी से सूखते नहीं है। साथ ही अंडरगारमेंट्स सूखने के बाद भी इनमें नमी रह जाती है. ऐसे में कई लोग गीले या नमी वाले अंडरगारमेंट्स पहन लेते हैं। गीलापन के कारण त्वचा में इन्फेक्शन, रैशेज और बैक्टीरिया का खतरा बढ़ जाता है। अंडरगारमेंट्स अगर गीले हैं तो आप हेयर ड्रायर या आयरन की मदद से सुखा सकते हैं।

टॉवल साफ़ रखें

स्किन इन्फेक्शन से बचने के लिए सबसे ज़रूरी टॉवल साफ़ करना है। टॉवल बारिश में आसानी से सूखती नहीं है जिसके कारण उसमें फंगस लगने की संभावना ज्यादा रहती है। इसलिए नियमित रूप से अपनी टॉवल को साफ़ करते रहें। गीली टॉवल के इस्तेमाल से बचें। धूप में टॉवल सुखाने की कोशिश करें।

एक इलायची रोज खा ली तो होंगे 3 फायदे

इलायची भारतीय रसोई में उपयोग में आने वाला एक महत्वपूर्ण मसाला है। यदि आपको सेहत के फायदे चाहिए तो आप इलायची का इस्तेमाल आपके भोजन का स्वाद बढ़ाने के साथ ही रोज खाने में भी करें, यानी कि 1 इलायची आप प्रतिदिन खाएं, आपको इलायची खाने बेहतरीन फायदे भी मिलेंगे।

- यदि आप एक इलायची का सेवन करते हैं तो आपके गले की खराश, गले की सूजन और बैठी हुई आवाज में लाभ होगा। इसके लिए आपको सुबह उठने के बाद एक छोटी इलायची चबा-चबाकर खाकर गुनगुना पानी पीना चाहिए।
- यदि आपके मुंह से दुर्गंध आती है तो इलायची चबाना एक अच्छा उपाय है। क्योंकि इलायची से जहां मुंह की बदबू दूर होगी। वहीं इसके अन्य कई फायदे भी आपको मिलेंगे।
- यदि आपको बार-बार मुंह में छाले होते हैं तो आप इलायची के पाउडर में पिसी मिश्री मिलाकर खाएं, लाभ होगा। इसके अलावा आपका जी मचलाना, खांसी, बदहजमी आदि में इसका फायदा होगा।

कंजक्टिवाइटिस आई फ्लू फैल रहा है तेजी से, जानें बचने के उपाय

कंजक्टिवाइटिस आंखों की एक बीमारी है, जिसे आंख आना या आंखों का गुलाबी होना कहा जाता है। इस रोग में आंखें सुर्ख लाल होकर सूज जाती है। उसमें पानी आने लगता है और खुजली होने लगती है। यह बीमारी एक वायरल रोग है, जो इंफेक्शन के कारण एक-दूसरे में आ जाती है। अत- जो भी व्यक्ति बार-बार आंख को रगड़ते हैं, उन्हें बैक्टीरियल इंफेक्शन हो जाता है और उसमें से पस जैसा डिस्चार्ज आने लगता है। साथ ही आंख आने वाले व्यक्ति की आंख में देखने से भी कंजंक्टिवाइटिस फैलता है। इस संक्रमण में आंखों में दर्द, जलन और आंखों में कुछ रेत की तरह चुभने का अहसास भी होता है।

कंजक्टिवाइटिस से बचने के उपाय

- कंजक्टिवाइटिस के दौरान साफ-सफाई का ध्यान रखें।
- आंखें आने पर बाहर धूप में निकलने पर आंखें दुखने लगती हैं अत- सनग्लासेज पहन कर ही घर से बाहर निकलें।
- दिनभर में कई बार साफ पानी से आंखों को धोएं।
- आई ड्रॉप्स को आंखों में डालने के पहले और दवाई डालने के बाद भी अपने हाथ धोएं।
- जिस व्यक्ति कंजक्टिवाइटिस का इंफेक्शन है, उससे दूरी बनाए रखें।
- यदि घर में किसी को आंखों का इंफेक्शन है, तो उसका तकिया, तौलिया आदि कोई भी चीजें किसी दूसरे के साथ शेयर न करें।
- यदि नेत्र रोग विशेषज्ञ आपको एंटिबायोटिक ड्रॉप या मलहम लगाने की सलाह देते हैं तो इस बात का ध्यान रखें कि दवा का नोजल आंखों तथा पलकों पर टच न हो, इससे भी दूसरी आंख में कंजक्टिवाइटिस इंफेक्शन फैलाने का खतरा बढ़ जाता है।
- कंजक्टिवाइटिस का संक्रमण हाथों के जरिए भी फैल सकता है। अत- घर के सदस्यों तथा स्कूली बच्चों को एक-दूसरे के नजदीक न आने दें।
- कंजक्टिवाइटिस रोग से ग्रसित व्यक्ति से हाथ न मिलाएं।
- अगर घर में किसी एक बच्चे को इंफेक्शन है तो घर या स्कूल के दूसरे बच्चों के उसके संपर्क में आने पर उन्हें भी यह हो जाता है।

बारिश में बच्चों को डायरिया से कैसे बचाएं?

बारिश का मौसम बहुत सुहाना होता है लेकिन ये सुहानी बारिश कई खतरनाक बीमारियों को भी लेकर आती है। बारिश में सर्दी, बुखार और जुखाम की समस्या आम होती है। लेकिन इसके साथ ही डायरिया का खतरा भी बारिश के मौसम में बढ़ जाता है। बारिश के पानी में जेर्म्स व बैक्टीरिया होने के कारण पेट की समस्या होने लगती है। कई बार बारिश के मौसम में बहार का न खाने पर भी पेट की समस्या हो जाती है। इस मौसम में इम्युनिटी कमजोर हो जाती है। ऐसे में बच्चों को भी बारिश के मौसम में सतर्क रहने की ज़रूरत है।

ऐसे बचाएं बच्चों को डायरिया से

- बच्चों को डायरिया से बचाने के लिए उन्हें घर में प्रवेश करते समय हाथ धोने को कहें।
- खाने से पहले भी उन्हें हाथ धोने या sanitize करने की लिए कहें।
- बच्चों को स्ट्रीट फूड का सेवन न करने दें। बारिश में स्ट्रीट फूड से डायरिया का खतरा बढ़ता है।
- बच्चों को जमे और गंदे पानी से न खेलने दें। इससे जेम्स का खतरा अधिक होता है।
- हमेशा बच्चों को RO या उबला हुआ पानी ही पिलाएं।
- डायरिया से बचने के लिए घर में सफाई रखें और मक्खी व कॉकरोच जैसे कीड़ों को न आने दें।

डायरिया से बचने के लिए इन चीज़ों का सेवन करें

- दही, छाछ, लस्सी पीने से दस्त की समस्या से राहत मिलती है। दही में गुड बैक्टीरिया होते हैं जो आंतों के लिए जरूरी हैं जिससे पेट में ऐंठन, मरोड़ दूर हो जाती है।
- डायरिया से बचने के लिए आप जीरे के पानी का सेवन करें। आप 1 से आधा चम्मच जीरा या जीरा पाउडर लें। इसके बाद इसे अच्छे से पानी में उबाल लें। इसको छान कर ठंडा होने बाद पी लें।
- केला, उबला आलू, अनार, अंगूर, संतरा आदि फल-सब्जी का सेवन करें। सादा खाना खाएं जैसे दलिया, खिचड़ी आदि खा सकते हैं।
- आप बच्चों को नारियल व नींबू पानी भी पिलाएं। नींबू पानी में विटामिन ध्होता हा जिससे बच्चों की इम्युनिटी बेहतर होगी।

अगर आपके बच्चे को डायरिया हो या उसके लक्षण दिखें तो तुरंत डॉक्टर से इलाज करवाएं। डॉक्टर की सलाह के बिना कोई भी दवाई न लें।

डायरिया के लक्षण

- पतला मल आना
- उल्टी होना
- शरीर में पानी की कमी होना
- पेट में सूजन व ऐंठन होना
- बार-बार बुखार आना
- मल के साथ खून आना
- भूख न लगना
- पेट में ऐंठन होना

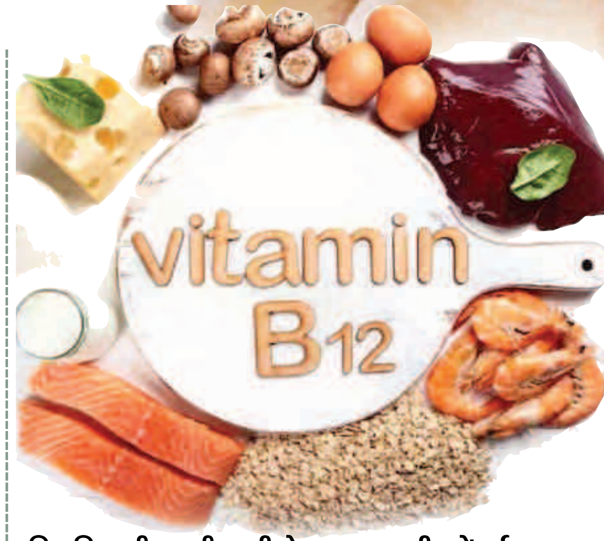

विटामिन बी 12 कम होने से क्या होता है?

विटामिन बी 12 की कमी से थकान, शरीर में दर्द, चक्कर आना, कमजोरी महसूस होती है। जी हां, यह सच है कि कभी-कभी नींद पूरी होने के बाद भी सुबह उठने पर यदि आपको थकान महसूस होती है और शारीरिक रूप से थका होने के कारण किसी भी कार्य में मन नहीं लगता है। ऐसा महसूस होता होता है कि जैसे चक्कर आ रहे हैं, बॉडी पेन, कमजोरी महसूस हो रही और किसी भी कार्य पर पूर्णरूप से ध्यान नहीं दे पा रहे हैं तो इस बीमारी की जड़ विटामिन बी 12 हो सकती है। जानते हैं विटामिन बी 12 कम होने पर क्या लक्षण नजर आते हैं।

- पूरे शरीर में दर्द महसूस होना
- दिनभर थकान लगना
- सिर दर्द होना
- वजन तेजी से गिरना
- भूख नहीं लगना
- बेहोशी जैसा लगना, बेहोशी महसूस होना, सिर घूमना
- दिल की धड़कन तेज होना
- किसी भी कार्य में मन न लगना
- कुछ भी काम करने का मन न करना
- एनीमिया से पीड़ित होना।

आदि लक्षण विटामिन बी 12 की कमी से हो सकते हैं। यदि आप भी कुछ ऐसा ही महसूस करते हैं तो इसके लिए आपको अपने दिनचर्या में डेयरी प्रोड्क्ट, पनीर, अंडा, चुकंदर, दही, ब्रोकली, ओट्स, मछली, मिट, चिकन आदि को अपने खान-पान में शामिल करना चाहिए।

पपीता खाने के हैरान करने वाले फायदे

पपीता एक ऐसा फल है, जिसे कच्चा और पका हुआ दोनों ही तरह से खाया जाता है। पपीता एक पौष्टिक और रसीला फल हैं, जिससे हमें कई विटामिन प्राप्त होते हैं। इसके नियमित उपयोग से शरीर में कभी विटामिन्स की कमी नहीं होती। वैसे तो पपीता अधिकतर लोगों को पसंद होता है और वे इसे खाना भी पसंद करते हैं।

लेकिन आपको बता दें कि डायबिटीज के रोगियों को प्रतिदिन पपीता खाने से बचना चाहिए या फिर डॉक्टर की सलाह के बाद ही इसे खाना उचित रहता है।

पपीता पेप्सिन प्राप्त करने का एकमात्र साधन है। इसमें पेप्सिन नामक तत्व पाया जाता है, जो बहुत ही पाचक होता है। यह खासकर उन स्थितियों में भोजन को पचाने में मदद करता है, जब आपका पाचन तंत्र भोजन को पचाने के लिए पर्याप्त मात्रा में एंजाइम का निर्माण नहीं करता है। अत- यह हमारे शरीर के लिए अतिलाभदायी होता है। यदि आप भी नियमित रूप से एक माह तक पपीते का सेवन करते हैं तो इसके आपको हैरान करने वाले फायदे मिलते हैं।

- पपीता खाने से त्वचा व नेत्र स्वस्थ रहते हैं।
- पपीता कब्ज और कफ के रोग में लाभदायी है।
- पपीता पेट एवं आंत संबंधी रोगों में बहुत लाभदायक है, क्योंकि पपीते का रस प्रोटीन को आसानी से पचाने मददगार माना गया है।
- बच्चों की वृद्धि और रोगों से बचाने के लिए उन्हें विटामिन ए की अधिक आवश्यकता रहती है, जो कि उन्हें पपीता से मिलती है।
- पपीता हृदय रोग, नाड़ियों तथा पेशियों की क्रिया ठीक रखने में सहायता करता है।
- पपीते का सेवन वात शमन करके अपावायु को शरीर से बाहर करता है।
- विटामिन ए पपीते में अधिक मात्रा में पाया जाता हैं, जो कि हमारी त्वचा एवं आंखों के लिए बहुत आवश्यक होता है। अत- यह त्वचा को स्वच्छ, स्वस्थ और इसकी ग्लोइंन बनाए रखने में लाभकारी है।
- पपीते में कैल्शियम अच्छी मात्रा में होने के कारण यह रक्त और तंतुओं के निर्माण सहायक है।
- पपीता गरिष्ठ पदार्थों या भोजन को आसानी से पचाता है।
- पपीता से हमें पाचक तत्व का एकमात्र प्राकृतिक स्रोत पेप्सिन तथा विटामिन ए, बी, सी, डी के अलावा आयरन, फॉस्फोरस, एंटीऑक्सीडेंट्स, पोटेशियम, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, कैल्शियम और कैरोटीन भी अच्छी मात्रा में मिलता है। अत- बार-बार सर्दी और खांसी से ग्रस्त व्यक्तियों के लिए पपीते का नियमित सेवन काफी लाभकारी होता है, क्योंकि इससे आपका इम्यून सिस्टम भी मजबूत होता है।

सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली ।

अंतराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी की कीमतें गिरी हैं। आज सोने और चांदी के वायदा भाव की तेज शुरुआत हुई इसके बाद भी इन दोनो कीमती धातुओं में कमजोरी आई है। कॉमेक्स पर सोना 4,465 डॉलर प्रति औंस के करीब, जबकि चांदी 65.60 डॉलर प्रति औंस के करीब कामकाज कर रहा है। वहीं घरेलू बजार में सोने के वायदा भाव 1,54,700 रुपये, जबकि चांदी के भाव 2,37,800 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। आज सोने के वायदा भाव की शुरुआत बढ़त के साथ हुई। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर अनुबंध 189 रुपये उछलकर 1,55,071 रुपये की कीमत पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 1,54,882 रुपये था। एक समय यह अनुबंध 170 रुपये नीचे आकर 1,54,712 रुपये पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 1,55,145 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,54,694 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। सोने के वायदा भाव इस साल 1,80,779 रुपये के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे जबकि चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी बढ़त के साथ हुई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर अनुबंध 165 रुपये की तेजी के साथ 2,38,000 रुपये पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 2,37,835 रुपये था। एक समय यह अनुबंध 1,010 रुपये टूटकर 2,36,825 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 2,38,000 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 2,37,300 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। दूसरी ओर चांदी के वायदा भाव इस साल 4,20,048 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने चांदी के वायदा भाव में कमजोरी रही। कॉमेक्स पर सोना 4,468.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। इसका पिछला बंद भाव प्राइस 4,467.50 डॉलर प्रति औंस था। सोने के भाव ने इस साल 5,586.20 डॉलर के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। वहीं कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 65.45 डॉलर के भाव पर खुले। इसका पिछला बंद भाव 65.70 डॉलर था।

एवोर ने अपनी नई इलेक्ट्रिक बाइक श्रृंखला पेश की

नईदिल्ली ।

गुजरात की वाहन निर्माता कंपनी एवोर ने अपनी नई इलेक्ट्रिक बाइक श्रृंखला पेश की है, जिसमें ईएक्स1, ईएक्स2 और ईएक्स2एस जैसे तीन मॉडल शामिल हैं। एवोर की इस श्रृंखला का सबसे खास मॉडल ईएक्स2एस है, जिसके बारे में कंपनी का दावा है कि यह एक बार चार्ज होने पर 260 किलोमीटर तक की प्रभावशाली दूरी तय कर सकती है। इसमें 5 किलोवाट-घंटे क्षमता वाली बड़ी बैटरी और 114 किलोमीटर प्रति घंटा की अधिकतम गति मिलती है। ईएक्स2एस में आधुनिक 7 इंच की स्पर्श स्क्रीन और पांच अलग-अलग चलाने के तरीके भी दिए गए हैं, जिसकी शुरुआती कीमत 1.70 लाख रुपये है। श्रृंखला के शुरुआती मॉडल ईएक्स1 में 3.24 किलोवाट-घंटे की बैटरी के साथ 160 किलोमीटर की दूरी और 100 किलोमीटर प्रति घंटा की अधिकतम गति मिलती है, जिसकी कीमत 1.23 लाख रुपये है। वहीं, ईएक्स2 मॉडल 5 किलोवाट-घंटे की बैटरी के साथ 255 किलोमीटर की दूरी और 100 किलोमीटर प्रति घंटा की अधिकतम गति प्रदान करता है, जिसकी कीमत 1.46 लाख रुपये है। एवोर की ये लंबी दूरी वाली इलेक्ट्रिक बाइक ओला और एथर जैसी स्थापित कंपनियों के लिए प्रतिस्पर्धा बढ़ा सकती हैं, जो मुख्य रूप से स्कूटर बाजार में मजबूत हैं। कंपनी का यह कदम उन ग्राहकों को आकर्षित कर सकता है जो स्कूटर के बजाय मोटरसाइकिल जैसा अनुभव और लंबी दूरी चाहते हैं। कंपनी ने इन बाइक्स की अग्रिम बुकिंग केवल 799 रुपये में शुरू कर दी है, जिससे ग्राहकों के लिए यह एक आकर्षक विकल्प बन सकती है।

शेयर बाजार सपाट बंद

सेंसेक्स 113 अंक उछला, निफ्टी 40 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को मिले-जुले रुख के साथ बंद हुआ। दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली होने से बाजार पर ये दबाव आया। इसके अलावा अमेरिका और ईरान के बीच समझौते को लेकर संशय से भी बाजार धारणा कमजोर हुई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 113.61 अंक बढ़कर 78,079.96 पर पहुंच गया, जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 40.10 अंक नीचे अकर 24,395.85 पर बंद हुआ। आज बीएसई पर 4545 शेयरों में बढ़त जबकि 2,198 शेयरों में गिरावट आई । वहीं 227 शेयरों में कोई बदलाव नहीं देखा गया । निफ्टी के प्रमुख शेयरों में टाटा कंज्यूमर, टाटा मोटर्स , एनटीपीसी और श्रीराम फाइनेंस सबसे अधिक बढ़त वाले शेयर रहे

जबकि हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, ग्रासिम और पावर ग्रिड के शेयर सबसे अधिक गिरे।

2027 में अपनी पहली इलेक्ट्रिक बाइक लॉन्च करेगी हीरो मोटोकार्प

नई दिल्ली ।

दो पहिया वाहन निर्माता हीरो मोटोकॉर्प कंपनी वर्ष 2027 में अपनी पहली इलेक्ट्रिक बाइक लॉन्च करेगी। कंपनी का ध्यान अभी तक मुख्य रूप से विडा इलेक्ट्रिक स्कूटर तक सीमित था, लेकिन अब वह इलेक्ट्रिक बाइक श्रेणी में प्रवेश कर रही है। हीरो मोटोकॉर्प कंपनी इसके लिए दो बिल्कुल नए बाइक-विशिष्ट प्लेटफॉर्म विकसित कर रही है, जिनके नाम यूबीईएक्स और वीएक्सजेड हैं। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि ये नए प्लेटफॉर्म मौजूदा विडा स्कूटर के ढांचे पर आधारित नहीं होंगे, बल्कि इन्हें विशेष रूप से बाइक की बेहतर सवारी, प्रदर्शन और चढ़ाई की क्षमता को ध्यान में रखकर तैयार किया जा रहा है। यूबीईएक्स प्लेटफॉर्म शहरी और स्पोर्टी बाइक के लिए होगा, जबकि वीएक्सजेड को ज्यादा दमदार और साहसिक यात्राओं के लिए विकसित किया जा रहा है। वीएक्सजेड परियोजना में हीरो मोटोकॉर्प अमेरिकी कंपनी ज़ीरो मोटरसाइकिल्स के साथ सहयोग कर रही है, जो इलेक्ट्रिक बाइक तकनीक में विशेषज्ञता रखती है।यह साझेदारी प्रदर्शन-केंद्रित इलेक्ट्रिक बाइक तैयार करने में मदद करेगी। कंपनी ने 2025 में ईआईसीएमए मोटरसाइकिल प्रदर्शनी में इन प्लेटफॉर्म्स के अवधारणा मॉडल भी प्रदर्शित किए थे।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें गिरीं

मुम्बई ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में मांग कम होने से गुरुवार को कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट दर्ज की गयी है। आज ब्रेंट में करीब 1.5 फीसदी और डब्ल्यूटी आई क्रूड में 1.6 फीसदी की कमी आई। अमेरिका और ईरान के बीच समझौते को लेकर अनिश्चितता से भी ऊर्जा आपूर्ति में बाधा की भी आशंका बनी हुई है जिससे भी इसकी कीमतों में तेजी रही। जानकारों के अनुसार अब तक हालात सामान्य नहीं होंगे कीमतें कम नहीं होंगी। अंतराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड वायदा 1.29 डॉलर करीब 5 फीसदी फिसलकर 87.69 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया जबकि अमेरिकी वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 1.30 डॉलर तकरीबन 1.6 फीसदी नीचे आकर 81.97 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।अंतराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) ने भी इस साल क्रूड की खपत में 16 लाख बैरल प्रतिदिन की कमी आने का अनुमान जताया है। गौरतलब है कि अमेरिका और इजरायल के ईरान के साथ युद्ध की वजह से उर्जा आपूर्ति प्रभावित हुई है जिससे इसकी कीमतें बढ़ी हैं। इससे मांग पर असर पड़ा है।दूसरी ओर अमेरिका में कच्चे तेल का स्टॉक बढ़ने से भी कीमतों पर दबाव पड़ा। अमेरिकी ऊर्जा सूचना प्रशासन के मुताबिक, एक्सपोर्ट घटने के कारण बीते हफ्ते कच्चे तेल के भंडार में जनवरी 2023 के बाद की सबसे बड़ी बढ़ोतरी दर्ज की गई। अमेरिकी कच्चा तेल भंडार 1.74 करोड़ बैरल बढ़कर 42.44 करोड़ बैरल हो गया। यह 5 जून के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। गौरतलब है कि खाड़ी क्षेत्र में हालात सामान्य बनाने के लिए अमेरिका और ईरान के बीच जारी बातचीत में कोई ठोस प्रगति नहीं होने से कच्चे तेल की कीमतें अब भी ऊंचे स्तर पर बनी हुई हैं।

भारत के तीन बड़े बिजनेस परिवारों का कारोबार 42 लाख करोड़ रुपए

रिलायंस के मुकेश अंबानी समेत केएम बिरला और जिंदल परिवार शामिल

नई दिल्ली, ।

भारत में अमीरों की तादाद बढ़ रही है और बिजनेस परिवारों का कारोबार लगातार विस्तार कर रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक जून 2026 तक भारत के तीन सबसे बड़े कारोबारी घरानों की कंबाइंड नेटवर्थ 42 ट्रिलियन या करीब 42 लाख करोड़ रुपए आंकी गई है। इनमें अरबपति मुकेश अंबानी, केएम बिरला और जिंदल परिवार शामिल है।

रिपोर्ट के मुताबिक रिलांयस चेयरमैन मुकेश अंबानी तीनों बिजनेस फैमिली की संयुक्त संपत्ति का ये आंकड़ा भारत में लिस्टेड बाजार पूंजीकरण के करीब 9फीसदी के बराबर है। रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले एक साल में इन टॉप-3 बिजनेस फैमिली की संपत्ति के मूल्य में 1.57 लाख करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई, जिसके चलते उनका संयुक्त मूल्यांकन 444 अरब डॉलर या 42 ट्रिलियन हो गया।

परिवारों की रैंकिंग में रिलायंस चेयरमैन मुकेश अंबानी की फैमिली 25.8 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ पहले नंबर पर हैं। इसके बाद दूसरे नंबर पर केएम बिरला परिवार है, जिनकी पारिवारिक संपत्ति 8.1 लाख करोड़ है। वहीं तीसरे नंबर पर 8 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ जिंदल फैमिली है। भारत में पारिवारिक स्वामित्व वाले व्यवसायों का दायरा टॉप तीन कंपनियों से कहीं ज्यादा बड़ा है। रिपोर्ट के मुताबिक टॉप-300 फैमिली बिजनेस का कंबाइंड वैल्यूएशन 138 ट्रिलियन रुपए आंका गया यानी करीब 1.46 ट्रिलियन डॉलर और ये आंकड़ा नीदरलैंड्स, स्विट्जरलैंड और पोलैंड समेत कई देशों की जीडीपी से भी ज्यादा है।

जून 2026 तक भारत के 10 सबसे मूल्यवान परिवारों की संयुक्त नेटवर्थ 70.5 लाख करोड़ रुपए रही, जो एक साल पहले 69 ट्रिलियन रुपए थी। इन टॉप-10 लिस्ट में शामिल होने की सीमा भी एक साल की अवधि में करीब 14फीसदी बढ़कर 2.5 लाख करोड़ हो गई, जो प्रमुख पारिवारिक व्यवसायों की वैल्यूएशन में तेज बढ़ोतरी को दर्शाता है। रिपोर्ट के मुताबिक वेदांता ग्रुप का संचालन करने वाले अरबपति अनिल अग्रवाल परिवार ने रैंकिंग में सबसे बड़ी छलांग लगाई है। साल भर में इसके वैल्यूएशन में 74.7फीसदी की बढ़ोतरी के बाद यह तीन स्थान ऊपर चढ़कर अब टॉप-10 लिस्ट में छठे पायदान पर पहुंच गया है।

रिपोर्ट में पहली पीढ़ी के कारोबारी परिवारों में टॉप पर अडानी ग्रुप के गौतम अडानी फैमिली का दबदबा रहा। अडानी परिवार का नेटवर्थ 19.57 लाख करोड़ रुपए आंकी गई। उनके बाद भारतीय एयरटेल के सुनील भारती मित्तल फैमिली 12.1 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ है।

पीक सीजन से पहले कंपनियां 15-20 फीसदी अस्थायी कर्मचारियों की करेंगी भर्ती

सबसे ज्यादा मांग वेयरहाउस पिकर्स, पैकर्स और डार्क स्टोर कर्मचारियों की रहेगी

नई दिल्ली, ।

त्योहारी सीजन में संगठित रिटेल, ई-कॉमर्स, क्विक कॉमर्स (क्यूकॉम), लॉजिस्टिक्स, एफएमसीजी और उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं वाली कंपनियों में अस्थायी कर्मचारियों की भर्ती 15-20 फीसदी तक बढ़ सकती है। टीमलीज सर्विसेज की फेस्टिव सीजन वर्कफोर्स रिपोर्ट 2026 के मुताबिक इस सीजन में सबसे ज्यादा मांग वेयरहाउस पिकर्स, पैकर्स और डार्क स्टोर कर्मचारियों की रहेगी। इसके बाद स्टोर में प्रमोटर और विशेषज्ञ, रिटेल एसोसिएट्स, कैशियर और स्टोर परिचालन से जुड़े कर्मचारियों की जरूरत होगी। इसके अलावा इन्वेंट्री और फुलफिलमेंट समन्वयक, वेयरहाउस ऑटोमेशन परिचालक और रिटर्न प्रबंधक अधिकारियों जैसे नए तरह के पदों की मांग भी बढ़ रही है।रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण और पश्चिम भारत में भर्ती की रफ्तार सबसे ज्यादा रहने की उम्मीद है।

बेंगलूरु, हैदराबाद, चेन्नई, मुंबई, पुणे और अहमदाबाद जैसे शहरों में कंपनियां बड़ी संख्या में कर्मचारियों की भर्ती कर सकती हैं। शहरों के स्तर पर भी बदलाव देखने को मिल रहा है। 2026 में अग्रिम पंक्ति के कुल कर्मचारियों में टीयर-1 शहरों की हिस्सेदारी 40.5 फीसदी रहने का अनुमान है, जो 2025 में 38.2 फीसदी थी। वहीं टीयर-2 शहरों की हिस्सेदारी 26.5 फीसदी और टीयर-3 शहरों की हिस्सेदारी 33 फीसदी रहने की उम्मीद है। पीक सीजन में कर्मचारियों को बनाए रखने के लिए कंपनियां उपस्थिति से जुड़े बोनस, बिक्री इवेंट के दौरान अतिरिक्त भुगतान, किसी की सिफारिश करने पर बोनस मिलने, प्रदर्शन के आधार पर इनाम और डिजिटल प्रशिक्षण जैसे कदम उठा रही हैं। टीमलीज के मुताबिक इस त्योहारी सीजन में ग्राहक सेवा, रिटेल और वेयरहाउस से जुड़ी भूमिकाओं के लिए कर्मचारियों की कोई बड़ी कमी नहीं है। अब सिर्फ कुछ दिनों की बिक्री को ध्यान में रखकर भर्ती नहीं कर रही हैं। स्वतंत्रता दिवस से लेकर दीवाली और साल के अंत तक चलने वाले लंबे सेल सीजन को देखते हुए वे ऐसी कार्यबल वाली टीम तैयार कर रही हैं जो लगातार काम कर सके।टीमलीज सर्विसेज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष ने कहा कि त्योहारी सीजन में भर्ती अब सिर्फ ज्यादा लोगों को रखने तक सीमित नहीं है। कंपनियां तेजी, काम की उत्पादकता और ग्राहक अनुभव पर भी ध्यान दे रही हैं।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया छह पैसे की गिरावट के साथ ही 95.39 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह रुपया सात पैसे की गिरवट के साथ ही 95.40 के स्तर पर खुला। ये गिरावट कच्चे तेल की कीमतों में आई तेजी से आई है। वहीं गत दिवस अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.40 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में यह फिसलकर 95.42 प्रति डॉलर पर आ गया वहीं रुपया बुध्वार को 95.33 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 फीसदी की बढ़त के साथ 99.87 पर रहा।

चंद्रशेखरन के पद छोड़ने के बाद टाटा चेयरमैन की दौड़ शुरु, नरेंद्रन का नाम चर्चा में

नई दिल्ली।

टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन के पद छोड़ने की घोषणा के साथ ही उनकी जगह लेने दौड़ शुरू हो गई है। शीर्ष पद की दौड़ में टाटा स्टील के टीवी नरेंद्रन का नाम उभरकर सामने आ रहा है। सूत्रों के मुताबिक इस पद के लिए टाटा कंपनियों के प्रमुखों, बोर्ड सदस्यों के साथ ही बाहरी उम्मीदवारों पर भी विचार किया जा सकता है। मामले की जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति ने कहा कि कंपनी के अंदर चर्चित दावेदारों में टीवी नरेंद्रन, टाटा संस के मुख्य वित्त अधिकारी सौरभ अग्रवाल और टाटा मोटर्स के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ शैलेश चंद्र शामिल हैं। टाटा संस में उत्तराधिकारी चुनना कोई आसान प्रक्रिया नहीं है। टाटा संस के आर्टिकल ऑफ एसोसिएशन के आर्टिकल 118 के मुताबिक चेयरमैन की नियुक्ति के लिए चयन समिति बनानी होती है। साइरस मिस्त्री की नियुक्ति के समय इसी प्रक्रिया का पालन किया गया था। इसी तरह मिस्त्री को हटाए जाने के बाद पांच सदस्यों वाली एक चयन समिति बनाई गई, जिसने बाद में एन चंद्रशेखरन के नाम पर मुहर लगाई। चंद्रा उस समय टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के प्रबंध निदेशक और सीईओ थे। मिस्त्री के मामले से अलग इस बार टाटा संस के पास उत्तराधिकारी की घोषणा करने के लिए सात महीने का समय है।

कानून के जानकारों का कहना है कि अगर चयन समिति किसी वजह से किसी नतीजे पर नहीं पहुंच पाती है तो जरूरी हालात को देखते हुए नोएल टाटा कंपनी के अंतरिम चेयरमैन बन सकते हैं। मिस्त्री को अचानक हटाए जाने के बाद 2016 में रतन टाटा ने टाटा संस के अंतरिम चेयरमैन का पद संभाला था। सुप्रीम कोर्ट में वकील एच पी रनिना ने कहा कि सबसे अहम बात तलाश या चयन समिति का गठन है। यह समिति व्यक्ति का नाम तय करेगी और फिर उसकी सिफारिश टाटा संस के बोर्ड से की जाएगी। वकीलों ने इस बात का भी उल्लेख किया कि चंद्रशेखरन ने इस्तीफा नहीं दिया है। उन्होंने कहा है कि वे फरवरी 2027 में दोबारा नियुक्ति के लिए उपलब्ध नहीं होंगे।

बैंक ऑफ अमेरिका जियो क्रेडिट में 49.9 फीसदी की हिस्सेदारी खरीदेगा

सब्सक्राइब होने पर बैंक का कुल निवेश 18,268 करोड़ रुपए तक होगा

नई दिल्ली, ।

जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (जेएफएसएल) और बैंक ऑफ अमेरिका ने जियो क्रेडिट लिमिटेड में संयुक्त उद्यम के लिए समझौता किया है। जिओ फाइनेंशियल सर्विसेज ने बताया कि बैंक ऑफ अमेरिका जियो क्रेडिट में 49.9 फीसदी तक हिस्सेदारी ले सकता है। इक्विटी शेयर और वारंट पूरी तरह सब्सक्राइब होने पर बैंक का कुल निवेश 18,268 करोड़ रुपए तक होगा। सौदे को नियामकीय और वैधानिक मंजूरियां मिलनी अभी शेष हैं। पहले चरण में बैंक ऑफ अमेरिका को जियो क्रेडिट में 26.5 फीसदी इक्विटी की हिस्सेदारी मिलेगी। वारंट के इस्तेमाल के बाद यह बढ़कर 49.9 फीसदी तक पहुंच सकती है। सौदे के बाद जियो क्रेडिट के बोर्ड में जेएफएसएल और बैंक ऑफ अमेरिका का समान प्रतिनिधित्व होगा, जबकि कंपनी की मौजूदा प्रबंधन टीम कारोबार को संभालती रहेगी।

रिपोर्ट के मुताबिक गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी जियो क्रेडिट का एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) महज दो साल में 30,667 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। कंपनी रिटेल, कमर्शियल और सप्लाई चेन फाइनेंस समेत कई ऋण उत्पादों पर काम करती है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने कहा कि विकसित भारत की यात्रा के लिए ऐसा वित्तीय तंत्र जरूरी है जो बड़े पैमाने, भरोसे और समावेश पर आधारित हो। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज और बैंक ऑफ अमेरिका की साझेदारी प्रौद्योगिकी और वैश्विक विशेषज्ञता के जरिये भारतीयों के लिए कर्ज को ज्यादा आसान, पारदर्शी और सुलभ बनाने की दिशा में अहम कदम है।

बैंक ऑफ अमेरिका के चेयर और मुख्य कार्यकारी अधिकारी ब्रायन मोयनिहान ने कहा कि भारत दुनिया के सबसे अहम बढ़ते बाजारों में से एक है और यह निवेश उसके भविष्य में हमारे भरोसे को दर्शाता है।

एफडीए ने डोमिनोज के चार आउटलेट्स फूड बिजनेस के लाइसेंस किए निलंबित

पीने के पानी, खाने के स्टोरेज, पेस्ट कंट्रोल और साफ-सफाई में कमियां मिलीं

मुंबई, ।

महाराष्ट्र में फूड सेफ्टी और साफ-सफाई के नियमों के उल्लंघन के मामले में राज्य के एफडीए ने डोमिनोज पिज्जा के चार आउटलेट्स के फूड बिजनेस लाइसेंस निलंबित कर दिए हैं। इनमें तीन आउटलेट मुंबई और एक सतारा जिले में है। महाराष्ट्र एफडीए के प्रमुख एआईएस अधिकारी तुकाराम मुंडे ने बताया कि यह कार्रवाई राज्य में चेन रेस्टोरेंट्स के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई है। एफडीए की टीमों ने अलग-अलग आउटलेट्स का निरीक्षण कर वहां खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता से जुड़े नियमों की जांच की।एफडीए ने बताया कि चेन रेस्टोरेंट के खिलाफ स्पेशल ड्राइव के दौरान विले पार्ले वेस्ट, बोरीवली वेस्ट और घाटकोपर वेस्ट के आर-सिटी मॉल में जुबिलेंट फूडवर्क्स लिमिटेड के डोमिनोज पिज्जा आउटलेट्स के खिलाफ यह कार्रवाई की गई। एफडीए ने कहा कि विले पार्ले के डोमिनोज पिज्जा आउटलेट में एफएसएसएआई लाइसेंस दिखाने, पीने के पानी, खाने के स्टोरेज, पेस्ट कंट्रोल और साफ-सफाई की सुविधाओं से जुड़ी कमियां पाई गईं। साथ ही, उन्हें फ्रोजन फूड के तापमान की सही निगरानी, खाने और खाने-पीने की चीज़ों के अलावा दूसरी चीजो को अलग-अलग रखने, चूहों और कीड़ों से बचाव और हाथ धोने व साफ-सफाई की उचित सुविधाएं सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।एफडीए ने कहा कि बोरीवली आउटलेट में 15 फीसदी नियमों का पालन नहीं हो रहा था।

पेटीएम के शीर्ष अधिकारियों को सेबी का नोटिस, कंपनी के शेयरों में 20 फीसदी गिरावट

नई दिल्ली।

डिजिटल पेमेंट कंपनी पेटीएम के शीर्ष अधिकारियों को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की ओर से नोटिस मिला है। यह नोटिस दिसंबर 2023 में छोटे पर्सनल लोन को लेकर कंपनी की घोषणा के समय से जुड़ा है। कंपनी ने बुधवार देर रात इसकी जानकारी दी। पेटीएम के सीईओ विजय शेखर शर्मा और सीएफओ मधुर देवड़ा समेत कंपनी के कुछ प्रमुख अधिकारियों को मंगलवार को सेबी का शो-कॉज नोटिस मिला। अधिकारियों को नोटिस का जवाब देने के लिए 14 दिन का समय दिया गया है।

पेटीएम ने 6 दिसंबर 2023 को बताया था कि वह 50,000 से कम के पर्सनल लोन देने की संख्या कम करेगी। यह फैसला भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से पर्सनल लोन से जुड़े नियमों को सख्त किए जाने के बाद लिया गया था। आरबीआई ने इससे करीब तीन सप्ताह पहले बैंकों और वित्तीय संस्थानों के लिए छोटे और असुरक्षित पर्सनल लोन पर पूंजी संबंधी जरूरतें बढ़ाई थीं। इसका उद्देश्य तेजी से बढ़ रहे छोटे कर्ज से जुड़े जोखिम को नियंत्रित करना था।

पेटीएम की घोषणा के अगले कारोबारी दिन कंपनी के शेयर में करीब 20 फीसदी की गिरावट आई थी। हालांकि कंपनी के मुताबिक घोषणा से पहले के आठ कारोबारी दिनों में भी पेटीएम के शेयर करीब 12 फीसदी गिर चुके थे। सेबी का नोटिस मुख्य रूप से इस बात से जुड़ा है कि पेटीएम ने छोटे पर्सनल लोन कम करने की जानकारी बाजार को किस समय दी थी। नियामक इस मामले में कंपनी और उसके अधिकारियों से उनका पक्ष जानना चाहता है। शो-कॉज नोटिस का मतलब यह है कि सेबी ने संबंधित पक्षों से जवाब मांगा है। यह अपने आप में किसी गलती या नियम उल्लंघन का अंतिम निष्कर्ष नहीं है। अगर जांच में नियमों का उल्लंघन साबित होता है, तो संबंधित लोगों या संस्थाओं पर जुर्माना या अन्य नियामकीय कार्रवाई हो सकती है।

नया वर्ल्ड रिकॉर्ड

मिचेल स्टार्क बने टेस्ट इतिहास के नंबर 1 लेफ्ट-आर्म बॉलर

नई दिल्ली। मिचेल स्टार्क ने एक नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया है। ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच टेस्ट सीरीज का आगाज हो चुका है। इसके पहले दिन ऑस्ट्रेलियाई टीम केवल 198 रन पर ही आउट हो गई, इसके बाद जब बांग्लादेश की बल्लेबाजी शुरू हुई तो मिचेल स्टार्क ने ही पहला विकेट लिया। इस विकेट को लेने के साथ ही मिचेल स्टार्क टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले बाएं हाथ के गेंदबाज बन गए। मजे की बात ये है कि उन्होंने ये कीर्तिमान इंटरनेशनल लेफ्ट हैंडर्स डे पर बनाया है।

बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए पहले दिन पैट कमिंस ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी, लेकिन टीब्रेक के कुछ ही देर बाद पूरी टीम केवल 198 रन बनाकर आउट हो गई। स्टीव स्मिथ ने अर्धशतकीय पारी खेली, लेकिन बाकी किसी भी बल्लेबाज का उन्हें साथ नहीं मिला। यही कारण रहा कि ऑस्ट्रेलियाई टीम पहली बार बांग्लादेश के खिलाफ 200 से कम के स्कोर पर आउट हो गई।

इसके बाद बांग्लादेश की टीम बल्लेबाजी के लिए मैदान पर उतरी। उनके सलामी बल्लेबाज सादमान इस्लाम और तंजीद हसन तमीम ने टीम को सधी हुई शुरुआत देने की कोशिश की, लेकिन पारी के नौवें ओवर में मिचल स्टार्क ने दूसरी ही बॉल पर सादमान इस्माल को आउट कर दिया। उनका कैच नाथन लॉयन ने लपका। वे 30 बॉल पर 20 रन बना सके। इसमें दो चौके शामिल रहे। इस विकेट के साथ ही मिचेल स्टार्क ने टेस्ट क्रिकेट में अपने 434 विकेट पूरे कर लिए।

अवैध खनन मामला

फिफ्टी जड़ स्टीव स्मिथ पहुंचे लारा और स्टीव वॉ के बराबर

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया की धरती पर बांग्लादेश की टीम टेस्ट मैच खेल रही है। दोनों टीमों के बीच डार्विन में 2 मैचों की टेस्ट सीरीज का 13 अगस्त से आगाज हो चुका है। पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया है। पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम का आगाज बेहद खराब रहा।

दरअसल, 38वें ओवर में तैजुल इस्लाम गेंदबाजी करने आए। स्मिथ ने तैजुल का छक्के से स्वागत किया। इस छक्के की मदद से स्मिथ का निजी स्कोर 42 रन पहुंच गया। इसके साथ ही स्टार ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में महान एलन बॉर्डर को पछाड़ दिया। स्मिथ अब इंटरनेशनल क्रिकेट में चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बन गए हैं। वहीं, एलन बॉर्डर 5वें पायदान पर खिसक गए हैं। स्मिथ से आगे अब रिकी पोंटिंग, डेविड वॉर्नर और स्टीव वॉ हैं। बता दें, स्टीव स्मिथ के नाम इंटरनेशनल क्रिकेट में 361 मैचों की 430 पारियों में 17700+ रन हो गए हैं। इसमें 49 शतक और 85 अर्धशतक शामिल हैं। डार्विन में खेले जा रहे पहले टेस्ट से पहले स्टीव स्मिथ के खाते 17656 इंटरनेशनल रन दर्ज थे। उन्हें एलन बॉर्डर को पछाड़ने के लिए सिर्फ 42 रनों की दरकार थी। डार्विन टेस्ट के पहले दिन जब स्मिथ 2 रन के निजी स्कोर पर थे, तो आउट होने से बाल-बाल बचे। उनका कैच ड्रॉप हुआ। इसके बाद स्मिथ ने लगातार रन बनाते हुए न केवल एलन बॉर्डर को पछाड़ा, बल्कि मुश्किल में घिरी ऑस्ट्रेलियाई पारी के दौरान शानदार अर्धशतक भी जड़ा। स्मिथ के टेस्ट करियर का यह 45वां अर्धशतक है।

संक्षिप्त समाचार

सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में ईशान किशन टॉप पर

नई दिल्ली। टेस्ट, वनडे और टी20 इंटरनेशनल जोड़कर साल 2026 में सबसे ज्यादा इंटरनेशनल रन बनाने वाले भारतीय खिलाड़ियों की बात करें तो इशान किशन टॉप पर काबिज हैं। जबकि भारतीय टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान शुभमन गिल इस लिस्ट में दूसरे स्थान पर हैं। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने भी मात्र 6 टी20 इंटरनेशनल खेलकर ही टॉप 15 की इस लिस्ट में जगह बना ली है।

दिग्गज रोहित शर्मा और विराट कोहली भी इस लिस्ट का हिस्सा हैं। रोहित ने इस साल 9 वनडे इंटरनेशनल खेले हैं तो विराट ने 6 एकदिवसीय मुकाबलों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। इतना ही नहीं संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा भी इस लिस्ट में मौजूद हैं। सैमसन ने इस साल भारत के लिए 14 मुकाबलों में 400 रन बनाए हैं। जबकि अभिषेक के नाम 23 पारियों में 514 रन दर्ज हैं। भारतीय वनडे टीम के उपकप्तान और टी20 के कप्तान श्रेयस अय्यर इस लिस्ट में तीसरे स्थान पर हैं, जबकि अभिषेक शर्मा चौथे पर हैं। इशान और गिल के अलावा अय्यर और अभिषेक ही ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने इस साल अब तक 500 रनों का आंकड़ा पार किया है। खास बात यह है कि पांचवें स्थान पर शिवम दुबे इस लिस्ट में मौजूद हैं।

संविधान में संशोधन के साथ 10 दिसंबर तक होंगे आईओए चुनाव; ओलंपिक की मेजबानी को रखा गया ध्यान में

देश में खेलों को चलाने वाली शीर्ष संस्था भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) में चुनावी गहमा-गहमी शुरू हो गई है। भारत की 2036 के ओलंपिक की बोली में कोई अड़चन नहीं आए, इसके लिए आईओए के चुनाव इस वर्ष 10 दिसंबर तक कराने की तैयारी कर ली गई है। चुनाव के लिए राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक के अनुसार संविधान में संशोधन कराना जरूरी है। आईओए ने इसके लिए 19 अगस्त को आपातकालीन कार्यकारिणी की बैठक बुलाई है जिसमें आईओए के संविधान में संशोधन किया जाएगा, साथ ही संस्था के चुनाव 10 दिसंबर या उससे पहले कराने की घोषणा की जाएगी। बैठक में चुनाव के लिए रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) का भी चयन कर लिया जाएगा। आरओ की ओर से आईओए की चुनावी प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

आईओसी को नहीं होने देना है नाराज

खेल मंत्रालय की ओर से 2036 के ओलंपिक की मेजबानी के लिए अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के समक्ष बोली लगाई जा चुकी है। मेजबानी की आगे की प्रक्रिया में आईओए की भूमिका काफी अहम रहने वाली है। ऐसे में आईओए के चुनाव में देरी आईओसी को नाराज कर सकती है। यही कारण है कि खेल मंत्रालय यह बिल्कुल नहीं चाहता है कि आईओए के चुनाव में देरी हो। हालांकि सूत्र बताते हैं कि आईओए सदस्य चुनाव 10 दिसंबर के बाद चाहते हैं, लेकिन आईओए सीईओ रघुराम अय्यर ने 19 अगस्त को आपातकालीन बैठक का नोटिस निकाल दिया है।

सरकार का समर्थन आएगा काम

बैठक का नोटिस निकलते ही आईओए में चुनावी हलचल शुरू हो गई है। देखने वाली बात यह होगी अध्यक्ष पीटी उषा को चुनौती देने के लिए कौन सामने आता है। 2022 में अध्यक्ष बनीं उषा को अपनी कार्यकारिणी से समर्थन नहीं मिला है। सूत्र यह भी बताते हैं कि इस बार भी जिसे सरकार का समर्थन हासिल होगा वही अगला आईओए अध्यक्ष होगा। हालांकि आईओए चुनाव से पहले एथलीट कमीशन और योग्य खिलाड़ियों (एसओएम) का फिर से गठन करना होगा।

पैमाना प्रदर्शन होना चाहिए, उम्र नहीं

क्या उम्र के कारण रोहित-विराट को विश्वकप से बाहर कर देना चाहिए? हरभजन ने मेसी का दिया उदाहरण

नई दिल्ली, एजेंसी। रोहित शर्मा और विराट कोहली के वनडे भविष्य को लेकर बहस लगातार जारी है। दोनों की उम्र 30 के पार हो चुकी है और 2027 वनडे विश्व कप के समय रोहित 40 तथा कोहली 39 वर्ष के होंगे। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या दोनों दिग्गज दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में होने वाले विश्व कप में खेलेंगे। पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह ने इस बहस में उम्र के बजाय प्रदर्शन को पैमाना बनाने की बात कही है। हरभजन ने मीडिया को दिए इंटरव्यू में कहा, 'जो भी खिलाड़ी हो, मेरा मानना है कि पैमाना प्रदर्शन होना चाहिए, उम्र नहीं। अगर रोहित और विराट रन बना रहे हैं तो हमें उनकी उम्र क्यों देखनी चाहिए?' उन्होंने कहा कि विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में रोहित और कोहली पर युवा खिलाड़ियों की तुलना में कहीं ज्यादा उम्मीदों का दबाव होगा। हालांकि, दोनों ने जिस तरह का आत्मविश्वास और दृढ़ता दिखाई है, उसके आधार पर हरभजन को भरोसा है कि वे अभी भी बड़ा प्रभाव डाल सकते हैं।हरभजन ने रोहित और कोहली के समर्थन में फुटबॉल सुपरस्टार लियोनल मेसी का उदाहरण दिया। उनका कहना है कि अगर 39 साल की उम्र में मेसी विश्व कप जैसे बड़े मंच पर अपनी टीम को आगे ले जा सकते हैं तो रोहित और कोहली के लिए भी ऐसा करना संभव है। हरभजन ने कहा, 'अगर लियोनल मेसी ऐसा कर सकते हैं तो विराट कोहली और रोहित शर्मा क्यों नहीं कर सकते?' उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों के लिए उम्र से ज्यादा उनकी फिटनेस, प्रदर्शन और टीम को योगदान देने की क्षमता मायने रखती है। यदि दोनों दिग्गज विश्व कप तक खुद को फिट रखते हैं और टीम के लिए रन बनाते हैं, तो उन्हें उम्र के आधार पर बाहर करने का कोई मतलब नहीं है।

वैभव को बताया 'यूनीक' खिलाड़ी

हरभजन ने युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि इतनी कम उम्र में दुनिया के शीर्ष गेंदबाजों के खिलाफ जिस तरह वैभव आक्रामक क्रिकेट खेल रहे हैं, वह उन्होंने पहले नहीं देखा। उन्होंने कहा, 'वैभव सूर्यवंशी कमाल के खिलाड़ी हैं। वह एक अलग तरह के और बेहद अनोखे खिलाड़ी हैं। मैंने इससे पहले ऐसा खिलाड़ी नहीं देखा, जो 14-15 साल की उम्र में दुनिया पर इस तरह हावी हो सके। जब दुनिया के शीर्ष गेंदबाज उन्हें गेंदबाजी कर रहे होते हैं तो वे वास्तव में यह सोच रहे होते हैं कि उन्हें गेंद कहां डालनी है। यह अपने आप में बहुत बड़ी बात है।'हरभजन ने कहा कि वैभव की उम्र को देखकर उन्हें सामान्य युवा खिलाड़ी नहीं समझना चाहिए। उन्होंने कहा, 'वैभव यह संदेश दे रहे हैं कि 15 साल का बच्चा भी ऐसा कर सकता है। उसे बच्चा मत समझिए। एक बच्चा वह कर सकता है जो बड़े लोग नहीं कर सकते।'

शुभमन गिल की कप्तानी से प्रभावित

हरभजन ने भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल की भी तारीफ की। उन्होंने इंग्लैंड दौरे में गिल की कप्तानी और बल्लेबाजी को उनकी नेतृत्व क्षमता का उदाहरण बताया। उन्होंने कहा, 'उनकी कप्तानी की असली मजबूती इंग्लैंड में दिखाई दी। वह सिर्फ एक छोटा उदाहरण था कि वह क्या कर सकते हैं। एक लीडर, कप्तान और बल्लेबाज के तौर पर उन्होंने इंग्लैंड में किसी भी अन्य खिलाड़ी से ज्यादा रन बनाए। जिस तरह उनकी टीम ने वहां जीत हासिल की और टीम की मानसिकता जैसी थी, उसी वजह से मैं उन्हें बहुत ऊंचा आंकता हूं।'हरभजन ने मोहम्मद सिराज की गेंदबाजी और पूरी टीम के रवैये की भी तारीफ की। उन्होंने गिल को शानदार क्रिकेट दिमाग वाला खिलाड़ी और अच्छा इंसान बताया। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि उनके पास बहुत अच्छा क्रिकेट दिमाग है। वह एक शीर्ष क्रिकेटर हैं और इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि वह एक अच्छे इंसान हैं।'

अटल ने 143 तो जादरान ने खेली 107 रन की पारी

नई दिल्ली। अफगानिस्तान ने 5 मैचों की वनडे सीरीज के चौथे मुकाबले में आयरलैंड के खिलाफ 50 ओवर में 9 विकेट पर 343 रन बनाए और आयरैलैंड को जीत के लिए 344 रन का लक्ष्य दिया। अफगानिस्तान को इस बड़े स्कोर तक पहुंचाने में सेदीकुल्लाह अटल और इब्राहिम जादरान की शतकीय पारी का बड़ा योगदान रहा। इस मैच में आयरलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था।

अटल ने खेली 143 रन की पारी तो जादरान ने बनाए 107 रन- इस मैच में अफगानिस्तान के लिए पारी की शुरुआत करने रहमानुल्लाह गुरबाज के साथ इब्राहिम जादरान आए थे, लेकिन गुरबाज का बल्ला नहीं चला और वो 10 गेंदों पर 12 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद तीसरे नंबर पर खेलने के लिए सेदीकुल्लाह अटल क्रीज पर आए और फिर जादरान और अटल ने मिलकर दूसरे विकेट के लिए 220 गेंदों पर 231 रन की शानदार साझेदारी कर डाली व टीम को बेहद मजबूत स्थिति में ला दिया। जादरान और अटल के बीच ये साझेदारी तब टूटी जब जादरान 107 रन बनाकर आउट हो गए।

पिता को खोने के चार दिन बाद फुटबॉल के मैदान पर लौटे मेसी

मियामी। पिता के निधन के बाद अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर लियोनल मेसी मैदान पर वापसी कर चुके हैं। मेसी के लिए बुधवार की रात सिर्फ एक फुटबॉल मैच नहीं, बल्कि भावनाओं से भरी वापसी थी। अपने पिता जॉर्ज मेसी के निधन के महज चार दिन बाद अर्जेंटीना के दिग्गज खिलाड़ी ने एक बार फिर फुटबॉल के मैदान पर कदम रखा। इंटर मियामी की ओर से लीग्स कप के अहम मुकाबले में मेसी लियोन के खिलाफ खेलने उतरे।

जॉर्ज मेसी का आठ अगस्त को अर्जेंटीना के रोसारियो में 68 वर्ष की उम्र में निधन हुआ था। उनके निधन के बाद मेसी अपने गृहनगर गए और अंतिम संस्कार में शामिल हुए। इंटर मियामी ने भी अपने कप्तान को इस मुश्किल समय में फुटबॉल से दूर रहने का समय दिया था। ऐसे में माना जा रहा था कि मेसी की वापसी में कुछ और वक्त लग सकता है, लेकिन उन्होंने बुधवार को अचानक मैदान पर लौटकर सभी को भावुक कर दिया।

पहले बेंच पर बैठे, दूसरे हाफ में उतरे

लियोन के खिलाफ मुकाबले के लिए मेसी को शुरुआती प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं मिली। वह सब्स्टिट्यूट खिलाड़ियों की सूची में शामिल थे। हालांकि, मैच के दूसरे हाफ की शुरुआत में ही उन्हें मैदान पर उतार दिया गया। मेसी की वापसी ऐसे समय हुई जब इंटर मियामी के लिए मुकाबला बेहद महत्वपूर्ण था। टीम अपने पिछले लीग्स कप मैच में मेसी की गैरमौजूदगी में मॉन्टेरे के खिलाफ 1-2 से हार गई थी। इसके बाद लियोन के खिलाफ जीत उसके लिए जरूरी थी। मेसी के मैदान पर आने से टीम को उम्मीद जगी, लेकिन उनका लौटना भी इंटर मियामी को हार से नहीं बचा सका। लियोन ने मुकाबला 3-2 से अपने नाम कर लिया।

पिता की याद में लिखी थी भावुक पोस्ट

मेसी की मैदान पर वापसी इसलिए भी खास रही क्योंकि पिता के निधन के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर बेहद भावुक संदेश साझा किया था। उन्होंने जॉर्ज को सिर्फ अपना पिता ही नहीं, बल्कि दोस्त और प्रतिनिधि बताया था। जॉर्ज मेसी ने बचपन से ही उनके करियर को संभाला और लंबे समय तक उनके एजेंट भी रहे। मेसी ने अपनी भावुक पोस्ट में लिखा था, 'पापा, मुझे अभी भी यकीन नहीं हो रहा कि आप चले गए हैं। यह बात मेरे दिल में उतरी नहीं है, या यूं कहूं कि मैं इसे स्वीकार नहीं करना चाहता। यह सोचना बहुत मुश्किल है कि अब मैं आपको दोबारा नहीं देखूंगा और हम बात नहीं करेंगे।' उन्होंने यह भी बताया था कि उनके पिता चाहते थे कि वह 2026 विश्व कप में खेलें। मेसी ने लिखा कि टूर्नामेंट शुरू होने से कुछ दिन पहले जॉर्ज की हालत बिगड़ गई थी, लेकिन उन्हें उम्मीद थी कि उनके पिता ठीक होकर विश्व कप के फाइनल में उन्हें खेलते हुए देखने पहुंच पाएंगे।

डूरंड कप: मोहम्मडन एससी को हराकर इंडियन आर्मी क्वार्टर फाइनल में, शफील पीपी का निर्णायक गोल

कोलकाता। इंडियन आर्मी फुटबॉल टीम ने 135वें डूरंड कप के ग्रुप बी के आखिरी मुकाबले में मोहम्मडन एससी को 2-1 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की कर ली। किशोर भारती क्रीड़ांगन में खेले गए मुकाबले में सेना की टीम ने पिछड़ने के बाद शानदार वापसी की। 90वें मिनट के बाद शफील पीपी के निर्णायक गोल ने उसे रोमांचक जीत दिलाई। मोहम्मडन ने 34वें मिनट में ललथांकिमा के शानदार गोल से बढ़त बनाई। बाएं छोर से गेंद लेकर अंदर आए ललथांकिमा ने बेहतरीन अंदाज में दाएं पैर से शॉट लगाकर गेंद को गोल के ऊपरी बाएं कोने में पहुंचाया। मध्यांतर तक मोहम्मडन 1-0 से आगे रहा।

दूसरे हाफ में इंडियन आर्मी ने आक्रामक रुख अपनाया। 59वें मिनट में पी. क्रिस्टोफर कामेई के दूर से लगाए तेज शॉट ने मोहम्मडन के डिफेंडर पुखरामबम दिनेश मेइतेई से लगकर दिशा बदली, गेंद पोस्ट से टकराई और गोल में चली गई। इससे सेना की टीम 1-1 से बराबरी पर पहुंच गई। इसके बाद दोनों टीमों ने जीत के लिए जोर लगाया। 81वें मिनट में मोहम्मडन के महाराबम मैक्सियन के पास बढ़त लेने का मौका आया, लेकिन सेना के गोलकीपर और कप्तान भाबिंद्र मल्ला ठाकुरी ने आगे बढ़कर खतरा टाल दिया।इंजरी टाइम के पहले मिनट में शफील पीपी ने दूर से जोरदार शॉट लगाया। गेंद हल्की सी दिशा बदलते हुए गोल में चली गई और इंडियन आर्मी ने 2-1 की बढ़त बना ली। इसके बाद मोहम्मडन बराबरी नहीं कर सका। इस जीत के साथ इंडियन आर्मी ने ग्रुप बी में तीन मैचों से नौ अंक लेकर शीर्ष स्थान हासिल किया।

स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ भारत का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा: कपिल

नई दिल्ली। भारतीय खिलाड़ियों के लगातार चोटिल होने से कुछ सवाल खड़े हुए हैं। शनिवार से शुरू होने वाली श्रीलंका के खिलाफ सीरीज में भारत को अपने नियमित खिलाड़ी जसप्रीत बुमराह, साई सुदर्शन और वॉशिंगटन सुंदर की कमी खलेगी। जसप्रीत बुमराह और साई सुदर्शन दोनों को टीम में शामिल किया गया था, लेकिन बाद में उन्हें इस अहम दो-टेस्ट मैचों की सीरीज से हटा दिया गया।

हालांकि, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने बताया था कि उनका खेलना उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगा, लेकिन उनके लंबे समय तक बाहर रहने से यह सवाल उठने लगे हैं कि क्या सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में सही प्रोटोकॉल का पालन किया जा रहा है।

पहले जेआईटीओ प्रीमियर लीग के लॉन्च इवेंट में कपिल देव ने कहा, घरेलू क्रिकेट खेलना बहुत जरूरी है। इंसान को अपने शरीर के बारे में पता होना चाहिए। आजकल बहुत ज्यादा टी20 क्रिकेट हो रहा है, इसलिए आपको इस बात का ध्यान रखना होगा कि इसका शरीर पर क्या असर पड़ता है।

कपिल देव ने कहा, ''असल में, हमारा शरीर तेज गेंदबाज बनने के लिए नहीं बना है। हमारा शरीर ज्यादातर बल्लेबाज बनने के लिए बना है। बीसीसीआई को इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि एक तेज गेंदबाज पर कितना वर्कलोड डाला जा सकता है।''जसप्रीत बुमराह और साई सुदर्शन के अलावा ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी को लेकर भी चिंताएं बढ़ रही हैं। नितीश कुमार रेड्डी लगातार चोटों से जूझ रहे हैं। आईपीएल के दौरान उन्हें क्वाड्रिसेप्स की चोट लग गई। हालिया समय में घरेलू मैदानों पर न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका के हाथों बुरी तरह हारने के बाद स्पिन के खिलाफ भारत के खेल पर सवाल उठ रहे हैं।

कपिल देव ने कहा, ''भारतीय टीमों को स्पिन के खिलाफ संघर्ष इसलिए करना पड़ता है, क्योंकि शीर्ष खिलाड़ी पर्याप्त घरेलू क्रिकेट नहीं खेलते हैं। यहीं पर बीसीसीआई को सख्ती दिखानी चाहिए और सभी के लिए मल्टी-डे मैच खेलना अनिवार्य करना चाहिए। इसका एक और पहलू यह है कि युवा पीढ़ी को शीर्ष खिलाड़ियों से सीखने का मौका मिलेगा।''कपिल देव ने कहा, ''हाल के समय में स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ भारत का प्रदर्शन बहुत अच्छा नहीं रहा है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ) — अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-2-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो) — महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। रूकावटें आएंगी। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-2-6-8

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा) — परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शुभांक-1-4-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) — सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। राजकीय कार्यों से लाभ। शुभांक-2-4-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) — अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। साक्षात्कार के लिए दिन शुभ रहेगा। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। निकटजनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। बुरी संगति से बचें। सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। शुभांक-5-7-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते) — पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। शांतिपूर्वक कार्य करें। धार्मिक यात्रा का योग हैं। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू) — दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) — संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-4-5-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी) — मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रहें। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। शुभांक-4-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा) — स्वास्थ्य में ताजगी बनी रहने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-3-5-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची) — सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-3-6-8

काकुरो पहेली - 3978

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 3977 का हल

लॉफिंग ज़ोन

चिंकी (सोनू से)– तुम्हें पता है, मेरा भतीजा इतना खराब है कि दिन में कम से कम सात-आठ बार कपड़े बदल ही लेता है।

सोनू परेशान होकर– ऐसा क्यों? क्या उसे कपड़े बदलने की बीमारी हो है?

चिंकी– नहीं नहीं....! अरे पगली! अभी तो वह छः माह का ही है।

शादी की पच्चीसवीं सालगिरह पर पार्टी में आए मेहमानों ने जब नरेश से पूछा कि– बताओ नरेश! आपके हिसाब से सफल वैवाहिक जीवन का राज क्या है?

नरेश बोला– यह वैवाहिक जीवन तभी सफल साबित हो सकता है जब पत्नी बहरी और पति पूरी तरह अंधा बनकर जीवन बिताएँ।

पेशी के दौरान वकील महिला से बोला– जब तुम उस अपराधी से मिलने गई थी और उसने तुमसे जो कहा था, वो अदालत में जज साहब से कह दो।

महिला– नहीं...! मैं वो बात किसी भले आदमी के सामने नहीं कह सकती।

वकील बोला– तो ठीक है! जाकर जज साहब के कान में तो कह ही सकती हो।

फिल्म वर्ग पहेली- 3978

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, अमृता की 'मैं माटी का गुड्डा' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनी, सुष्मिता की फिल्म-२
५. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीतवाली फिल्म-३
७. 'धीरे धीरे आप मेरे दिल में' गीत वाली आमिर, जूही की फिल्म-२
९. धर्मेन्द्र, सुनीलदत्त, संजय, सनी, रवीना, दिव्या की बहु सितारा फिल्म-३
१०. 'कोयल सी तेरी बोली' गीत वाली फिल्म-२
११. 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फरहा की फिल्म-३
१२. 'फूल माँगूं ना' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'आजा जाने जाँ' गीतवाली सुनील शेट्टी, सोमी अली की फिल्म-२
१६. 'दिल के टुकड़े टुकड़े' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'इलाहाबाद में पैदा हुई' गीत वाली देव आनंद, हेमा की फिल्म-४
२२. जीतेंद्र, संजयदत्त, जूही की 'ढूंढ रही थी' गीत वाली फिल्म-४
२५. सनी वाली फिल्म 'जाल' में तब्बू के साथ दूसरी नायिका-२
२६. दिलीप, रेखा, ममता की फिल्म-२
२७. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली संजय, सलमान, रवीना की फिल्म-२
२९. 'नशा ये प्यार का नशा है' गीत वाली फिल्म-२
३०. अल्ताफ रजा के गीत 'पीलो प्यार दी विस्की' वाली फिल्म-२
३१. सनी देओल, अमीषा की फिल्म-३
३३. 'राजा की आएगी बारात' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
३५. अमिताभ, परवीन की 'आदमी जो कहता है' गीत वाली फिल्म-४
३६. 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'हय्या हू' गीत वाली गोविंदा, ऐश्वर्या की फिल्म-४
२. एलबम 'मैं भी मैडोना' का गायक?-२
४. 'शहर की लड़की' गीत वाली फिल्म-३
५. नासिर खान, मीनाकुमारी की फिल्म-३
६. अमिताभ वाली 'याराना' की नायिका?-२
८. 'कुर्बानी' में फिरोज की नायिका?-३
१३. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली फिल्म-३
१४. अनिल, जूही, करिश्मा की फिल्म-३
१५. अरविंद स्वामी, मधु की 'दिल है छोटा सा' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारूख, पूनम की फिल्म-२
१९. 'एहसास' में सुनील शेट्टी की नायिका-२
२०. फिल्म 'मदर इंडिया' में शीर्षक भूमिका किसने की थी?-३
२१. अनिल, मीनाक्षी की 'जिंदगी हर कदम' गीत वाली फिल्म-२,२
२३. गोविंदा, नीलम की 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'झूठे नैना बोले' गीत वाली फिल्म-३
२७. उमादेवी के गाये 'अफसाना लिख रही हूँ' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'तितली उड़ी' गीत राजेंद्रकुमार की किस फिल्म का है-३
२९. जीतेंद्र, रणधीर, राकेश, रेखा की फिल्म-३
३०. 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीतवाली फिल्म-३
३२. विवेक, दीया मिर्जा की फिल्म-२
३४. अमिताभ की 'खाइके पान' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3977

खु	शी	■	शो		द	ग	र	■	फ
दा	■	प	र	ख	■	जे	■	खा	की
ग	द	र	■	त	ला	श	■	■	श
वा	■	दे	व	र	■	ख	ली	फा	■
ह	व	स	■	ना	■	त्रा	■	गु	स
■	क्त	■	नौ	क	र	■	आ	न	■
गु	■	श	ज	■	च	र	स	■	बा
म	स्त	■	वा	स	ना	■	श	जा	जी
ना	■	जा	न	स	■	सु	■	■	ग
म	शा	ल	■	र	फ्ता	र	■	ड	र

सूडोकु -3978

				6	8	5		
	1						2	
		2						8
			4					9
6				5				1
2					3			
5						3		
	8						6	
		4	9	1				

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3977 का हल

2	4	6	7	9	3	5	8	1
3	1	5	2	8	6	4	7	9
7	8	6	1	5	4	2	3	6
6	5	7	9	3	8	1	4	2
9	3	1	4	7	2	8	6	5
4	2	8	6	1	5	7	9	3
1	9	2	3	4	7	6	5	8
5	7	3	8	6	1	9	2	4
8	6	4	5	2	9	3	1	7

शब्द पहेली - 3978

बाएँ से दाएँ

1. मन मोहने वाला-5
5. प्रस्थान करना,रवानगी-5
9. राशिचक्र की दसवीं राशि-3
10. तेल में पकाना-3
11. प्रेम,प्यार-2
13. थोड़ा,जरा-2
14. मैं का बहुवचन-2
15. उम्मीद करना-5
18. धन,संपदा-2
19. पक्षियों की चहचहाट-4
20. अभिप्राय-4
21. सद्,अच्छा-2
22. दम,ताकत-2
23. प्रकाशवान-4
26. ठसाठस-4
29. माईल,दूरी नामपे की इकाई-2
30. क्रोधित होना-2,3
33. विदेशी शराब-2
34. झुका हुआ-2
35. भाग्य (अंग्रेजी-2)
36. आखेट मंच-3
38. खुजली-3
41. मनमोहकता-5
42. नाटक लिखने वाला-5

ऊपर से नीचे

1. आकर्षक.चिताकर्षक-5
2. वैक्स,मधुज-2
3. अधिकार-2
4. फिल्म 'मदर इंडिया' की नायिका-4
5. जागरण-4
6. दीवार (अंग्रेजी-2)
7. मां के पिता-2
8. असफल-5
12. गर्भ,कोख-3
13. करामात-3
15. खातिरदारी -5
16. उद्देश्य-2
17. नामकरण-2,3
23. भूस्वामी-2,3
24. सही का विलोम-3
25. मृत्यु-2
27. इमामदस्ता-3
28. कांतिमान, चमकीला-5
31. उदारता,बड़प्पन-4
32. मालगोदाम-4
36. रत्न,नग-2
37. टी,चहा-2
39. याचिका,वाद (अंग्रजी-2)
40. वहम,संदेह-2

शब्द पहेली -3977 का हल

का	ज	■	आ	ग	■	सा	थ	■	सु	रा
ल	■	ता	ना	■	आ	स	■	ख	ब	र
■	ली	ला	■	सा	या	■	क	ल	ह	■
म	न	■	रा	त	■	र	म	ल	■	वि
स्ती	■	फि	जा	■	अ	ग	ला	■	सा	दा
■	शू	र	■	की	च	ड़	■	ता	र	■
कु	ल	■	अ	म	ल	■	ख	त	■	मी
ली	■	ग	ल	त	■	प	ता	■	जा	न
■	दो	ज	ख	■	क	ल	■	ता	ल	■
घा	य	ल	■	दा	म	■	उ	म्र	■	मो
त	म	■	प	ग	■	कृ	ष्ण	■	क	र

त्वचा पर न दिखे उम्र का असर

लोग यह मानकर चलते हैं कि त्वचा में परिवर्तन उम्र बढने की सामान्य प्रक्रिया है। वे यह नहीं जानते कि स्वस्थ जीवन शैली और त्वचा की अच्छी देखभाल के तरीके अपनाकर परिवर्तन की इस प्रक्रिया को कम किया जा सकता है।

कारगर उपाय

इसके लिए कारगर उपाय है एंटी एजिंग ट्रीटमेंट। अगर आप इसे आजमाना चाहती हैं तो किसी कॉस्मेटिक डर्मेटोलॉजिस्ट से संपर्क करें। पर उनसे कोई भी उपचार करवाने से पहले आप उसके सभी भावी जोखिमों और साइड इफेक्ट को भी जान लें। त्वचा की सबसे ऊपरी परत को एपिडर्मिस कहा जाता है। इस परत में पिग्मेंट बनाने वाली कोशिकाएं होती हैं, जो त्वचा को उसका रंग देती हैं। नए एपिडर्मिस सेल का जन्म एपिडर्मिस के बैसल सेल परत में होता है। यह एपिडर्मिस की जीवित परत होती है।

उम्र बढने के लक्षण

एपिडर्मिस का पतला होना-एपिडर्मिस के बेसल सेल लेयर सेल बनाने की अपनी रफ्तार कम कर देते हैं और एपिडर्मिस को पतला कर देते हैं। इन परिवर्तनों के मिलने से त्वचा में झुर्रियां ज्यादा बनती हैं।

सैगिंग-पुरानी हुई त्वचा इलास्टिन और कोलैजेन कम बनाती है। इससे उसमें झोल पडने और उसके लटक जाने की संभावना बन जाती है। उम्रदराज त्वचा पर इस प्रभाव का असर जल्दी और साफ दिखता है।

झुर्रियां-इलास्टिन और कोलैजेन कम बनने तथा त्वचा के पतले होने से चेहरे के ज्यादा काम करने वाले हिस्से (आंखें और मुंह) लाइनों और झुर्रियों के शिकार जल्दी होते हैं। झुर्रियां वहां उजागर होने लगती हैं।

एज स्पॉट- बाकी बचे पिग्मेंट सेल कुछ क्षेत्रों में बढ जाते हैं। वे एकसाथ रहते हैं व एज स्पॉट का निर्माण करते हैं। शरीर के जो हिस्से धूप में ज्यादा समय तक रहते हैं, उन पर एज स्पॉट खास तौर से जल्दी बनता है।

शुष्की-त्वचा की तैलीय ग्रंथियों की प्रक्रिया कमजोर हो जाती है। इससे त्वचा शुष्की का शिकार हो रफ हो जाती है और उसमें खुजली होती है।

क्षतिग्रस्त होना-पुरानी पतली त्वचा में रक्त कोशिकाओं के टूट जाने और क्षतिग्रस्त होने की संभावना ज्यादा रहती है। आम बोलचाल की भाषा में इसे ब्रोकन वेसल्स कहा जाता है।

कई दुश्मन भी

त्वचा के कई दुश्मन भी हैं और वे भी उसकी उम्र बढाने की प्रक्रिया को गति देते हैं। वे हैं –

सूर्य : त्वचा के धूप में लगातार रहने से वह समय से पूर्व वृद्ध हो जाती है। इसे फोटो एजिंग के नाम से जाना जाता है। सूर्य से निकलने वाली पराबैगनी किरणें हमारी त्वचा के कोलाजेन और इलास्टिन को तोड देती हैं। यूवी किरणें स्किन पिग्मेंट (मेलानिन) के उत्पादन के लिए टर्बो चार्ज के रूप में भी काम करती हैं। इसके परिणामस्वरूप त्वचा पर दाग-धब्बे हो जाते हैं। त्वचा रोग विशेषज्ञ कहते हैं कि उम्र बढने से जुडी तकरीबन 90 प्रतिशत समस्या ज्यादा समय तक धूप में रहने से होती है। अगर आप धूप से होने वाले नुकसान का सबूत चाहती हैं तो सिर्फ अपने चेहरे की त्वचा की तुलना शरीर के किसी ऐसे भाग की त्वचा से कीजिए, जो अकसर धूप में नहीं रहती है।

धूम्रपान : सिगरेट पीने से धूप में रहने से जो नुकसान होता है उसे गति मिल जाती है। त्वचा में झुर्रियां पडना और बढ जाता है। धूम्रपान से त्वचा पर और भी कई प्रतिकूल प्रभाव पडते हैं, क्योंकि सिगरेट का निकोटिन रक्त कोशिकाओं को संकरा कर देता है और इससे खून त्वचा की ऊपरी परत की छोटी कोशिकाओं तक नहीं पहुंच पाता है। धूम्रपान से कोलाजेन जो इलास्टिन के साथ त्वचा को लचीला और मजबूत बनाकर रखता है, कम बनता है। धूम्रपान से जख्मों के ठीक होने की प्रक्रिया भी धीमी हो जाती है। धूम्रपान करने वाले की पहचान ज्यादा झुर्रियों और हलके ग्रे हो गए कॉम्प्लेक्स से होती है।

प्रदूषण और पर्यावरण : आज हम सभी प्रदूषित माहौल में रह रहे हैं। इससे हमारी त्वचा पर गंदगी की परत बैठ जाती है। यह हमारे रोमछिद्रों को बंद कर देती है। लगातार सेंट्रली हीटेड व एयरकंडीशन्ड माहौल में रहने से भी समस्याएं हो सकती हैं। इससे त्वचा शुष्क और डीहाइड्रेट होती रहती है।

तनाव, नींद न आना : हम सभी लोग तनाव के हमले के शिकार होते हैं और तनाव के आंतरिक संकेतों को दिखाने वाले शरीर के पहले अंगों में त्वचा ही होती है। खुश्की, दाग धब्बे व चिपचिपापन इसके लक्षण होते हैं। पर्याप्त नींद न आना भी एक कारण है, जब कि सोने से त्वचा को मरम्मत और नई ताजगी पाने में सहायता मिलती है।

त्वचा में कसाव लाने के तरीके

स्वस्थ त्वचा के लिए स्वस्थ व संतुलित आहार जरूरी है। त्वचा को परफ्यूम वाले साबुन, क्लोरीन वाले स्विमिंग पूल और ज्यादा समय तक गर्म शावर में रहने से बचाइए। न्यूट्रल पीएच बैलेंस वाले साबुन या बॉडी वॉश का उपयोग कीजिए। शुष्क त्वचा पर बारीक रेखाएं और झुर्रियां सामने आने की संभावना ज्यादा होती है, अगर आपकी त्वचा शुष्क है तो इसे नियमित रूप से मॉयस्चराइज कीजिए। आवश्यक हो तो चिकित्सीय सलाह लीजिए।

एंटी एजिंग ट्रीटमेंट

इन दिनों हमारे पास कई तरह के एंटी एजिंग ट्रीटमेंट भी उपलब्ध हैं। पर ये उपचार बगैर जोखिम के नहीं हैं। इसलिए सभी संभावित जोखिमों, जटिलताओं व उपचार के साइड इफेक्ट को समझने के लिए किसी अनुभवी कॉस्मेटिक सर्जन से संपर्क कीजिए। कॉस्मेटिक डर्मेटोलॉजी के अनुसार कुछ एंटी एजिंग ट्रीटमेंट निम्नलिखित हैं –

लोशंस

ऐसे सभी क्रीम और लोशन सिर्फ डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन पर उपलब्ध होते हैं। ऐसी क्रीम के नियमित उपयोग से बारीक लाइनों और त्वचा के असामान्य रंग में कमी आती है।

इंजेक्शन

इसमें ग्राहक के शरीर की दूसरी जगहों से हारवेस्ट किया गया सिंथेटिक कोलाजेन या बॉडी फैट छोटी हाइपोडर्मिक सुई के जरिए झुर्रियों के साथ पाइप किया जा जाता है।

फेशियल पील

इसमें चेहरे पर रसायन लगाए जाते हैं, ताकि त्वचा की ऊपर की परत जल जाए। इससे झुर्रियां खत्म हो जाती हैं और नई, जवां दिखने वाली त्वचा तेजी से बढती है।

बोटोक्स

रिंकल प्रोन एरिया, जैसे आंखों के चारों ओर और भौंह के बीच बोटुलिनियम टॉक्सिस इंजेक्ट किए जाते हैं। इसका प्रभाव मांसपेशियों को कसता है और त्वचा पर झुर्रियों को रोकता है।

जोखिम

कुछ कॉस्मेटिक सर्जरी इस तरह से डिजाइन की जाती हैं कि वे त्वचा पर से उम्र का असर कम कर सकें। इसमें आंखों और चेहरे पर कसाव लाना शामिल है। इसके लिए किसी अनुभवी प्लास्टिक सर्जन से संपर्क कीजिए और सुनिश्चित कीजिए कि आप सर्जरी की सभी संभावित जोखिमों, जटिलताओं और साइड इफेक्ट की समझते हैं। यह भी याद रखिए कि सौंदर्य उत्पादों के दावे तो बहुत किए जाते है, पर अभी तक कोई भी उत्पाद ऐसा नहीं है, जो समय की सुई को पीछे कर सके।

RATE TARIFF
राष्ट्रीय शिखर — खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W — Rs. 750/- (Per Sq. cm)
DISPLAY COLOR — Rs. 750/- + 50% Extra (Per Sq. cm)
CLASSIFIED DISPLAY — Rs. 75/- (Per Sq. cm) Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.
CLASSIFIED Run On words — Rs. 15/- (Per Word) Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Covering Area Delhi NCR & Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	-	50%	Island Position	-	50%	Strip Advt.	-	15%
Front Page (Solus)	-	75%	Right Hand Page	-	10%	Political Advt.	-	50%
Back Page	-	25%	Top of AD Column	-	15%	Pull Outs	-	50%
Page Three	-	20%	Any Other Spl. Position	-	10%	Discount as per deal		

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com
Follow us : @ RashtriyaShikhar/

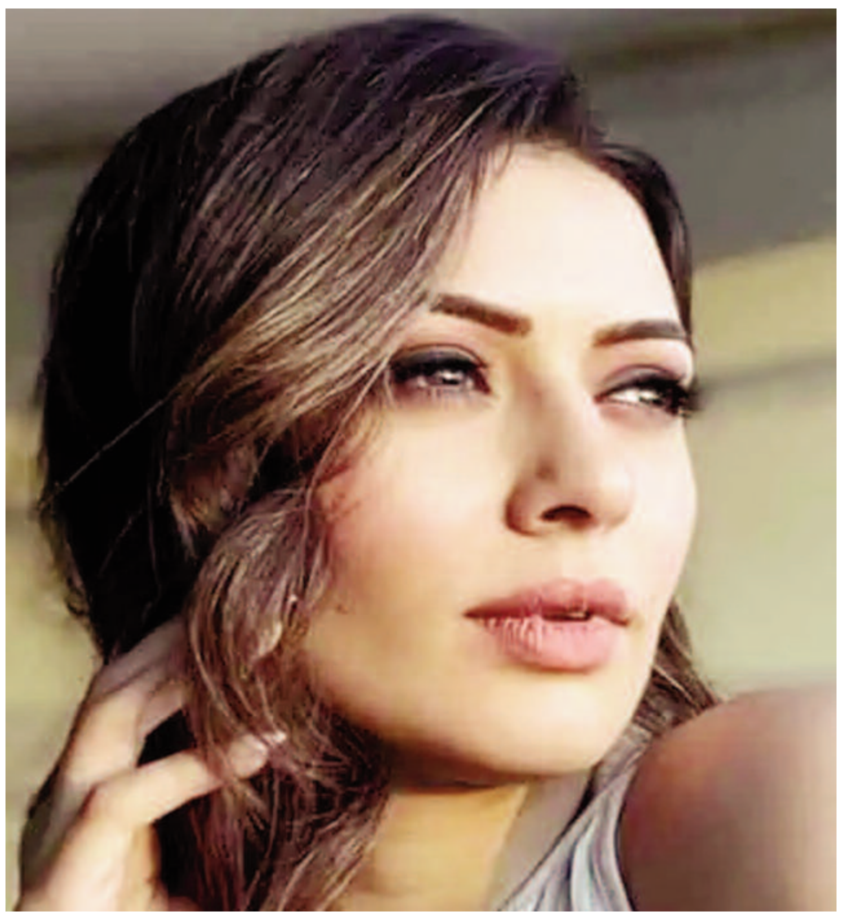

किसी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं है हंसिका की कहानी

हंसिका मोटवानी की कहानी किसी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं है। बचपन में टीवी की दुनिया में कदम रखा, चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर पहचान बनाई, बॉलीवुड में बड़े सितारों के साथ काम किया और फिर साउथ फिल्म इंडस्ट्री में बतौर लीड एक्ट्रेस अलग जगह बना ली। लेकिन, जितनी तारीफ हंसिका के काम की होती है, उससे ज्यादा चर्चे उनकी निजी जिंदगी को लेकर होते हैं। वह किसी न किसी चीज को लेकर अक्सर सुर्खियों में बनी रहती हैं।

मुंबई में जन्मीं हंसिका ने बहुत छोटी उम्र में ही कैमरे का सामना करना शुरू कर दिया था। टीवी के मशहूर शो 'शाका लाका बूम बूम' में बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट नजर आने के बाद वह घर-घर में पहचानी जाने लगीं। इसके बाद उन्होंने 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' जैसे लोकप्रिय सीरियल में भी काम किया। हंसिका की अगली बड़ी छलांग बॉलीवुड में हुई। ऋतिक रोशन और प्रीति जिंटा की फिल्म 'कोई मिल गया' में उनकी मौजूदगी को दर्शकों ने पसंद किया। कुछ समय बाद हंसिका ने साउथ सिनेमा का रुख किया। उन्होंने तेलुगु फिल्म 'देसमुदुरु' से बतौर लीड एक्ट्रेस डेब्यू किया। उस समय उनकी उम्र काफी कम थी, लेकिन फिल्म में उनकी एक्टिंग को पसंद किया गया और उन्हें बेस्ट फीमेल डेब्यू का सम्मान भी मिला। इसके बाद तमिल फिल्मों में भी उनका करियर तेजी से आगे बढ़ा। 'एंगेयुम काधल' और 'ओरु कल ओरु कन्नाड़ी' जैसी फिल्मों ने उन्हें दक्षिण भारतीय दर्शकों के बीच मजबूत पहचान दिलाई। तमिल, तेलुगु, कन्नड़, हिंदी और मलयालम फिल्मों में काम करके उन्होंने अपनी बहुभाषी पहचान बनाई। एक चुलबुली और मासूम लड़की के किरदारों से शुरुआत करने वाली हंसिका ने धीरे-धीरे अलग तरह के रोल भी किए। हंसिका का करियर जितना तेजी से आगे बढ़ा, उनकी निजी जिंदगी को लेकर चर्चाएं भी उतनी ही तेज होती गईं। एक समय उनकी बदली हुई शारीरिक बनावट को लेकर तरह-तरह की बातें कही गईं और उन पर हार्मोनल इंजेक्शन लेने के आरोप लगे। हंसिका ने इन आरोपों को खारिज किया था। इसके अलावा, एक कथित एमएमएस के वायरल होने के बाद भी उनका नाम चर्चा में आया। हालांकि, हंसिका ने साफ किया था कि वीडियो में दिखाई देने वाली लड़की वह नहीं थी। बावजूद इसके, इस विवाद ने काफी समय तक उनका पीछा नहीं छोड़ा। हंसिका की निजी जिंदगी का सबसे ज्यादा चर्चित अध्याय उनकी शादी रही। उन्होंने 4 दिसंबर 2022 को बिजनेसमैन सोहेल कथूरिया से शादी की। राजस्थान के जयपुर में हुई इस शाही शादी की तस्वीरों और वीडियो ने खूब सुर्खियां बटोरीं। उनकी शादी पर 'हंसिका लव शादी ड्रामा' नाम की एक वेब सीरीज भी बनी है।

हालांकि शादी की घोषणा के साथ ही विवाद शुरू हो गया। सोहेल की यह दूसरी शादी थी और उनकी पहली पत्नी रिंकी बजाज हंसिका की दोस्त थीं। इसी वजह से सोशल मीडिया पर हंसिका पर कई तरह के आरोप लगाए गए। हंसिका ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि सोहेल और रिंकी के रिश्ते में क्या हुआ, इससे उनका कोई लेना-देना नहीं था। हालांकि, हंसिका और सोहेल का रिश्ता भी ज्यादा समय चल नहीं पाया। दोनों ने तलाक ले लिया है।

'डेडलॉक्ड' नाम की एक्शन थ्रिलर हॉलीवुड फिल्म डायरेक्ट करेंगे निखिल नागेश भट्ट

डायरेक्टर निखिल नागेश भट्ट 'डेडलॉक्ड' नाम की एक एक्शन थ्रिलर फिल्म डायरेक्ट करेंगे, जिसमें ऑस्कर विजेता एक्टर जेमी फॉक्स लीड रोल में नजर आएंगे। इस फिल्म को अमेजन एमजीएम स्टूडियोज दुनिया भर में रिलीज करेगा।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'डेडलॉक्ड' को प्राइम वीडियो पर ग्लोबली स्ट्रीम किया जाएगा। यह निखिल भट्ट की पहली इंग्लिश लैंग्वेज फिल्म होगी और 'किल' की सफलता के बाद उनके करियर में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। फिल्म की कहानी एक ऐसे पूर्व मरीन पर आधारित है, जो एक बड़े केस में ज्यूरी ड्यूटी कर रहा होता है। इसी दौरान कोर्ट में अचानक खतरनाक हालात बन जाते हैं और मामला बंधक बनाने तक पहुंच जाता है। दरअसल, आरोपी की बेटी अपने पिता को बचाने के लिए कोर्ट पर कब्जा कर लेती है, जिसके बाद कहानी में जबरदस्त ट्विस्ट आता है। इस फिल्म को एरिक स्कॉट एंडरसन और मैट ताकेजिरो बोसैक ने लिखा है। प्रोडक्शन की जिम्मेदारी ब्रायन कवानॉ-जोंस, फ्रेड बर्जर, डेव कैपलान और खुद जेमी फॉक्स की टीम संभाल रही है। जेमी फॉक्स हाल ही में नेटफ्लिक्स की फिल्म 'बैक इन एक्शन' में नजर आए थे, जिसमें उनके साथ कैमरून डियाज थीं। वह जल्द ही 'फाइट फॉर '84' नाम की एक और फिल्म में दिखाई देंगे।

निखिल नागेश भट्ट के बारे में

निखिल नागेश भट्ट को इंटरनेशनल पहचान उनकी फिल्म 'किल' से मिली, जिसका प्रीमियर टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में हुआ था। बाद में इस फिल्म को लायंसगेट ने खरीदा और 2024 में इसे बड़े स्तर पर रिलीज किया गया। लक्ष्य और राघव जुयाल स्टारर 'किल' को भारत की सबसे हिंसक फिल्मों में से एक माना गया। 'किल' के अलावा निखिल 'अपूर्वा', 'हुरदंग' जैसी फिल्में और 'रस भरी', 'द गॉन गेम' जैसी वेब सीरीज भी डायरेक्ट कर चुके हैं। खबरें यह भी थीं कि वह सनी देओल के साथ 'परशुराम' नाम की फिल्म पर काम कर रहे हैं, लेकिन 'डेडलॉक्ड' के ऐलान के बाद इस प्रोजेक्ट का क्या होगा, यह साफ नहीं है।

एकता कपूर की चमक कम नहीं हुई, वह समय के साथ बदलना जानती हैं

टीवी की दुनिया में अब डेली सोप्स के मुकाबले रियलिटी शोज, गेमिंग शोज और अलग तरह के कंटेंट को ज्यादा पसंद किया जा रहा है। ऐसे समय में मशहूर प्रोड्यूसर और 'टेलीविजन की क्वीन' कही जाने वाली एकता कपूर ने खुद को सिर्फ टीवी सीरियल्स तक सीमित नहीं रखा और रियलिटी शो के क्षेत्र में कदम बढ़ाया। इस कड़ी में एकता कपूर की तारीफ करते हुए अभिनेत्री तेजस्वी प्रकाश ने कहा कि वह समय के साथ खुद को बदलना जानती हैं। दरअसल, तेजस्वी प्रकाश इन दिनों गेमिंग रियलिटी शो 'प्लेग्राउंड' के पांचवें सीजन को लेकर चर्चा में हैं। आईएएनएस से बात करते हुए उन्होंने कहा, ''एकता कपूर हमेशा से टेलीविजन की क्वीन रही हैं, लेकिन उन्हें सिर्फ टीवी की निर्माता के तौर पर देखना सही नहीं होगा। वह एक बेहतरीन रणनीतिकार होने के साथ-साथ बहुत समझदार बिजनेसवुमन भी हैं। उन्हें पता है कि इस समय दर्शकों के बीच क्या चल रहा है और किस तरह का कंटेंट लोगों को पसंद आ रहा है। इसलिए वह अपने काम को समय की मांग के हिसाब से बदलती रहती हैं।'' तेजस्वी ने कहा, ''एकता ने अपने आसपास कई ऐसे लोगों को देखा है, जो अपने काम करने के तरीके में बदलाव नहीं करना चाहते। ऐसे लोग चाहे उनका तरीका काम करे या न करे, उसी रास्ते पर चलते रहते हैं। इसकी वजह से वे आगे नहीं बढ़ पाते और एक जगह पर ही रुक जाते हैं। समय के साथ खुद में बदलाव करना बेहद जरूरी है और उन्होंने अपने जीवन में इस बात को महसूस किया है।''

तेजस्वी ने कहा, 'एकता कपूर ने अपनी गलतियों को समझा है और उन गलतियों से सीखने के बाद अपने काम करने के तरीके में जरूरी बदलाव किए हैं। जिंदगी में आगे बढ़ने के लिए यह समझना जरूरी है कि कब अपने तरीके को बदलने की जरूरत है।' तेजस्वी का एकता कपूर के साथ काम करने का अनुभव भी रहा है। वह एकता कपूर के चर्चित शो 'नागिन 6' में नजर आई थीं।

रियलिटी शो 'लॉक अप' को लेकर भी तेजस्वी ने एकता कपूर की टीम की तारीफ की। उन्होंने कहा, ''शो के दूसरे सीजन की सफलता से मैं बेहद खुश और गर्व महसूस कर रही हूं। मैं खुद भी 'लॉक अप' का हिस्सा रह चुकी हूं। भले ही मेरा जुड़ाव शो से छोटे स्तर पर रहा हो, लेकिन उस शो का हिस्सा बनना और उसके मंच पर मौजूद रहना मेरे लिए बेहद मजेदार अनुभव था।'' तेजस्वी ने आखिर में कहा, ''एकता कपूर की पहचान सिर्फ टेलीविजन तक सीमित नहीं है। वह फिल्ममेकर भी हैं और फिल्मों के क्षेत्र में भी काम कर रही हैं। उनके पास आने वाले समय के लिए कुछ नए और शानदार प्रोजेक्ट्स हैं। ऐसे में मुझे नहीं लगता कि एकता कपूर की चमक कम हो रही है।''

सीरियस एक्ट्रेस टैग पर बोलीं संजीदा शेख

'धमाल 4' में अजय देवगन, रितेश देशमुख, अरशद वारसी और जावेद जाफरी जैसे सितारे फिर नजर आए। साथ ही इस बार कुछ नए चेहरे भी जुड़े, जिनमें एक्ट्रेस संजीदा शेख भी शामिल थीं। फिल्म में संजीदा ने एक्शन और कॉमेडी दोनों किया। बातचीत में उन्होंने बताया कि उन्हें यह रोल कैसे मिला और शूटिंग का अनुभव कैसा रहा।

'धमाल 4' से पहले संजीदा ने कॉमेडी में ज्यादा काम नहीं किया था। इससे पहले वह संजय लीला भंसाली की सीरियस पीरियड ड्रामा 'हीरामंडी' में नजर आई थीं। इसके बाद उन्हें 'सीरियस एक्ट्रेस' का टैग मिलने लगा। संजीदा ने कहा, 'मुझे 'धमाल 4' इसलिए मिली क्योंकि इंद्र सर ने मुझे 'हीरामंडी' देखने के बाद बुलाया। उनका पहला सवाल था, 'आप तो बहुत सीरियस एक्ट्रेस हैं,' क्योंकि हीरामंडी काफी सीरियस थी।' संजीदा ने बताया कि उन्होंने डायरेक्टर से कहा कि उन्हें मौका दिया जाए ताकि वह दिखा सकें कि वह कितनी फनी हैं। 'मैं उनके साथ बैठी और उन्होंने मुझे हंसते हुए सुना- मैं थोड़ा अलग तरीके से हंसती हूं तो उन्होंने कहा, 'ठीक है।' और मेरी कास्टिंग हो गई।'

कॉमेडी के साथ किया एक्शन

'धमाल 4' में संजीदा का किरदार जितनी कॉमेडी करता है, उतना ही एक्शन भी करता है। कई सीन में वह बड़े एक्शन स्टार्स के साथ एक्शन करती नजर आईं। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, 'मेरे हर सीन में एक्शन था। मुझे उल्लू बनाया गया। मुझे कहा गया था कि कॉमेडी करनी है, लेकिन मुझसे एक्शन करवा लिया गया।' संजीदा ने बताया कि सेट पर यह बात मजाक बन गई थी कि जहां अजय देवगन जैसे बड़े एक्शन स्टार मौजूद हैं, वहां उनसे एक्शन सीन करवाए जा रहे थे। उन्होंने कहा, 'मैं सच बोल रही हूं, अजय देवगन सेट पर थे और मुझसे सारे एक्शन सीन कराए जा रहे थे। यह सेट पर मजाक बन गया था।'

टॉक्सिक के लिए अपने हिस्से की शूटिंग कर रही हैं रुक्मिणी वसंत

साउथ की चर्चित अभिनेत्री रुक्मिणी वसंत इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'टॉक्सिक' को लेचर चर्चा में हैं। बीते कल इसका ट्रेलर रिलीज हुआ है। ट्रेलर ने दर्शकों का ध्यान खींचा है। इस बीच अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर अपनी शानदार तस्वीरें शेयर की हैं। तस्वीरें शेयर करते हुए अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा ''टॉक्सिक- ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन अप्स' के लिए अपने हिस्से की शूटिंग कर रही हूं।' तस्वीरों पर फैंस ने कमेंट किए हैं। एक यूजर ने उन्होंने सबसे प्यारी गुड़िया कहा है। वहीं एक दूसरे यूजर ने उन्हें सुंदरी कहा है। आपको बता दें कि रुक्मिणी वसंत 'टॉक्सिक' में मेलिसा का किरदार निभा रही हैं। रिलीज हुए फिल्म के ट्रेलर में अभिनेत्री के अलावा कियारा आडवाणी, हुमा कुरैशी, नयनतारा, तारा सुतारिया और यश की झलक दिखी है। ट्रेलर काफी हिंसक है।

फिल्म में यश लीड रोल में नजर आएंगे, जो राया का किरदार निभा रहे हैं। कियारा 'नादिया' का किरदार निभा रही हैं। वहीं तारा सुतारिया 'रबेका' और हुमा कुरैशी 'एलिजाबेथ' के किरदार में नजर आएंगी। इनके अलावा नयनतारा, रुक्मिणी वसंत समेत और भी कलाकार फिल्म में नजर आएंगे।

अजुल के बाद नए सॉन्ग पर ट्रोल हुए गुरु रंधावा

गुरु रंधावा सोशल मीडिया पर अपने गानों और प्रेजेंटेशन को लेकर ट्रोल होते हैं। हाल ही में रिलीज हुए गाने 'फाइन शिट' के साथ भी ऐसा ही हुआ। यूजर्स को इसके बोल नहीं भाए हैं। बता दें कि पिछले साल भी अपने एक गाने 'अजुल' के कारण गुरु रंधावा खूब ट्रोल हुए थे। गुरु रंधावा के नए गाने में ऑफिस का सेटअप है। इसमें वह गाना गा रहे हैं और एक लड़की अजीब तरह का डांस कर रही है। यह डांस भी यूजर्स को नहीं भाया है। इस तरह की प्रेजेंटेशन पर सोशल मीडिया यूजर्स ने सवाल उठाए हैं। गुरु रंधावा के इस गाने को उनके साथ यश्वी देसाई ने भी गाया है। वहीं म्यूजिक वीडियो में अर्शिया सिन्हा, रायमा ग्रोवर, मेहर कौर, रूही दोसानी जैसे सेलेब्स भी नजर आए। इस गाने के बोल गुरजीत ने लिखे हैं। यूट्यूब को इस गाने पर दो दिन में 6 मिलियन से अधिक व्यूज मिल चुके हैं।

इन गानों के लिए मशहूर रहे हैं गुरु रंधावा

गुरु रंधावा एक मशहूर पंजाबी सिंगर, म्यूजिक कंपोजर हैं। वह पंजाबी, इंडी-पॉप स्टाइल के गाने गाते हैं। वहीं बॉलीवुड में भी कई हिट गाने गा चुके हैं। इसमें 'नाच मेरी रानी', 'स्लोली स्लोली', 'बॉर्डर' और फिल्म 'सोनू के टीटू की स्वीटी' का गाना 'कौन नाचना' शामिल है।

तालिबानी शासन के पांच साल: अफगान महिलाओं से छिना पढ़ने, काम करने और सपने देखने का हक; कैसे जिंदा हैं उम्मीदें

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान में तालिबान शासन के पांच साल पूरे होने के बीच वहां की लड़कियों और महिलाओं की जिंदगी पर पाबंदियों की तस्वीर सामने आई है। पढ़ाई, नौकरी और आजादी के रास्ते बंद होने के बावजूद कई महिलाएं अपने सपनों को बचाने की कोशिश कर रही हैं। बल्ख की 23 वर्षीय सोफिया मालेक चोरी-छिपे ऑनलाइन कक्षाएं लेकर साहित्य पढ़ रही हैं और उपन्यास लिख रही हैं, जबकि हेरात की पूर्व महिला सैनिक पारस्तो को अपनी वर्दी तक छोड़नी पड़ी। इन महिलाओं की कहानियां बताती हैं कि पाबंदियों के बीच भी पढ़ने, लिखने और अपने पैरों पर खड़े होने की इच्छा खत्म नहीं हुई है।

तालिबान के शासन में महिलाओं की जिंदगी कैसे बदल गई : तालिबान के सत्ता में आने के बाद अफगानिस्तान में लड़कियों और महिलाओं के सामने कई तरह की पाबंदियां खड़ी हो गईं। पढ़ाई और काम के अवसर सीमित हुए तो उनके लिए सामान्य जीवन जीना भी मुश्किल हो गया। कई महिलाओं को अपने पुराने काम और पहचान से हाथ धोना पड़ा। हेरात की रहने वाली पारस्तो छह साल तक समर्पित सैनिक के तौर पर अफगानिस्तान की सेवा कर चुकी थीं। लेकिन तालिबान के सत्ता में आने के बाद उन्हें और उनकी महिला साथियों को बुलाकर वर्दी सौंपने के लिए कहा गया। उनके मुताबिक, वर्दी छिनने का एहसास ऐसा था जैसे उनसे जीने का अधिकार ही छीन लिया गया हो।

पूर्व महिला सैनिक पारस्तो आज किस डर में जी रहीं : पारस्तो के मुताबिक, तालिबान के लोगों की ओर से उन्हें लगातार जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। उनके पति को भी तालिबान के लोग बुलाकर पूछताछ करते हैं कि उन्होंने कितने तालिबानियों को मारा था। ऐसे माहौल में उनका रोज का जीवन डर में बीत रहा है। सुबह घर का काम पूरा करने के बाद वह काम की तलाश में निकलती हैं और फिर पति के सुरक्षित घर लौटने की चिंता करती हैं। उनके लिए पुरानी नौकरी और सैनिक की पहचान अब अतीत बन चुकी है।

सोफिया मालेक पढ़ने-लिखने का सपना कैसे बचा रहीं : उत्तरी अफगानिस्तान की रहने वाली 23 वर्षीय सोफिया मालेक उन महिलाओं में हैं जो पाबंदियों के बावजूद अपने सपनों को छोड़ना नहीं चाहतीं। वह अंडरकवर पत्रकार के तौर पर लोगों से मिलती हैं, उनकी कहानियां दर्ज करती हैं और उन्हें दुनिया के सामने लाने की कोशिश करती हैं। इसके साथ ही वह चोरी-छिपे ऑनलाइन कक्षाएं ले रही हैं और साहित्य की समझ बढ़ा रही हैं। वह एक उपन्यास भी लिख रही हैं। उनके लिए पढ़ना, लिखना और सृजन करना ऐसा सपना है जिसे कोई तब तक नहीं छीन सकता, जब तक इंसान खुद उसे छोड़ न दे।

सोफिया को हर दस्तक से डर क्यों : सोफिया के लिए अपने काम को जारी रखना आसान नहीं है। उनके मुताबिक, हर समय पकड़े जाने का डर बना रहता है। जब भी घर के दरवाजे पर कोई दस्तक देता है तो उनकी धड़कनें तेज हो जाती हैं। वह अपना लैपटॉप गद्दे के नीचे छिपा देती हैं। तालिबानी अधिकारी उनके घर की कई बार तलाशी भी ले चुके हैं। इसके बावजूद वह लोगों से मिलती हैं, उनकी कहानियां लिखती हैं और अपनी पढ़ाई जारी रखती हैं। कभी-कभी अपनी पसंद की किताब खरीदने के लिए बुकशॉप जाना भी उनकी नियमित दिनचर्या का हिस्सा बन गया है।

अफगानिस्तान छोड़ चुकी महिलाओं को पीछे छूटी सहेलियों की चिंता क्यों : साल 2021 में काबुल छोड़कर अमेरिका पहुंचीं अफगान मूल की मुर्सल रहीम ने भी वहां की महिलाओं की स्थिति को लेकर अपनी पीड़ा साझा की है। उनका कहना है कि अमेरिका में शिक्षा, नौकरी और स्वतंत्रता का आनंद लेते हुए उन्हें अपनी उन सहेलियों की याद आती है, जो अब भी अफगानिस्तान में कैदियों जैसा जीवन जी रही हैं। अमेरिका में शरण मिलना उनके लिए राहत की बात रही, लेकिन उन्हें इस बात का अपराध-बोध भी रहता है कि वह किस्मत से बाहर निकल पाईं, जबकि उनकी कई साथी आज भी पाबंदियों के बीच जिंदगी गुजार रही हैं। अफगानिस्तान की इन महिलाओं की कहानियां दिखाती हैं कि पाबंदियां उनके रास्ते को मुश्किल बना सकती हैं, लेकिन उनकी इच्छा को पूरी तरह खत्म नहीं कर पाई हैं। कोई चोरी-छिपे पढ़ाई कर रही है, कोई अपनी कहानी दुनिया तक पहुंचाने की कोशिश कर रही है और कोई देश से बाहर निकलने के बाद भी वहां फंसी महिलाओं के लिए आवाज उठा रही है। मुर्सल रहीम ने अमेरिकी सरकार से भी अपील की है कि संकट में फंसी अफगान महिलाओं को भुलाया नहीं जाए।

रूस से तेल खरीद पर 100% टैरिफ का खतरा, यूएस अधिकारी बोले- पीएम मोदी और ट्रंप खुद सुलझाएंगे मामला

वॉशिंगटन, एजेंसी। रूस से तेल खरीद को लेकर भारत पर संभावित 100 फीसदी अमेरिकी टैरिफ के मुद्दे पर अमेरिका की ओर से अहम बयान आया है। अमेरिकी व्यापार एवं विनिर्माण मामलों के वरिष्ठ सलाहकार पीटर नवारो ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच अच्छे कामकाजी संबंध हैं और दोनों नेता इस मुद्दे को आपस में सुलझा लेंगे। नवारो ने एएनआई के सवाल के जवाब में कहा कि इस मामले में उन्हें या किसी अन्य अधिकारी को दोनों नेताओं के बीच आने की जरूरत नहीं है। उन्होंने भरोसा जताया कि राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी इस मुद्दे पर समाधान निकाल लेंगे।

क्या रूस से तेल खरीद पर भारत पर लग सकता है 100 फीसदी टैरिफ : यह मामला अमेरिकी सीनेट में पारित एक द्विदलीय विधेयक के बाद चर्चा में आया है। 7 अगस्त को अमेरिकी सीनेट ने ऐसा विधेयक पारित किया, जिसके तहत राष्ट्रपति ट्रंप को रूस से तेल और गैस खरीद जारी रखने वाले देशों के सामान पर 100 फीसदी तक टैरिफ लगाने का अधिकार मिल सकता है। सीनेट में लिंडसे ओ ग्राहम रूस और ईरान प्रतिबंध अधिनियम 2026 को 86-11 के भारी बहुमत से मंजूरी मिली। इस प्रस्ताव का उद्देश्य रूस और ईरान पर आर्थिक दबाव बढ़ाना तथा मॉस्को के साथ बड़े ऊर्जा कारोबार वाले देशों को निशाना बनाना है।

क्या भारत रूस से तेल खरीदने वाले प्रमुख देशों में शामिल है : प्रस्ताव के तहत अमेरिकी राष्ट्रपति को रूस के कच्चे तेल या प्राकृतिक गैस के शीर्ष पांच खरीदार देशों से आने वाले सामान पर 100 फीसदी तक टैरिफ लगाने का अधिकार दिया जा सकता है। भारत और चीन रूस के कच्चे तेल के बड़े खरीदारों में शामिल हैं। विधेयक में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अन्य वरिष्ठ राजनीतिक एवं सैन्य अधिकारियों के अलावा वित्तीय संस्थानों, ऊर्जा परियोजनाओं और रूस के युद्ध प्रयासों से जुड़े संस्थानों पर नए प्रतिबंधों का भी प्रावधान है।

क्या भारत ने 2022 के बाद रूस से तेल खरीद बढ़ाई : रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद भारत ने अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए रूस से रियायती कीमतों पर कच्चे तेल की खरीद बढ़ाई। वैश्विक बाजार में अस्थिरता के बीच सस्ता रूसी कच्चा तेल भारतीय रिफाइनरियों के लिए लागत को बेहतर ढंग से संभालने और घरेलू आपूर्ति बनाए रखने में मददगार रहा। अमेरिकी प्रस्ताव के तहत रूस से ऊर्जा खरीदने वाले देशों के सामने एक तरह से रूस से रियायती ऊर्जा खरीद जारी रखने या अमेरिकी बाजार तक पहुंच बनाए रखने के बीच विकल्प खड़ा हो सकता है।

संक्षिप्त समाचार

बाली में आग और ऊंची लहरों के बीच फंसा जहाज, 106 यात्रियों को बचाया गया; रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

वाशिंगटन, एजेंसी। इंडोनेशिया के टूरिस्ट आइलैंड बाली के पास बुधवार को ऊंची लहरों के बीच एक पैसेंजर जहाज में आग लग गया। जिसमें 106 को बचाया गया है। इसके साथ ही आग बुझाने की कोशिशें की जा रही हैं। अधिकारियों ने बताया कि बचाव दल और वहां से गुजर रहे जहाजों ने 106 लोगों को बचा लिया था। वहीं, वे जलते हुए जहाज से बाकी 25 लोगों को निकालने की कोशिश कर रहे है। मातारम सर्च एंड रेस्क्यू ऑफिस के प्रमुख मुहम्मद हरियादी ने कहा, 'हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता सभी यात्रियों और क्रू सदस्यों की सुरक्षा है।' उन्होंने बताया कि समुद्र में उथल-पुथल और 4 मीटर (13 फीट) तक ऊंची लहरों के कारण बचाव कार्य में मुश्किल आ रही थी। प्रांतीय राजधानी मातारम में मौजूद सर्च ऑफिस के अनुसार, आग सुबह करीब 4:15 बजे लगी। उस समय 'पुत्री यास्मीन' जहाज बाली के पाडांग बाई पोर्ट से वेस्ट नुसा तेंगारा प्रांत के पड़ोसी द्वीप लोम्बोक के लेम्बर पोर्ट जा रहा था। एजेंसी को लगभग आधे घंटे बाद इमरजेंसी रिपोर्ट मिली और उसने तुरंत अपने कर्मचारियों और बचाव जहाजों को काम पर लगा दिया। हरियादी ने बताया कि बचाव अभियान में इंडोनेशिया नौसेना के जहाज, पेट्रोल बोट, बचाव नौकाएं और हवाई सर्वे के लिए एक हेलीकॉप्टर शामिल थे। हरियादी ने पाडांग बाई पोर्ट अथॉरिटी से मिली यात्री सूची के आधार पर बताया कि जहाज में 114 यात्री और 17 क्रू सदस्य सवार थे। इसके साथ ही जहाज में 44 गाड़ियां और 53 मोटरसाइकिलें भी लदी हुई थीं।

अमेरिकी कोर्ट ने पन्नू केस के आरोपी निखिल गुप्ता की सजा की तारीख बदली, अब कब होगा फैसला

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी फेडरल कोर्ट ने आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश रचने का जुर्म कबूल करने वाले निखिल गुप्ता की सजा सुनाने की तारीख 20 नवंबर तक टाल दी है। न्यूयॉर्क के सदर्न डिस्ट्रिक्ट की फेडरल कोर्ट ने पहले गुप्ता को सजा सुनाने के लिए 25 सितंबर की तारीख तय की थी, लेकिन जिसकी हत्या की साजिश रची गई थी उस व्यक्ति के अनुरोध पर सुनवाई को टाल दिया गया। हालांकि कोर्ट में दाखिल दस्तावेजों में पीड़ित का नाम नहीं है, लेकिन पन्नू के वकील ने सार्वजनिक रूप से खुद को कथित हत्या की साजिश का निशाना बताया है। न्यूयॉर्क के दक्षिणी जिले के लिए अमेरिकी जिला न्यायालय के समक्ष दायर एक पत्र में, सरकारी वकीलों ने बताया कि जिस पीड़ित का नाम नहीं बताया गया है। वह सजा सुनाए जाने की प्रक्रिया में शामिल होना चाहता है। उन्होंने 25 सितंबर को होने वाली सुनवाई को टालने का अनुरोध किया क्योंकि उस समय वह देश से बाहर होगा। जज विक्टर मरेरो ने यह अनुरोध मान लिया और गुप्ता को सजा सुनाने की तारीख बदलकर 20 नवंबर को सुबह 10 बजे कर दी। 13 फरवरी को गुप्ता ने पन्नू की हत्या की साजिश के संबंध में हत्या के लिए सुपारी देने, हत्या के लिए सुपारी देने की साजिश रचने और मनी लॉन्ड्रिंग की साजिश रचने के तीनों आरोपों में दोषी होने की बात स्वीकार कर ली। सुपारी लेकर हत्या करने के आरोप में अधिकतम 10 साल की जेल की सजा हो सकती है।

उत्तर कोरिया ने फिर दागी संदिग्ध बैलिस्टिक मिसाइल, जापान बोला- समुद्र में गिरी; क्यों बढ़ा तनाव

सियोल, एजेंसी। उत्तर कोरिया ने बुधवार को अपने पूर्वी तट से जापान सागर की ओर एक संदिग्ध बैलिस्टिक मिसाइल दागी। जापान के रक्षा मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी। मंत्रालय के मुताबिक, संदिग्ध मिसाइल समुद्र में गिर गई। यह घटना ऐसे समय हुई है, जब एक सप्ताह से भी कम समय में उत्तर कोरिया की ओर से दूसरी बार इस तरह के हथियार का परीक्षण किया गया है। दक्षिण कोरिया की समाचार एजेंसी योनहाप ने वहां की सेना के हवाले से बताया कि उत्तर कोरिया ने अपने पूर्वी तट से एक अज्ञात प्रक्षेप्य का प्रक्षेपण किया। दक्षिण कोरियाई सेना ने इस प्रक्षेपण की जानकारी ऐसे समय में दी है, जब क्षेत्र में सैन्य गतिविधियों को लेकर तनाव बना हुआ है। उत्तर कोरिया का यह प्रक्षेपण दक्षिण कोरिया और अमेरिका की ओर से अगले सप्ताह वार्षिक बड़े पैमाने का सैन्य अभ्यास शुरू करने की घोषणा के दो दिन बाद हुआ है। दोनों देशों का कहना है कि इस अभ्यास का उद्देश्य उत्तर कोरिया से जुड़े संभावित खतरों से निपटने के लिए अपनी सैन्य तैयारियों को मजबूत करना है। 'उल्ची फ्रीडम शील्ड' नाम से होने वाले इस सैन्य अभ्यास को लेकर उत्तर कोरिया की प्रतिक्रिया पर भी नजर है। प्योंगयांग लंबे समय से अमेरिका और दक्षिण कोरिया के संयुक्त सैन्य अभ्यासों का विरोध करता रहा है।

जिम्बाब्वे की करिबा झील में पलटी नाव, 15 की मौत; 27 लोग अब भी लापता

हरारे, एजेंसी। जिम्बाब्वे की करिबा झील में क्षमता से ज्यादा यात्रियों से भरी एक नाव पलट गई। हादसे में कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई, जबकि 27 लोग लापता हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी जानकारी देते हुए बताया कि 77 लोगों को बचा लिया गया और उन्हें झील में मौजूद एक द्वीप पर ले जाया गया।

जिम्बाब्वे की सिविल प्रोटेक्शन यूनिट ने बताया कि टिकट बिक्री के रिकॉर्ड के आधार पर नाव में 114 वयस्क यात्री और चालक दल के पांच सदस्य सवार थे। हालांकि, टिकट की उम्र सीमा से कम उम्र के बच्चों की संख्या अज्ञात हो सकती है और उनका रिकॉर्ड दर्ज नहीं हुआ होगा। एजेंसी ने बताया कि नाव की क्षमता 90 लोगों की थी। स्थानीय सांसद मुत्सा मुरोम्बेडजी ने एक वीडियो पोस्ट किया। उन्होंने बताया कि इसमें लोग किनारे पर खड़े होकर यात्रा शुरू करने वाली पुरानी नाव को विदा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ग्रामीण इलाकों के लोग झील के रास्ते करिबा शहर जाने के लिए इस नाव का इस्तेमाल करते हैं। वीडियो के मुताबिक, किनारे पर मौजूद कुछ लोग इस बात को लेकर भी चिंतित थे कि झील में तेज लहरों के बीच नाव सुरक्षित रह पाएगी या नहीं। इससे पहले जिम्बाब्वे पुलिस ने बताया था कि बचाव अभियान चल रहा है, लेकिन उसने घटना से जुड़ी कोई अन्य जानकारी नहीं दी थी। जिम्बाब्वे के सरकारी प्रसारक जेडबीसी ने वीडियो जारी किया, जिसमें स्पीडबोट झील में पलटी हुई दिखाई दे रही एक नाव की ओर जाते नजर आ रही हैं। इसके ऊपर एक हेलीकॉप्टर भी मंडराता दिखाई दिया। दक्षिणी अफ्रीका में स्थित करिबा झील जिम्बाब्वे और उसके पड़ोसी देश जाम्बिया की सीमा का हिस्सा है। यह पानी की मात्रा के लिहाज से दुनिया की सबसे बड़ी मानव निर्मित झील है। इसे 1950 के दशक के अंत और 1960 के दशक की शुरुआत में जाम्बेजी नदी पर बांध बनाकर तैयार किया गया था। बांध के कारण घाटी में धीरे-धीरे पानी भरता गया और विशाल झील का निर्माण हुआ। यह झील अब 200 किलोमीटर से अधिक लंबी और कुछ स्थानों पर 40 किलोमीटर तक चौड़ी है।

हूती हमले में छह की मौत: जहाज पर दो बार दागी मिसाइल, बचाव दल को भी बनाया निशाना; लाल सागर में क्यों बढ़ा खतरा

यमन, एजेंसी। लाल सागर के बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य में एक वाणिज्यिक जहाज पर हुए मिसाइल हमले में कम से कम छह लोगों की मौत की खबर सामने आई है। यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार ने इस हमले के लिए ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों को जिम्मेदार ठहराया है। बताया गया है कि हूतियों ने खाद्य सामग्री ले जा रहे छोटे मालवाहक जहाज 'तिहामा' पर तीन बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। हमले के बाद जहाज में आग लग गई।

जहाज पर हमला कैसे हुआ और कितने लोगों की मौत हुई : यमन के परिवहन मंत्रालय के अनुसार मिसाइल हमले के बाद लगी आग में चालक दल के चार सदस्यों की मौत हुई। इनमें तीन पाकिस्तानी और एक इंडोनेशियाई नागरिक बताया गया है। चार अन्य चालक दल सदस्य घायल हुए। एक बचावकर्मी के घायल होने की भी

जानकारी दी गई है। इसके बाद जब जहाज पर सवार लोगों को बचाने के लिए खोज और बचाव अभियान शुरू किया गया, तब जहाज को दूसरी बार निशाना बनाया गया। यमनी अधिकारियों ने इस दूसरे हमले को बचाव दल समेत जहाज पर मौजूद लोगों की जान खतरे में डालने वाला बताया।

दूसरे हमले में बचावकर्मियों को भी बनाया गया निशाना : यमन के तटरक्षक बल ने बाद में पुष्टि की कि मृतकों में दो बचावकर्मी भी शामिल थे। इस तरह हमले में मरने वालों की संख्या छह हो गई। घटना को इसलिए भी गंभीर माना जा रहा है क्योंकि दूसरा हमला उस समय हुआ, जब पहले हमले के बाद राहत और बचाव का काम चल रहा था। इससे जहाज पर मौजूद लोगों के साथ-साथ मदद के लिए पहुंचे बचावकर्मियों की सुरक्षा पर भी सवाल खड़े हो गए हैं।

जहाज के मालिकाना हक को लेकर क्या सामने आया : हमले के बाद जहाज के मालिकाना हक को लेकर शुरुआती जानकारी में भ्रम की स्थिति रही। यमनी अधिकारियों और समुद्री खुफिया समूह की शुरुआती जानकारी में कहा गया कि निशाना बनाया गया जहाज सऊदी अरब के स्वामित्व वाला था। हालांकि उपलब्ध समुद्री डेटा के मुताबिक तिहामा तंजानिया के झंडे के नीचे चल रहा था। जहाज के स्वामित्व से जुड़ी कंपनियां मिस्र और यमन में पंजीकृत बताई गई हैं। इससे जहाज की पहचान और उसके संचालन को लेकर शुरुआती दावों में अंतर सामने आया है। इस घटना के बीच सऊदी अरब के जजान में अरामको रिफाइनरी पर हूतियों के हमले का भी जिक्र सामने आया है। उनके मुताबिक यह कार्रवाई सऊदी अरब की ओर से सादा और हज्जाह प्रांतों में किए गए ड्रोन अभियानों के जवाब में की गई।

होर्मुज में अमेरिकी कार्रवाई तेज, ईरानी बंदरगाहों की नाकाबंदी तोड़ने वाले जहाज पर किया हमला

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका ने ईरान पर आर्थिक दबाव बढ़ाते हुए ओमान की खाड़ी में एक जहाज पर सैन्य कार्रवाई की है। अमेरिकी सेना के मुताबिक, पनामा के झंडे वाला यह जहाज ईरानी बंदरगाहों की अमेरिकी नाकाबंदी से बचने की कोशिश कर रहा था। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा कि जहाज को रुकने की चेतावनी दी गई थी, लेकिन उसने आदेश नहीं माना। इसके बाद अमेरिकी हेलीकॉप्टर ने जहाज के इंजन रूम में मिसाइलें दागीं, जिससे जहाज चलने में असमर्थ हो गया।

अमेरिका ने जहाज पर हमला क्यों किया : अमेरिकी सेना के अनुसार, एमवी वेला नोवा नाम का जहाज ईरानी बंदरगाहों पर लगी अमेरिकी नाकाबंदी को पार करने की कोशिश कर रहा था। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने बताया कि जहाज को रुकने

के लिए चेतावनी दी गई थी, लेकिन उसने चेतावनी नहीं मानी। इसके बाद अमेरिकी हेलीकॉप्टर ने उसके इंजन रूम को निशाना बनाकर मिसाइलें दागीं। हमले के बाद जहाज निष्क्रिय हो गया। हालांकि, अमेरिकी सेना ने यह नहीं बताया कि जहाज पर मौजूद चालक दल के किसी सदस्य को नुकसान पहुंचा या नहीं।

अमेरिका ने नाकाबंदी लागू करने के लिए अब तक क्या कार्रवाई की

अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, उसने नाकाबंदी को तोड़ने की कोशिश करने वाले 55 वाणिज्यिक जहाजों का रास्ता बदलवाया है। इसके अलावा तीन ऐसे जहाजों को निष्क्रिय किया गया, जिन्होंने अमेरिकी आदेशों का पालन नहीं किया। दो जहाजों पर अमेरिकी सेना ने सवार होकर कार्रवाई भी की है। इससे साफ है कि अमेरिका ईरानी बंदरगाहों पर अपनी नाकाबंदी को लागू कराने के लिए सैन्य दबाव लगातार बढ़ा रहा है।

अरब सागर में अमेरिका की कितनी सैन्य ताकत मौजूद है

अमेरिकी नौसेना के 15 से अधिक युद्धपोत फिलहाल अरब सागर के आसपास के समुद्री क्षेत्र में तैनात हैं। इनमें दो विमानवाहक पोत और एक उभयचर हमला करने वाला जहाज भी शामिल है। यह सैन्य तैनाती ऐसे समय में है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान पर आर्थिक दबाव बनाए रखने की कोशिश कर रहे हैं। ओमान की खाड़ी में जहाज पर हुई कार्रवाई से संकेत मिलता है कि ईरान पर दबाव सिर्फ आर्थिक और राजनीतिक स्तर तक सीमित नहीं है, बल्कि समुद्री मार्गों पर भी अमेरिकी निगरानी और कार्रवाई तेज हो गई है।

'मुझे बहुत धमकियां मिलती हैं': राष्ट्रपति ट्रंप ने माना तुर्किये में ट्रक में छिपकर बदला था विमान; क्या कहा

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को लेकर बड़ा बयान दिया है। ट्रंप ने कहा कि उन्हें ईरान पर बिल्कुल भरोसा नहीं है। उन्होंने कह, 'ईरान पर भरोसा करने वाला मैं आखिरी व्यक्ति हूं। उन्होंने लगातार मुझसे झूठ बोला है।' ट्रंप ने कहा कि इस समय होर्मुज जलडमरूमध्य पर अमेरिका का पूरी तरह नियंत्रण है। उन्होंने कहा, उनका (ईरान) नियंत्रण नहीं है। हमारा पूरा नियंत्रण है। यह हमारे कब्जे में है। ट्रंप ने आगे चेतावनी देते हुए कहा कि अगर किसी समय ईरान ने कुछ करने की कोशिश की, तो उसे 'उड़ा दिया' जा सकता है। उन्होंने कहा, 'अभी हम बहुत अच्छी स्थिति में हैं।

ट्रंप ने की तुर्किये में विमान बदलने की पुष्टि : एक अन्य बयान में अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपनी सुरक्षा को लेकर कहा कि वह सीक्रेट सर्विस और सेना के निर्देशों का पालन करते हैं। उन्होंने कहा कि यह फैसला पूरी तरह सीक्रेट सर्विस पर निर्भर करता है और वह वही करते हैं जो सीक्रेट सर्विस उनसे करने के लिए कहती है। ट्रंप ने बताया कि सीक्रेट सर्विस ने उन्हें एक अलग उड़ान और अलग विमान से जाने के लिए कहा था। उन्होंने कहा कि वह विमान भी उतना ही सुरक्षित था। लेकिन सीक्रेट सर्विस चाहती थी कि वह उसी विमान से यात्रा करें, इसलिए उन्होंने उनकी बात मान ली। ट्रंप ने कहा, मैं वही करता हूं जो वे कहते हैं। उन्होंने आगे कहा कि शायद वहां कोई खतरा था। ट्रंप ने यह भी कहा कि उन्हें बहुत सारी धमकियां मिलती रहती हैं। तुर्किये में पिछले महीने नाटो सम्मेलन के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप को ईरान से गंभीर खतरे के चलते बेहद गोपनीय तरीके से

वहां से निकाला गया था। ट्रंप को एयरफोर्स वन के पुराने विमान से एक खानपान सामग्री ले जाने वाले कंटेनर के जरिये निकालकर दूसरे सैन्य विमान तक पहुंचाया गया। राष्ट्रपति ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि वह 8 जुलाई को पुराने एयरफोर्स वन से ब्रिटेन जाएंगे। पत्रकारों ने तुर्किये में ट्रंप को पुराने नीले रंग के 747 विमान में चढ़ते हुए भी देखा था। हालांकि, ट्रंप उस विमान में सवार नहीं हुए। उन्हें दूसरी तरफ से कंटेनर के जरिये निकालकर एक सी-32ए सैन्य विमान से गुप्त रूप से ब्रिटेन भेजा गया। गौरतलब है कि 747 विमान कतर के शाही परिवार ने अमेरिका को उपहार में दिया था।

अचानक बदला प्लान : ट्रंप एक माह पहले कतर के शाही परिवार से उपहार में दिए गए इस विमान से तुर्किये पहुंचे थे। उन्हें इसी विमान से ब्रिटेन जाना था लेकिन ऐन वक्त पर प्लान बदला गया और कंटेनर में बैठाकर सी-32ए सैन्य विमान तक पहुंचाया गया।

तीसरी बार चुनाव लड़ने के सवाल पर क्या कहा : ट्रंप ने तीसरी बार राष्ट्रपति चुनाव लड़ने को लेकर पूछे गए सवाल को टालते हुए कहा कि वह चुनाव लड़ना पसंद करेंगे, लेकिन कानून इस मामले में बहुत सख्त है। ट्रंप ने कहा, हर कोई चाहता है कि मैं ऐसा करूं, लेकिन कानून बहुत सख्त है।

म्यांमार में सेना ने बदला हवाई हमलों का तरीका: क्या है 'डबल-टैप'; संयुक्त राष्ट्र की जांच में क्या खुलासे हुए

बैंकॉक, एजेंसी। म्यांमार की सेना ने सरकार विरोधी सशस्त्र समूहों के साथ जारी संघर्ष के बीच हवाई हमले बढ़ा दिए हैं। संयुक्त राष्ट्र की एक जांच रिपोर्ट में बताया गया है कि इन हमलों में आम लोग मारे जा रहे हैं। सेना इन हमलों के लिए मोटर से चलने वाले पैराग्लाइडर और जाइरोकॉप्टर जैसे कम लागत वाले विमानों का इस्तेमाल पहले से ज्यादा कर रही है। उधर, रखाइन प्रांत में सरकार के खिलाफ लड़ रहे एक बड़े जातीय सशस्त्र समूह ने दावा किया है कि इस महीने अब तक सेना के हवाई हमलों में 20 आम लोग मारे गए हैं। म्यांमार के सैन्य शासन ने संयुक्त राष्ट्र की जांच या अराकान आर्मी के आरोपों पर तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। इससे पहले सेना कहती रही है कि वह केवल युद्ध में वैध ठिकानों पर ही हमला करती है। सेना ने सरकार के खिलाफ लड़ रहे बलों पर आतंकवादी होने का आरोप लगाया है। संयुक्त राष्ट्र की ओर से बनाई गई इंडिपेंडेंट इन्वेस्टिगेटिव मैकेनिज्म फॉर म्यांमार (आईआईएमएम) की रिपोर्ट में एक साल तक चली जांच का विवरण दिया गया है। यह जांच म्यांमार की सेना और उससे जुड़े हथियारबंद समूहों के साथ-साथ सरकार विरोधी सशस्त्र समूहों के कथित युद्ध अपराधों और मानवता के खिलाफ किए गए अपराधों को लेकर की गई थी। जांच में पाया गया कि दिसंबर और जनवरी में सेना की ओर से कराए गए चुनावों के दौरान हिंसा और मानवाधिकार उल्लंघन की घटनाएं बढ़ गई थीं। आईआईएमएम ने कहा कि चुनाव से पहले के महीनों में हवाई हमले काफी बढ़ गए थे और चुनाव के बाद भी ये लगातार जारी रहे। जांचकर्ताओं ने लोगों को जानबूझकर और बिना किसी उचित वजह के हिरासत में लेने, यातना देने और यौन हिंसा की घटनाएं भी दर्ज कीं।

क्या है 'डबल-टैप' हवाई हमला : आईआईएमएम ने कहा कि सेना के बढ़ते 'डबल-टैप' हवाई हमलों से आम लोगों की मौत और घायल होने की संख्या बढ़ रही है। पहले हमला किया जाता है और फिर उसी जगह पर दोबारा हमला किया जाता है। जांच के अनुसार, दूसरे हमले में उन लोगों को निशाना बनाया

जाता है, जो घायलों की मदद करने, उन्हें बचाने या वहां से भागने की कोशिश कर रहे होते हैं।

पैरामोटर और ड्रोन का क्यों बढ़ा इस्तेमाल : आईआईएमएम ने कहा कि म्यांमार की सेना हवाई हमलों के लिए मोटर से चलने वाले पैराग्लाइडर (जिसे पैरामोटर भी कहा जाता है) के साथ-साथ जाइरोकॉप्टर और ड्रोन का इस्तेमाल तेजी से कर रही है। इनसे कम ऊंचाई पर बिना किसी सटीक दिशा-निर्देशन वाले विस्फोटकों के जरिये हवाई हमले किए जाते हैं।

बिना आवाज कैसे पहुंचते हैं पैरामोटर : रिपोर्ट में कहा गया है कि ऊपरी सागाइंग क्षेत्र में हाल की कई घटनाओं में पैरामोटर चला रहे पायलट कथित तौर पर अपने ठिकानों के पास पहुंचने पर इंजन बंद कर देते थे। इसके बाद वे बिना आवाज के हवा में ग्लाइड करते हुए आगे बढ़ते थे। इससे आम लोगों को भागने या सुरक्षित जगह पर पहुंचने के लिए बहुत कम या बिल्कुल भी चेतावनी नहीं मिलती थी। आईआईएमएम की रिपोर्ट ऐसे समय आई है, जब रखाइन में सेना के खिलाफ लड़ रहे एक बड़े जातीय सशस्त्र समूह अराकान आर्मी ने कहा कि 1 से 11 अगस्त के बीच तीन टाउनशिप में हुए हवाई हमलों में करीब 20 आम लोग मारे गए और 22 घायल हुए। समूह के मुताबिक, इनमें एक हमला ऐसा भी था, जिसमें आठ विमानों ने करीब एक घंटे तक बमबारी की। सेना समर्थित सरकार ने इन कथित हमलों पर सार्वजनिक रूप से कोई टिप्पणी नहीं की है। असिस्टेंस एसोसिएशन फॉर पॉलिटिकल प्रिजनर्स के अनुसार, 2021 से म्यांमार के सुरक्षा बलों ने 8,000 से ज्यादा आम लोगों की हत्या की है और 31 हजार से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया है। यह एक स्वतंत्र संगठन है, जो देश में जारी गृहयुद्ध के दौरान हुई गिरफ्तारियों और मौतों का विस्तृत रिकॉर्ड रखता है। आईआईएमएम की स्थापना 2018 में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद ने म्यांमार में अंतरराष्ट्रीय कानून के उल्लंघनों पर नजर रखने के लिए की थी। संस्था ने कहा कि उसने 1,600 से ज्यादा स्रोतों और गवाहों से सबूत जुटाए हैं।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)